RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 52
नई दिल्ली, सोमवार, 27 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बने रूट
स्पोर्ट्स-10

दिल्ली में आज से रात का कर्फ्यू

- रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को वाहन निकलने की अनुमति
- नोएडा-गुरुग्राम समेत अब पूरे एनसीआर में रात की पाबंदियां हुईं लागू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में रविवार को कोहरे के चलते धीमी गति से चलते वाहन

राजधानी दिल्ली में सोमवार से रात का कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण राज्य सरकार ने यह फैसला लिया। नाइट कर्फ्यू रात 11 बजे से लेकर सुबह पांच बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान केवल जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को ही बाहर निकलने की अनुमति होगी। बेवजह बाहर निकलने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सड़कों पर मौजूद पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी कर्फ्यू का पालन कराएंगे।

दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, सोनीपत और गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पहले ही नाइट कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देशभर में ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने समय पर नाइट कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया है। इससे कोरोना के नए वैरिएंट को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी। यहां बता दें? कि इससे पहले बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की भीड़ एवं कोरोना नियमों के उल्लंघन पर एलजी अपनी नाराजगी जता चुके हैं। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन को सख्ती के साथ कोविड नियमों का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल भी दिल्ली में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन को रोकने के लिए अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर चुके हैं। वह लगातार इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि ओमीक्रोन के खतरे के चलते डीडीएमए दिल्ली में पहले ही क्रिसमस एवं नये साल के कार्यक्रमों एवं पार्टियों पर रोक लगा चुका है। अब इस कड़ी में सरकार द्वारा राजधानी में नाइट कर्फ्यू की घोषणा की गई है। इससे पहले देश भर में मध्यप्रदेश के बाद हरियाणा, गुजरात, यूपी, राजस्थान व पुडुचेरी में रात्रिकालीन कर्फ्य लग चुका है एवं सरकारों ने इसमें और ज्यादा सख्ती बरतने की बात कही है। आज भी संक्रमण दर 0.55 से ऊपर रही तो लगेगा ग्रेप : एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में जिस तरह रोजाना कोरोना एवं ओमीक्रोन के मामले में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। रविवार को संक्रमण दर 0.55 प्रतिशत रही, यदि सोमवार को भी संक्रमण दर इतनी या इससे अधिक रही तो राजधानी में ग्रेडेड एक्शन रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू हो जाएगा।

दिल्ली के साथ मुंबई में भी तेजी से बढ़ रहे कोरोना केस

नई दिल्ली के सरोजनीनगर में कोरोनारोधी टीका लगवाता एक व्यक्ति

- राजधानी में एक दिन में संक्रमण के 290 व मुंबई में 922 नए मामले आए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओमीक्रोन के कहर के बीच कोरोना तीसरी लहर की दहलीज पर खड़े देश में दिल्ली और मुम्बई में सबसे ज्यादा कोविड केस बढ़ रहे हैं। दूसरी लहर में भी इन दोनों ही शहर में सबसे ज्यादा जनहानि हुई थी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश की राजधानी में रविवार को 290 नए कोविड-19 मामले आए और व्यक्ति की मौत हुई है। इस तरह अब सकारात्मकता दर बढ़कर 0.55 प्रतिशत हो गई।

दिल्ली में अब कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 14,43,352 हो गई, जबकि मरने वालों की संख्या बढ़कर 25,105 हो गई। सक्रिय मामलों की संख्या 1,103 है, जिनमें से 583 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। पिछले कुछ दिनों में ओमीक्रोन वायरस के खतरे के बीच मामलों की संख्या में तेजी आई है। इसी तरह मुंबई में रविवार को कोविड-19 के 922 नए मामले दर्ज किए गए। एक दिन में 200 मरीज अधिक आए। महाराष्ट्र की राजधानी में महामारी से दो लोगों कर मौत भी हुई। एक दिन पहले, मुंबई में 731 मामले सामने आए थे, लेकिन वायरस से किसी की मौत नहीं हुई। राज्य भर में आए कोरोना वायरस के अत्यधिक संक्रामक ओमीक्रोन वैरिएंट के 31 नए मामलों में से अकेले मुंबई में 27 केस दर्ज किए गए। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी में इस समय 4,295 सक्रिय कोरोना वायरस मामले हैं। साथ ही 326 मरीज ठीक हो गए।

दूसरे टीके व बूस्टर डोज के बीच हो सकता है 9-12 माह का अंतर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 वैक्सीन की दूसरी खुराक और तीसरी, जिसे बूस्टर डोज कहा जा रहा है, के बीच का अंतराल 9 से 12 माह होने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार, भारत के टीकाकरण कार्यक्रम में उपयोग किए जा रहे कोविशील्ड और कोवैक्सीन को वर्तमान टीकों के लिए अंतराल की बारीकियों पर काम किया जा रहा है और इस पर अंतिम निर्णय जल्द ही लिया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि कोविड वैक्सीन के दूसरे टीके और बूस्टर डोज के बीच के अंतर पर टीकाकरण विभाग और टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के बीच हुई चर्चा में 9 से 12 महीने होने की संभावना है। इस बीच, एम्स के वरिष्ठ एपिडिमियोलॉस्जिट, संस्थान में वयस्कों और बच्चों के लिए कोवैक्सीन परीक्षणों के प्रमुख जांचकर्ता ने रविवार को बच्चों को कोविड के खिलाफ टीकाकरण के केंद्र के फैसले को अवैज्ञानिक करार देते हुए कहा कि इससे कोई अतिरिक्त लाभ नहीं होगा। एम्स के वरिष्ठ एपिडिमियोलॉस्जिट डॉ. संजय कुमार राय, जो इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि निर्णय को लागू करने से पहले, उन देशों के डेटा का विश्लेषण किया जाना चाहिए जिन्होंने पहले ही बच्चों का टीकाकरण शुरू कर दिया है।

राय ने पीएमओ को टैग करते हुए ट्वीट में कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा और सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, लेकिन बच्चों के टीकाकरण पर उनके अवैज्ञानिक निर्णय से मैं पूरी तरह निराश हूं। राष्ट्र के नाम शनिवार रात को टेलीविजन पर संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि 15-18 वर्ष के बच्चों के लिए कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण 3 जनवरी से शुरू होगा, जबकि स्वास्थ्य देखभाल और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए बूस्टर डोज 10 जनवरी से दी जाएगी।

कृषि कानून दोबारा लाने की कोई योजना नहीं: कृषि मंत्री

- बयान पर मचे बवाल के बाद केंद्रीय मंत्री तोमर ने ट्वीट कर दी सफाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को अपने एक ट्वीट में कहा कि तीन कृषि कानूनों को दोबारा लाने की सरकार कोई योजना नहीं बना रही है। तोमर का यह ट्वीट उनकी एक दिन पहले की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलको में उठे तूफान के बाद आया है। सफाई देते हुए उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी दल अपनी विफलता छिपाने के लिए ऐसी अफवाहें फैला रही है।

तोमर ने रविवार को एक ट्वीट में कहा कि केंद्र सरकार की कानूनों को वापस लाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के सम्मान में कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने का फैसला किया था। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इस मुद्दे पर उनके भाषण (नागपुर, महाराष्ट्र में एक कृषि कार्यक्रम में) के बयानों की गलत व्याख्या की गई और साथ यह भी कहा कि उनका इरादा ऐसा नहीं था जिसे दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि (उस आयोजन में) हमने कृषि कानूनों पर एक कदम पीछे ले लिया है, लेकिन सरकार हमेशा किसानों के कल्याण के लिए काम करना जारी रखेगी। इसलिए इस मुद्दे पर कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए और सरकार के पास नहीं है। उनका या सरकार का कृषि कानूनों को फिर से वापस लाने का इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए जनता के बीच भ्रम बो रही थी और किसानों को इससे सावधान रहना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि 2006 में आई स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट को कांग्रेस सरकार ने लागू नहीं किया। नागपुर में शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, तोमर ने संकेत दिया था कि कृषि सुधारों को फिर से शुरू किया जा सकता है। तोमर के इस बयान की विपक्ष ने उनके बयान को लेकर कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस ने केंद्र पर विधानसभा चुनाव के अगले दौर के बाद निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों को वापस लाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते (शेष पेज 9)

नरोत्तम मिश्रा की चेतावनी के बाद गाने के बोल बदलेगी कंपनी

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा द्वारा रविवार को विवादास्पद गाना मधुबन में राधिका नाचे रे तीन दिन में सोशल मीडिया से नहीं हटाने पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दिए जाने के कुछ ही घंटों में देश की सबसे पुरानी संगीत कंपनी सारेगामा ने कहा कि कंपनी इस गाने के बोल एवं नाम बदलेगी। मिश्रा ने रविवार को यहां चेतावनी दी कि बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री सनी लियोनी व शाकिब तोशी द्वारा माफी मांग कर अपना विवादास्पद गाना मधुबन में राधिका नाचे रे तीन दिन में सोशल मीडिया से नहीं हटाया तो इन दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, साधु-संतों ने भी इस गाने पर आपत्ति उठाई थी और इस वीडियो एलबम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। सारेगामा ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, हाल ही में आई फीडबैक और हमारे देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए हम मधुबन गाने के बोल और नाम (शेष पेज 9)

नागालैंड से अफस्पा हटाने को बनेगी समिति

- यह समिति 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर फैसला लिया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागालैंड से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को वापस लेने के लिए केंद्र सरकार एक समिति बनाने के लिए सहमत हो गई है। यह फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो के बीच हुई बैठक में लिया गया। राज्य में प्रदर्शनकारी लंबे समय से अफस्पा हटाने की मांग करते रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागालैंड के मुख्यमंत्री 23 दिसंबर को दिल्ली में हुई बैठक में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, नागालैंड के डिप्टी सीएम वाई पैटन और एनपीएफएलपी नेता टीआर जेलियांग मौजूद थे। नई समिति की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्रालय के उत्तर पूर्व के अतिरिक्त सचिव करेंगे और इसमें नागालैंड के मुख्य सचिव और डीजीपी शामिल होंगे। नागालैंड सरकार की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि समिति 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी और नगालैंड से अशांत क्षेत्र और अफस्पा को वापस लेना समिति की सिफारिशों पर आधारित होगा। सीआरपीएफ के प्रतिनिधि भी कमेटी में होंगे। बीते 20 नवंबर को नागालैंड विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें भारत सरकार से इस क्षेत्र से अफस्पा को निरस्त करने की मांग की गई थी। प्रस्ताव पेश करते हुए रियो ने कहा था कि पिछले 20 साल से राज्य सरकार विवादास्पद कानून को हटाने और नागालैंड को अशांत क्षेत्रों की सूची से हटाने की सिफारिश कर रही है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी उन सैन्य कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करेगी, जो इस महीने की शुरुआत में एक असफल आतंकवाद विरोधी अभियान में 14 नागरिकों की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। मृतक के परिजन को राज्य सरकार नौकरी देगी। बयान में कहा गया है कि नागालैंड के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री से सोम में असम राइफल्स इकाई को तत्काल प्रभाव से बदलने के लिए कहा। पिछले हफ्तों के दौरान, 4 और 5 दिसंबर को मोन जिले में सुरक्षा बलों द्वारा नागरिकों की हत्या के बाद अफस्पा के विरोध में नागालैंड में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इससे नागालैंड के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा है, क्योंकि आदिवासी निकायों और छात्र संगठनों ने अफस्पा को खत्म करने के लिए दबाव बनाने के लिए बंद और विरोध प्रदर्शन किया। अफस्पा जिसे 1958 में संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था, सशस्त्र बलों को अशांत क्षेत्रों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अधिकार प्रदान करता है।

मैं 24 कैरेट का कांग्रेसी हूं, पार्टी से नाराज नहीं: आजाद

भाषा। जम्मू

कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने पार्टी छोड़ने की सभी अटकलों पर रविवार को विराम लगाते हुए खुद को 24 कैरेट का कांग्रेसी बताया और कहा कि वह पार्टी से नाराज नहीं हैं, बल्कि कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए काम कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पिछले लगभग दो महीनों से जम्मू-कश्मीर में जनसभाएं कर रहे हैं। जम्मू के बाहरी इलाके खुर के सीमावर्ती इलाके में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, आजाद ने कहा कि सुधार एक गतिशील प्रक्रिया है और लोगों के लाभ के लिए हर पार्टी, समाज और देश के लिए अनिवार्य है। आजाद ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की तरह पार्टी छोड़ने की अटकलों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा, हां, मैं कांग्रेसी हूं। आपको किसने कहा कि मैं (कांग्रेसी) नहीं हूं? 24 कैरेट कांग्रेसी हूं। अगर 18 कैरेट 24 कैरेट को चुनौती दे रहा है तो क्या फर्क पड़ता है? पिछले साल सांगठनिक बदलाव की (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,124	
निफ्टी	17,003	
सोना	47,263	/10g
चांदी	61,054	/kg

क्विक न्यूज

अंबाला में ईशु मसीह की प्रतिमा तोड़ी गई

अंबाला। अंबाला में एक गिरजाघर के प्रवेश द्वार पर लगी ईशु मसीह की प्रतिमा को कथित तौर पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़ दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि अंबाला छावनी के होली रिडीमर गिरजाघर में हुई। अंबाला छावनी थाने के प्रभारी अनिल कुमार ने कहा कि पुलिस को सुबह तोड़फोड़ के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज एकत्र किए गए है और दो संदिग्धों को देखा गया है। धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। अंबाला की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूजा डाबला ने कहा कि विस्तृत जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया है।

कठुआ दुष्कर्म हत्या मामले में दो दोषियों को जमानत मिलने पर पीड़िता के अभिभावक नाराज

भाषा। जम्मू, नई दिल्ली

जम्मू जिले के कठुआ में आठ साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हुई नृशंस हत्या के मामले में बच्ची के माता पिता ने दो दोषियों को जमानत मिलने जबकि छह की सजा बढ़ाने के लिए दायर उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इन दोषियों को जमानत दी गई है जबकि अदालत घटना को राक्षसी और भयानक अपराध करार दे चुकी है।

मोहम्मद युसूफ जिसने पीड़ित बच्ची को गोद लिया था और मोहम्मद अख्तर जो बच्ची के जैविक पिता हैं, ने कहा कि उन्होंने सुना है कि दो दोषियों- पूर्व उप निरीक्षक आनंद दत्ता और हेड कांस्टेबल तिलक राज- को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने जमानत पर रिहा कर दिया और उनकी बाकी सजा अपील लंबित रहने तक स्थगित की गई है। अख्तर ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे आश्चर्य है कि दो आरोपियों को जमानत पर छोड़ा गया है। सजा बढ़ाने की हमारी अपील अब भी लंबित है जबकि उनकी अपील को सुना गया। मुझे आश्चर्य है कि क्या मेरे जैसे गरीब को कभी सुना भी जाएगा। मुझे उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय इस मामले को देखेगा और कोई कार्रवाई करेगा क्योंकि हमारी याचिका को कोई नहीं सुन रहा है। युसूफ ने दावा किया कि मामले को इस स्तर तक हल्का करने की कोशिश की जा रही है ताकि सभी दोषी बाहर आ जाएं। उन्होंने कहा, जब आरोपी जमानत पर बाहर आएंगे, तो मुझे डर है कि एक दिन मेरे खिलाफ भी कोई फर्जी मामला दर्ज कर मुझे जेल में डाल दिया जाएगा। वे बहुत ताकतवर लोग हैं। युसूफ ने आरोप लगाया, पहले ही कयास लगाए जा रहे हैं कि सीबीआई इस मामले की दोबारा जांच करने जा रही है और सभी आरोपी जमानत पर बाहर आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि 17 जनवरी 2018 को आठ साल की बच्ची की लाश मिली थी जिसके बाद पूरे देश में नाराजगी देखी गई। शुरुआती टालमटोल के बाद मामले की जांच उसी साल 27 जनवरी को अपराध शाखा को दी गई जिसने अपराध के पीछे की साजिश का खुलासा किया।

जांच में पता चला कि लड़की का अपहरण कर पहले चार दिनों तक दुष्कर्म किया गया और उसके बाद नृशंस तरीके से हत्या की गई। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2018 में मामले की सुनवाई जम्मू से बाहर कराने का निर्देश दिया और पठानकोट सत्र न्यायालय को दैनिक आधार पर मामले की सुनवाई करने को कहा। अदालत ने जून 2019 में अपराध के मास्टरमाइंड और देवस्थानम जहां पर अपराध हुआ (शेष पेज 9)

कांग्रेस का 10 हजार लड़कियों के मैराथन में शामिल होने का दावा

- प्रियंका ने कहा: हक के लिए लड़ेंगी लड़कियां

भाषा। लखनऊ

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर लड़कियों का मैराथन नहीं होने देने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सरकारी बसों और सरकारी व्यवस्था के बिना ही दस हजार से अधिक लड़कियां झांसी में मैराथन में दौड़ने उतरीं। पार्टी महासचिव और उत्तर प्रदेश के पार्टी मामलों की प्रभारी प्रियंका वाद्रा ने रविवार को कहा कि झांसी की लड़कियों ने मुख्यमंत्री को संदेश भेजा है कि लड़कियां सहेंगी नहीं, अपने हक के लिए लड़ेंगी। प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को ट्वीट किया, योगी जी भीड़ जुटाकर लैपटॉप और मोबाइल बांट सकते हैं लेकिन मैराथन नहीं होने दे रहे हैं।

लड़कियों के साथ इतना अन्याय क्यों। कांग्रेस ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में आरोप लगाया, बिना सरकारी बसें और सरकारी तंत्र लगाए, आज झांसी में दस हजार से अधिक लड़कियां लड़की हूं लड़ सकती हूं मैराथन में दौड़ने उतरीं। आज प्रदेश की हर लड़की इस नारे के साथ है। उसने लिखा, योगी जी, लड़कियों से इतने डरे हैं कि लखनऊ में मैराथन की अनुमति रद्द कर दी। लेकिन लड़कियां लड़ेंगी। प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को ट्वीट किया योगी आदित्यनाथ जी, आप लड़कियों को नियंत्रित करने जैसी महिला विरोधी बात करते हैं, इसलिए आपने लखनऊ में लड़कियों की मैराथन नहीं होने दी।

झांसी की लड़कियों ने आपको एक संदेश भेजा है कि लड़कियां सहेंगी नहीं, अपने हक के लिए लड़ेंगी। अगर आप रैली कर सकते हैं तो लड़कियां भी दौड़ेंगी। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता की अनुमति निरस्त किए जाने के बाद शनिवार की शाम को कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लखनऊ पुलिस आयुक्त के कैंप कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैराथन दौड़ प्रतियोगिता की अनुमति इसलिए नहीं मिली क्योंकि प्रदेश की लड़कियों का झुकाव कांग्रेस की तरफ दिख रहा है। कांग्रेस महासचिव के निर्देश पर पार्टी को रविवार को राजधानी के गौतमपल्ली थाना इलाके के 1090 चौराहे से लड़कियों की मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन करना था। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि अनुमति निरस्त होने के बावजूद बहुत सी लड़कियां रविवार की सुबह 1090 चौराहे पर पहुंची और सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी दर्ज कराई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने पीटीआई-भाषा से शनिवार को कहा कि कांग्रेस ने मैराथन दौड़ की अनुमति मांगी थी लेकिन इजाजत नहीं दी गई तो वे लोग इसके विरोध में प्रदर्शन करने आए थे।

उन्होंने बताया कि पार्टी पदाधिकारियों से कहा गया कि वे मैराथन दौड़ न करें बल्कि बंद स्थान पर कोई कार्यक्रम कर लें जिसकी अनुमति दे दी जाएगी। शनिवार शाम को कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा सरकार पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था (शेष पेज 9)

एनसीआर की जहरीली हवा में सांस लेना हुआ मुश्किल

नोएडा में 414 और ग्रेनो में 392, हापुड़ का 346 पहुंचा एक्यूआई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एनसीआर में वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ता जा रहा है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की हवा पिछले 24 घण्टों के दौरान काफी खराब दर्ज की गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और फरीदाबाद का गौतमबुद्ध नगर से भी ज्यादा बुरा हाल है। एनसीआर में लोगों का घर से निकलना बेहद मुश्किल हो गया है। सिर में दर्द और आंखों में जलन जैसी समस्या लोगों के शरीर में पैदा हो रही हैं।

सेंट्रल पॉल्यूशन कण्ट्रोल बोर्ड के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान फरीदाबाद का एक्यूआई 432 दर्ज किया गया है। दिल्ली का एक्यूआई 431 आगरा का एक्यूआई 328 नोएडा का एक्यूआई 414 ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 392 गाजियाबाद का एक्यूआई 393 हापुड का एक्यूआई 346 गुरुग्राम का एक्यूआई 349 और मेरठ का एक्यूआई 367 दर्ज किया गया है।

बीते कुछ दिनों के दौरान एनसीआर की हवा काफी खराब हुई है। एनसीआर के कई प्रमुख शहर अरेंज जोन से डार्क रेड जोन और रेड जोन में आ गए है। वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण लोगों को सांस लेने में काफी दिक्कतें हो रही है। एनसीआर के अलावा आसपास के इलाके भी काफी ज्यादा प्रदूषित हो गए है। आपको बता दें कि शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक को अच्छा 51 से 100 के बीच संतोषजनक 101 से 200 के बीच मध्यम 201 से 300 के बीच खराब 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

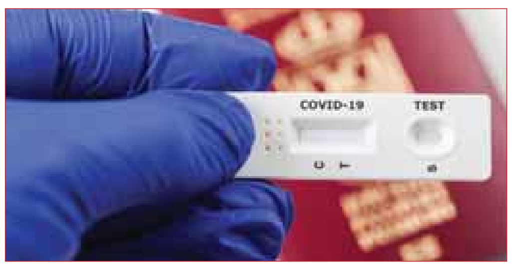

कटंनेमेंट जोन में भी इजाफा

कोरोनो के मामलों के साथ की कंटनेमेंट जोन भी बढ़ने लगे है। प्रशासन ऐसे इलाकों की पहचान कर रहा है जहां एक साथ कई मामले सामने आ रहे हैद्ध आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में आज रात से नाईट कर्फ्यू लागू होने वाला है। इसकी घोषणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद की थी। रात 11:00 बजे से लेकर सुबह 5:00 बजे तक पूरे उत्तर प्रदेश में नाइट कर्फ्यू लागू होगा। अब यह नाइट कर्फ्यू रोजाना लागू होगा।

गौतमबुद्ध नगर में कोरोना से बिगड़ने हालत

● लगातार बढ़ रहे है मामले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

राजधानी दिल्ली की तरह ही पूरे एनसीआर में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने लगे है। लगातार तीन दिन से कोविड-19 मामलों ने रफ्तार पकड़ ली है। गौतमबुद्ध नगर में कोरोना संक्रमण के 13 नए मामले सामने आ गए हैं। अब जिले में टोटल कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। अगर पूरे उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा बुरी स्थिति बनती जा रही है तो वह गौतमबुद्ध नगर है। जिले में पिछले 3 दिनों के दौरान कोरोनावायरस के 36 नए मामले दर्ज किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक गौतमबुद्ध नगर में 13 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इन दोनों जनपद के अलावा शनिवार को गाजियाबाद में भी कोरोना वायरस के 9 नए मामले आए। झांसी में 3, सहारनपुर में एक, मथुरा में 4, रायबरेली में एक, ललितपुर में एक और गोरखपुर में भी एक कोरोनावायरस का नया मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश में शनिवार को कोरोना वायरस के 38 नए मामले दर्ज किए गए। अगर उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो लखनऊ में इस समय सबसे ज्यादा 55 एक्टिव मामले हैं।

वही दूसरे नंबर पर गौतमबुद्ध नगर में 55 और गाजियाबाद में 40 मामले एक्टिव है। यह उत्तर प्रदेश के टॉप 3 जिले हैं। जहां पर कोरोनावायरस के मामले सबसे ज्यादा है। वैसे देखा जाए तो किस समय लखनऊ में सबसे ज्यादा मामले हैं। परंतु जिस तरीके से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कोरोनावायरस मामले बढ़ रहे हैं।

उस तरीके से अगले 24 घंटे के भीतर कोरोना वायरस एक्टिव मामलों में गौतमबुद्ध नगर नंबर-1 पर आ जाएगा, जो काफी चिंताजनक विषय है। आपको बता दें कि गौतमबुद्ध नगर में गुरुवार को 11, शुक्रवार को 12 और शनिवार को 13 नए मामले सामने आए। ऐसे में आवश्यक वाहनों को ही आवागमन करने की अनुमति प्राप्त होगी।

ड्यूटी से घर लौट रहे दो भाइयों को ट्रैक्टर ने कुचला

● इलाज के दौरान दोनों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के खेरली नहर के पास बाइक पर सवार होकर जा रहे दो भाइयों को एक ट्रैक्टर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि थाना दनकौर क्षेत्र के कनारसी गांव के रहने वाले सोमदत्त 21 वर्ष और प्रदीप 23 वर्ष एक कंपनी में काम करते थे। दोनों भाई बीती रात को बाइक पर सवार होकर खेरली नहर की तरफजा रहे थे। तभी दलेलगढ़ की पुलिया के पास एक ट्रैक्टर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन दोनों को टक्कर मार दिया।

दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती करवाया गया वहां पर दोनों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में थाना बिसरख क्षेत्र के राइस सिटी चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति सड़क पर चोटिल अवस्था में पुलिस को मिला। उसकी पहचान रविंद्र कुमार के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर दौरान उपचार उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। थाना बिसरख क्षेत्र के ही तिगरी गोल चक्कर के पास बीती रात को एक ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए 8 वर्षीय बच्ची अंशिका को कुचल दिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने तिगरी गोल चक्कर पर जाम लगाया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

संक्षिप्त समाचार

झुग्गियों के बच्चों को खिलौनें बांटते फाउंडेशन के पदाधिकारी।

झुग्गियों में तीन सौ बच्चों को बांटे खिलौने

नोएडा। सेक्टर 63 की झुग्गियों में इंपावर इंडिया फॉर वर्क फाउंडेशन के द्वारा खिलौनों व दलिया एवं अन्य पौष्टिक सामग्री का वितरण किया गया कार्यक्रम में 300 से ज्यादा बच्चों को खिलौने बांटे गए। कार्यक्रम में शामिल फाउंडेशन के निर्देशक कृति माथुर, दिलीप माथुर, मंजू माथुर ने झुग्गियों के बच्चों को स्वच्छता का ध्यान रखने के तरीके व बीमारी से बचने के तरीके बताए। कार्यक्रम में अमोघ व सागरिका ने भी सहयोग किया।

बच्चों को वैक्सीन पर प्रधानमंत्री की सराहना

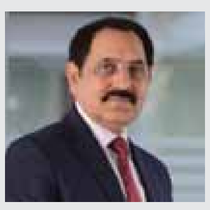

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ पीएन अरोड़ा ने कहा कि ऐसे में जब ओमीक्रॉन का खतरा पूरे विश्व में मंडरा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बच्चों के लिए वैक्सीनेशन के कार्यक्रम का प्रारंभ होना बहुत ही बड़ी राहत की खबर है, जिससे स्कूल जा रहे बच्चों एवं उनके माता-पिता व परिवारजनों को कोविड 19 के खतरे से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस फैसले के साथ भारत विश्व के उन अग्रणी देशों में शामिल हो गया है जहां एक और तो बच्चों को भी वैक्सीनेशन दिया जा रहा है। दूसरी तरफ हेल्थ केयर वर्कर और सीनियर सिटीजन को बूस्टर डोज भी लगाई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इसी के साथ चिकित्सा जगत के द्वारा की जा रही बूस्टर डोज की मांग को भी उन्होंने पूरा कर दिया है।

एक्सपो मार्ट में इलेक्ट्रॉनिक गाडियों का मेला

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में स्थित एक्सपो मार्ट में इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का मेला लग रहा है। जहां पर काफी नई इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियां और स्टार्टअप कंपनियां अपने इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को लॉन्च कर रही है। काफी नई स्टार्टअप कंपनियां अपने वाहनों को लेकर एक्सपो मार्ट पहुंची है। भारत निर्माता कंपनी जीटी फोर्स ने अपना एक स्कूटर लॉन्च किया है। जो पूरी तरीके से इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर है। एक्सपो मार्ट में घूमने वाले लोगों का यह स्कूटर पसंद बन रहा है। इंडियन स्टार्टअप कंपनी जीटी फोर्स अपना नया स्कूटर एक्सपो मार्ट लेकर पहुंचा। कंपनी ने लो-स्पीड और हाई स्पीड दोनों ही तरह के कस्टमर्स को ध्यान में रखकर इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया हैं। कंपनी के लो.स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर की अधिकतम गति 25 किलोमीटर है और सिंगल चार्ज रेंज 60 किलोमीटर तक चल सकता है। इसके अलावा हाई स्पीड स्कूटर टॉप स्पीड 60 किलोमीटर प्रति घंटा है।

भाजपा वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का सम्मेलन सम्पन्न

गाजियाबाद। विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल ने आज यहां कहा कि भारतीय जनता पार्टी बिना भेदभाव के कार्य करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर शतप्रतिशत कार्य किया है तथा आज अपने काम की बदौलत जनता के आदर्श बन गए हैं। गोयल यहां भाजपा के भाजपा वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि करते हुए भजन गायक रजत मित्तल ने भाजन गायन कार्यक्रम के साथ शुभारंभ किया गया

इंदिरापुरम में जाट परिवार मिलन आयोजित

गाजियाबाद। जाट परिवार मिलन इंदिरापुरम की ओर से रविवार को सालाना पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन इंदिरापुरम स्थित ओसियन पॉर्टी हॉल में किया गया। कार्यक्रम में समाज को संगठित और शिक्षित करने के साथ ही किसानी मुद्दों पर जोर देने पर चर्चा हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही समाज के प्रबुद्ध लोगों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया, इसके साथ ही समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए पुरुस्कृत भी किया गया। डा. सुधीर पंवार, डा. आरके बेनीवाल,जस्टिस बीपी सिंह, कप्तान सिंह, ओमवीर बीरबल, नरेंद्र सिंह, अरुण चौधरी भुल्लन और ओमवीर सिंह तोमर के अलावा वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सिंह, अनिल चौधरी और धीरज ढिल्लों बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर बलात्कार का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की एक युवती को सोशल मीडिया पर दोस्ती करना भारी पड़ गया। युवती की दोस्ती सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक से हुई। युवती का आरोप है कि युवक ने उसके साथ शादी का वादा किया और उसके साथ बलात्कार किया। जिसमें वह गर्भवती भी हो गई।

आरोपी युवक ने शादी का झांसा देकर उसका गर्भपात भी करवा दिया। अब आरोपी उसके साथ शादी करने से इनकार कर रहा है। पीड़ित युवती ने इस मामले में नोएडा में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-19 में रहने वाली एक युवती ने थाना सेक्टर.20 में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 में सोशल मीडिया के माध्यम से सफ्फ नामक युवक से उसकी दोस्ती हुई थी।

एक दिन नोएडा के सेक्टर.18 स्थित होटल में युवती को बुलावाया और उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ जबरन बलात्कार किया।

पीड़िता के अनुसार जब उसने इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया। पीड़िता के अनुसार आरोपी उसके साथ शादी का झांसा देकर काफी दिनों तक बलात्कार करता रहा। इस बीच वह दो बार गर्भवती हुई। आरोपी ने उसका गर्भपात करवा दिया।

विदेशी युवती ने 14वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

● मृतक के दोस्त से पुलिस कर रही पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा की एक हाउसिंग सोसाइटी में रविवार की सुबह एक विदेशी युवती ने 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

पुलिस ने हाउसिंग सोसाइटी में पहुंचकर युवती के शव को कब्जे में ले लिया। बताया जा रहा है कि युवती का अपने ही देश के एक युवक से विवाद हुआ था। जिसके बाद युवती ने 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। बीटा-2 थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि ग्रेटर नोएडा में स्थित कासा ग्रांड हाउसिंग सोसाइटी में टॉवर बी के फ्लैट नंबर-1107 में 25 साल की युवती विनीमान्यासा इडम्बो रहती थी।

विनीमान्यासा इडम्बो मूलरूप से कीनिया थिका की रहने वाली थी। पुलिस ने बताया कि रविवार की सुबह विदेशी युवती ने 14वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने सोसाइटी में पहुंचकर युवती के शव को कब्जे में ले लिया है। पुलिस को प्राथमिक जांच में पता चला है कि इस विदेशी युवती से मिलने उसके ही देश कीनिया का रहने वाला एक युवक मानसे आया हुआ थाए जो युवती के इस फ्लैट में टूरिस्ट वीजा पर रह रहा था। पता चला है कि उन दोनों के बीच कुछ विवाद चल रहा था। जिसके बाद विदेशी युवती ने विवाद की सुबह फ्लैट की 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने युवती के विदेशी दोस्त से पूछताछ शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

मां ने डांटा तो किशोरी ने खाया जहर

नोएडा। सेक्टर-20 थाना क्षेत्र के सेक्टर-19 में रहने वाली एक किशोरी को उसकी मां ने फोन सुनने पर डांट दिया। इस बात से गुस्सायी किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाकर खा लिया। गंभीर हालत में उसे एक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है। थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर-19 में रहने वाली किशोरी को उसकी मां ने बीती रात को फोन सुनने पर डांट दिया था। इस बात से आक्रोशित मानसी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे नोएडा के सेक्टर-19 स्थित इंडो.गोल्फ अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। किशोरी की हालत नाजुक बनी हुई है।

ग्रेटर नोएडा का व्यू प्वाइंट बनेगा प्राधिकरण
रंग बिरंगी लाइटों से रोशन होगा दफ्तर

● हैप्पीनेस पार्क को भी पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की योजना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का दफ्तर शहर के व्यू प्वाइंट के रूप में विकसित होगा। एलईडी लाइटों से ग्रेटर नोएडा लिखा डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा।

पूरी बिल्डिंग को लाइटों से सजाया जाएगा। दिन ढलते ही दफ्तर पर लगी रंग-बिरंगी लाइटें जल जाएंगी। इससे बहुत सुंदर दृष्य बनेगा। ग्रेटर नोएडा के निवासी इस नजारे का लुत्फ उठा सकेंगे। प्राधिकरण की तरफ से इसका टेंडर जारी कर दिया गया है। ग्रेटर नोएडा की सड़कों को एलईडी स्ट्रीट लाइटों से चमकाने के साथ ही प्राधिकरण दफ्तर को भी अलग लुक देने का प्रयास किया जा रहा है।

सीईओ नरेंद्र भूषण की मंशा है कि प्राधिकरण दफ्तर और उसके आसपास के एरिया को व्यू प्वाइंट के रूप में विकसित कर दिया जाएए ताकि ग्रेटर नोएडा के निवासियों को रोजाना सुंदर नजारा देखने को मिल सके। लोग इसकी तस्वीर कैमरे में कैद कर सकें।

प्राधिकरण दफ्तर से सटे हेप्पीनेस पार्क को भी पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की योजना है जिसमें किड्स प्ले एरिया, फिटनेस पार्क, आयुर्वेदिक गार्डन, सिटिंग एरिया आदि विकसित किये जाएंगे। प्राधिकरण दफ्तर में फसाड लाइटें लगाई जाएंगी।

दफ्तर की छत पर ग्रेटर नोएडा लिखा हुआ एलईडी बोर्ड लगेगा। ये बोर्ड दिन में भी दिखेगा और रात में एलईडी लाइटें लगने से दूर से ही चमकेगा। इससे दफ्तर की खूबसूरती और बढ़ जाएगी। महाप्रबंधक परियोजना एके अरोड़ा ने बताया कि लाइटों को लगाने के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। 23 दिसंबर से ही ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 5 जनवरी है। 7 जनवरी को बिड खुलेगी। इन लाइटों को लगाने में चार माह लगेंगे। पांच साल के लिए रखरखाव व संचालन का जिम्मा भी चयनित कॉन्ट्रैक्टर पर होगा।

भाजपा की जन विश्वास यात्रा का आयोजन

नोएडा। नोएडा महानगर से भाजपा की जन विश्वास यात्रा गुजरी जिसमें हज़ारों लोग ने शिरकत की।

इस यात्रा का शुभ आरम्भ सेक्टर 55 रैडिसॉन के सामने से हुआ जहाँ नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने नारियल तोड़ की।

जन विश्वास यात्रा के रथ पर मुख्य अथिति के रूप परिवहन मंत्री अशोक कटारिया, मंत्री सुरेश राणा, क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल, सांसद सतीश गौतम, सांसद सत्यपाल सिंह, सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, महिला आयोग अध्यक्षा विमला बाथम रहे।

पेयजल की किल्लत नहीं होने देगा गाजियाबाद नगर निगम: जीएम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भविष्य में महानगर के लोगों को पीने के पानी की किल्लत ना हो,इसके लिए नगर निगम ने कमर कस ली है और संसाधन जुटाने शुरू कर दिए हैं।

नगर निगम ने महानगर में नए नलकूप लगाने,पुराने नलकूपों को रिबोर करने व जरूरत के हिसाब से नई पाइप लाइन लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जलकल के महाप्रबंधक योगेश श्रीवास्तव ने बताया कि महानगर क्षेत्रजीएम जल में भूमि गर्म जल लगातार नीचे जा रहा है। जिसको लेकर नगर निगम गंभीर है।इसी के चलते एक ठोस कार्ययोजना बनाकर संसाधनों में बढ़ोतरी कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में कई प्रोजेक्ट है जो टेंडर प्रक्रिया में है। प्रयास है कि गर्मी शुरू होने से पहले यह सभी चालू हो जाए। महानगर में 10 एचपी के 66 मिनी नलकूप लगाए जा रहे हैं जबकि 35 नलकूप रिबोर किये जा रहे हैं। इसी तरह 5 एचपी के 14 मिनी नलकूप लगाए जा रहे हैं जबकि एक नल कूप रिबोर किया जा रहा है।

एक महीने में शुरू हो जाएगा इंडोर स्टेडियम

नोएडा। नोएडा के सर्फाबाद गांव में नोएडा प्राधिकरण एक स्टेडियम बनवा रहा है। इस स्टेडियम का नाम मिनी इंडोर स्टेडियम होगा। इस प्राधिकरण के बनने के बाद नोएडा के पहलवानों को अपना साहस दिलाने का मौका मिलेगा। नोएडा प्राधिकरण का दावा है कि अगले एक महीने में यह स्टेडियम बनकर तैयार हो जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रबंधक राजीव त्यागी ने बताया कि नोएडा के सर्फाबाद गांव में 54.16 करोड़ की लागत से इंडोर स्टेडियम बन रहा है। इसका क्षेत्रफल 9300 वर्ग मीटर में बन रहा है। इस स्टेडियम का काम लगभग पूरा हो चुका है। अगले एक महीने के भीतर इसका उद्घाटन कर दिया जाएगा। नए साल पर नोएडा वासियों को यह तोहफा प्राधिकरण की तरफसे मिल जाएगा।

बृज विहार नाले का होगा जीर्णोद्धार: मेयर

● 25 साल की मांग हुई पूरी, आएगी दस करोड़ रुपये की लागत, किया कार्य का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद।

बृज विहार के मुख्य नाले के जीर्णोद्धार का उद्घाटन महापौर आशा शर्मा, विधायक सुनील शर्मा एवं नगर आयुक्त महेन्द्र सिंह तंवर ने आज संयुक्त रूप से किया।

नाले के जीर्णोद्धार में 10 करोड़ की लागत आएगी और दो चरणों मे कार्य पूर्ण किया जाएगा। इस नाले के जीर्णोद्धार की मांग लगभग 25 वर्षो की की जा रही थी तथा लोग समस्या से जूझ रहे थे। अब नाले का जीर्णोद्धार होने के बाद लोगों की समस्या का स्थायी रूप से हो जाएगा। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि नाले के कारण उत्पन्न होने वाली समस्या से स्थानीय लोग जूझ रहे थे। स्थानीय लोग महापौर जी से आकर मिले और अवगत कराया था कि नाले से निकलने वाली मिथेन गैस के कारण स्थानीय महिलाओं की जेवर भी काले पड़ गए थे जबकि एवं अन्य सामान भी खराब हो जाते थे। उन्होंने कहा अब लोगों को स्थायी रूप से इस समस्या से निजात मिल जाएगी। विधायक सुनील शर्मा ने कहा कि इस नाले की समस्या बहुत लंबे समय से चल रही है लेकिन मेयर के प्रयास से यह समस्या अब समाप्त होने जा रही है।

नगर आयुक्त महेन्द्र सिंह तंवर ने कहा कि नाले को लेकर मेयर ने बस एक ही बात कही कि नाले की समस्या का समाधान किया जाए। उन्होंने बताया कि दो चरणों में नाले का कार्य किया जाएगा। जिसकी रूप रेखा नोडल अधिकारी डॉ मिथलेश ने तैयार की हुई है। एग्रोटेक इंडिया कम्पनी की टीम करेगी।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष बने अवधेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस के अध्यक्ष पद के चुनाव में अवधेश भार्गव निर्विरोध निर्वाचित हुए। भार्गव के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा केन्द्रीय निर्वाचन अधिकारी शंकर दत्त शर्मा द्वारा नोएडा मीडिया क्लब में संगठन की वर्किंग कमेटी की बैठक में की गयी।

बैठक में भार्गव के के नाम का प्रस्ताव व समर्थन संगठन से संबद्ध एवं अपने राज्य में ट्रेड यूनियन एक्ट के तहत पंजीकृत 18 राज्यों के अध्यक्ष महासचिव द्वारा किया गया। सभी राज्यों की दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक नोएडा मीडिया क्लब में संपन्न हुई। जिसमें दस राज्य के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद तथा 8 राज्यों के वर्चुअल रूप से शामिल हुए। केंद्रीय निर्वाचन अधिकारी शर्मा ने भार्गव के निर्विरोध निर्वाचित किए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि चुनाव नामांकन प्रक्रिया के दौरान भार्गव के नामांकन पत्र के साथ 10 राज्यों के समर्थन पत्र मूल रूप में संलग्न थे। अन्य कोई नामांकन न होने पर भार्गव का अध्यक्ष चुना जाना तय था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 27 दिसंबर, 2021

सर्दी के साथ प्रदूषण का वार जहरीली हुई दिल्ली की हवा

बारिश से वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में दिसंबर के आखिरी दिनों में ठंड के साथ प्रदूषण की दोहरी मार पड़ रही है। वायु गुणवत्ता लगातार छठें भी गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई।

राजधानी को एक्यूआई 460 दर्ज किया गया। सुबह कई हिस्सों में हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं देर शाम कई इलाकों में हल्की बारिश और गरज के साथ छीटें पड़े।

मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार और मंगलवार को हल्की बारिश या बौछारें पड़ने का पुर्वानुमान जताया है। इसके चलते तापमान में कुछ अंकों की गिरावट आएगी। सफदरजंग मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हल्की बारिश से वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार के आसार है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार को केवल दो जगह आया नगर (390) और लोधी रोड (399) पर वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में यानी 400 अंक से कम दर्ज किया गया। इसके अलावा 30 से अधिक स्टेशन पर अलीपुर, शादीपुर, द्वारका सिरीफोट, मंदिर मार्ग, पंजाबी बाग, मथुरा रोड, आईजीआई एयरपोर्ट, नजफगढ़, आनंद विहार, जहांगीरपुर आदि जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में 400 के पार रहा।

फूड डिलीवरी कंपनियां करेंगी सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल

2024 तक वाहनों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 25 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्यः अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार ई-कॉमर्स कंपनियों, खाना डिलीवर करने वालों और कैब सेवा प्रदाताओं से पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करने और पेट्रोल पंपों से प्रदूषण जांच नहीं कराने वाले वाहनों को ईंधन नहीं देने के लिए ना कहने की योजना बना रही है। राजधानी के वायु प्रदूषण में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों से होने वाले उत्सर्जन की है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों की मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। उसका वर्ष 2024 तक कुल वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य है ताकि शहर में वायु प्रदूषण में कमी लाई जा सके। इसके साथ ही सरकार डीलरों और पेट्रोल पंप संचालकों को यह निर्देश भी देगी कि वे प्रदूषण जांच प्रमाण-पत्र (पीयूसी) नहीं होने की स्थिति में वाहनों को ईंधन न दें। सूत्रों के अनुसार वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए सरकार दो बड़े कदम उठाने जा रही है।

पहला तो जोमेटो, स्विगी, ओला, उबर समेत अन्य कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करने को कहा जाएगा। दरअसल दिल्ली में पंजीकृत वाहनों में से 30 फीसदी इन कंपनियों के ही पास हैं।

21,900 कैदियों को लगे कोविड टीके

15,152 को पहली और 6,818 को दूसरी खुराक दी गई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के कारागृह विभाग ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की तीन जेलों में अब तक 21,900 से अधिक कैदियों को कोविड-19 रोधी टीके की खुराक दी जा चुकी है। अधिकारियों के अनुसार 25 दिसंबर तक 21,970 कैदियों को टीके की खुराक दी जा चुकी है। इनमें से 15,152 को पहली जबकि 6,818 को दूसरी खुराक दी गई है।

आंकड़ों के मुताबिक शनिवार तक तिहाड़ जेल के 10,707 कैदियों को कोविड टीके की पहली खुराक और 4,352 को दूसरी खुराक दी गई। रोहिणी जेल में 1,381 कैदियों को पहली खुराक और 412 को दूसरी खुराक मिली है। मंडोली जेल में 3,064 कैदियों को पहली और 2,054 को दूसरी खुराक दी जा चुकी है।

कारागृह विभाग ने 18 मार्च को 45 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया था जबकि 18-44 आयु वर्ग के कैदियों का टीकाकरण 18 मई से शुरू हुआ।

छठी मंजिल से कूदकर किशोर ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। मंडावली इलाके में 15 साल के किशोर ने इमारत की छठी मंजिल से कूदकर पर आत्महत्या कर ली। घटना के समय लड़के के माता-पिता मयूर विहार बाजार गए हुए थे और वह घर पर अकेला था।

पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है। पुलिस उपायुक्त प्रियंका कश्यप ने कहा कि लड़के के पड़ोसी उसे मैक्स अस्पताल ले गए जहां उसने दम तोड़ दिया। फॉरेन्सिक विज्ञान टीम के विशेषज्ञों ने भी घटनास्थल का मुआयना किया और अब तक किसी तरह की साजिश का संदेह नहीं है तथा जांच जारी है।

फ्लाईओवर पर बेकाबू कार डिवाइडर से टकराई, मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज साउथ थाना इलाका में महिपालपुर फ्लाई ओवर के पास तेज रफ्तार कार रोड डिवाइडर जा टकराई।

इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत पहले से बेहतर है। मृतक की पहचान अंकित के रूप में हुई है और घायल आदित्य व राजकुमार का एम्स के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रह रहा है।

पुलिस उपायुक्त गौरव शर्मा ने बताया कि एक तेज रफ्तार कार महिपालपुर फ्लाई ओवर के पास रोड डिवाइडर से टकराकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

वसंत कुंज साउथ थाना के एसएचओ नीरज चौधरी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। तो देखा कि गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थी उसमें फंसे तीन लोगों को निकालकर एम्स ट्रॉमा में भर्ती कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

आंबेडकर पर होने वाला मंचन स्थगित

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामले बढ़ने के कारण बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन पर पांच जनवरी से होने वाले एक नाटक के मंचन को स्थगित कर दिया गया है। सरकार ने अभी इस नाटक के लिए नई तारीख की घोषणा नहीं की है। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि दिल्ली सरकार ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पांच जनवरी से बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन पर एक बड़े कार्यक्रम की योजना बनायी थी। बहरहाल, कोविड के मामले बढ़ने के मद्देनजर इस कार्यक्रम को स्थगित किया जा रहा है।

प्रदेश भाजपा मोर्चों की संयुक्त बैठक संपन्न

नई दिल्ली। नए साल में होने वाले निगम के होने वाले चुनावों के लिए भाजपा प्रदेश के सभी मोर्चों को कमर कस लेनी चाहिए। यह निर्देश दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इन योजनाओं के साथ-साथ निगमों द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी 'घर-घर दस्तक' देकर पहुंचा दे तो दिल्ली को जीतने से हमें कोई नहीं रोक सकता है। आज प्रदेश मोर्चों की एकदिवसीय संयुक्त कार्यकारिणी बैठक के उद्घाटन सभा को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री की आवास योजना, आयुष्मान योजना, गरीब खाद्यान योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, ऐसी कई योजनाएं हैं जिसे दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने लागू ही नहीं किया।

अगले साल जारी होगी पहली पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अगले साल अपनी पहली 'पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट' प्रकाशित करेगी जिसमें सीवेज, जल गुणवत्ता, कूड़ा एकत्र करने और इसे अलग-अलग करने संबंधी अहम विषयों से जुड़े आंकड़े शामिल होंगे। संभावना है कि दिल्ली सरकार पहली बार नगर निगमों को सड़कों पर धूल और गड्ढों के प्रबंधन तथा कूड़ा जलाने से रोकने के उपायों के लिए कोष आवंटित करेगी। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में विभागों की अधिकता समस्या के समाधान में बाधक है। नागपुर, या मुंबई या चेन्नई में काम आसान है। इसलिए संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करना उद्देश्य है। पर्यावरण विभाग इस संबंध में एक एजेंसी की सेवा लेने के लिए निविदा जारी करने की प्रक्रिया में है जो नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली शहरी आवास सुधार बोर्ड, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, वन एवं वन्यजीव सहित सभी संबंधित विभागों से आंकड़े एकत्र करेगी।

दिल्ली मेट्रो की पहली नींव भरने की दुर्लभ तस्वीरों के साथ लगी प्रदर्शनी

डीएमआरसी की सेवाओं के संचालन के 20 सफल 20 साल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो के निर्माण के 20 साल होने पर कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर आयोजित प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो के नींव भरने के सबसे पहले काम की दुर्लभ तस्वीरें और अखबार की पुरानी कतरनें उन अभिलेखीय दस्तावेजों में शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के उसकी सेवाओं के संचालन के 20 वर्ष पूरे होने के मौके पर 'ट्रेसिंग दिल्ली मेट्रो जर्नी' नाम से प्रदर्शनी शुरू की गई है। डीएमआरसी ने 25 दिसंबर 2002 को अपना वाणिज्यिक संचालन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले तत्कालीन

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रेड लाइन पर शाहदरा से तीस हजारी तक 8.2 किलोमीटर लंबे पहले मार्ग का उद्घाटन किया था। अब डीएमआरसी का नेटवर्क करीब 392 किलोमीटर तक फैला है जिसके तहत 286 स्टेशन आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो के उद्घाटन के एक दिन बाद भीड़ इतनी थी कि प्राधिकारियों को यात्रियों की भीड़ से निपटने के लिए पेपर टिकट जारी करने पड़े थे।

डीएमआरसी के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली मेट्रो के पहले उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जिस शिलापट्ट का अनावरण किया गया था वह वहीं (प्रदर्शनी स्थल पर) है। डीएमआरसी इस स्थान का सेल्फी प्वाइंट के तौर पर भी प्रचार कर रही है जहां लोग आ सकते हैं और शहरी इतिहास का हिस्सा बन सकते हैं। मेट्रो से संबंधित उपाख्यानों के साथ ही बड़ी संख्या में अभिलेखीय तस्वीरों की प्रदर्शनी लगायी गयी है जिसमें दिल्ली मेट्रो के सफर की शुरुआत को दिखाने वाली तस्वीरें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही मेट्रो के नेटवर्क पर अभी तक हुए उद्घाटन के कार्यक्रम की अखबारों की 41 कतरनों को भी प्रदर्शनी में शामिल किया गया है।

मोदीजी ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का रखा है ख्याल: नवीन गोयल

नवीन गोयल ने पटेल नगर और टेकचंद नगर में लोगों से की मुलाकात, समस्याएं भी सुनीं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने रविवार को पटेल नगर और टेकचंद नगर में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। उनकी कुशलक्षेम पूछने के साथ वहां की मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा की।

इस दौरान जो भी मांगों लोगों ने उनके समक्ष रखीं, उनका जल्द ही समाधान कराने का आश्वासन भी दिया। साथ ही लोगों को आगामी नववर्ष के सुखमय, मंगलमय होने की कामना की। पटेल नगर में कृष्ण कुमार रोहिल्ला, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष आरएस कादयान, रमेश रोहिल्ला, संजय भारद्वाज, धनराज केडिया समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कोरोना महामारी के प्रति जागरुक करते हुए नवीन गोयल ने कहा कि महामारी का तीसरा स्वरूप आ रहा है।

गुरुग्राम के पटेल नगर में लोगों की समस्या सुनते नवीन गोयल।

ऐसे में हमें खुद भी बचना है और दूसरों को भी बचाना है। सरकार और प्रशासन द्वारा दी जा रही गाइडलाइंस का पालन जरूर करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशहित में, देश के नागरिकों की चिंता करते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उन्हें चिंता है।

बच्चों को आगामी 03 जनवरी 2022 से वैक्सीन लगाने का काम शुरू होगा, वहीं बुजुर्गों, स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य फ्रंट लाइन वर्कर्स को 10 जनवरी 2022 से बूस्टर डोज दी जाएगी। लोगों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और निराशावादी बातों के बीच मोदी जी ने यह बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि उनका हर कदम देश हित में है। वे अपने देश के नागरिकों के बारे में चिंतित रहते हैं। श्री गोयल के साथ भाजयुमो कार्यकारिणी सदस्य गगन गोयल, समाजसेविका आशा गोयल, ललित क्रांतिकारी, विजयपाल यादव, ईशु वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

रोडवेज बस का अब श्रीखाटू श्याम में होगा रात्रि ठहराव

गुरुग्राम से खाटू श्यामजी तक 18 नवम्बर को शुरू हुई थी बस सेवा

गुरुग्राम। गुरुग्राम से श्रीखाटू श्याम के लिए शुरू की गई रोडवेज बस सेवा का अब खाटू श्याम जी में रात्रि ठहराव होगा। इससे यात्रियों को काफी आसानी होगी। क्योंकि सुबह जाकर शाम को वापस होने के चलते यात्रियों को मात्र ढाई-तीन घंटे ही खाटू श्याम जी में बिताने का समय मिलता था। अब यात्री वहां पूरा समय लगा सकेंगे। दो बसों को अब खाटू श्याम जी के लिए लगाया गया है। साथ ही बस के समय में भी बदलाव किया गया है।

गुरुग्राम बस अड्डे से सुबह 05:30 बजे श्री खाटू श्याम जी के लिए रवाना होने वाली बस का समय बदलकर सुबह 09:30 बजे से कर दिया गया है। समय इसलिए भी बदला गया है कि सर्दी में इतनी जल्द यात्री नहीं आ पा रहे। साथ ही सर्दियों में कोहरे के कारण कोई परेशानी ना हो, इसलिए समय में बदलाव किया गया है। बस अड्डे से 09:30 बजे बस चलकर इफको चौक पर जाकर ठहरेगी। इसके बाद यह बस सुबह 10 बजे इफको चौक से श्री खाटू श्याम जी के लिए रवाना होगी और दोपहर बाद खाटू श्याम जी पहुंचेगी। वहां रात्रि ठहराव के बाद बस सुबह 6 बजे गुरुग्राम के लिए रवाना होगी और दोपहर तक गुरुग्राम पहुंचेगी। बस रोजाना खाटू श्याम जी के लिए जानी है, इसलिए दूसरी बस को यहां से यात्री भरकर रवाना किया जाएगा।

गुरुग्राम रोडवेज डिपो में ड्यूटी निरीक्षक भूप सिंह ने बस के समय में परिवर्तन की पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह के समय सर्दी के कारण यात्री कम आते हैं। कोहरे के कारण कोई समस्या उत्पन्न ना हो, इसलिए समय में बदलाव किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

शहर के गिरजाघरों में धूमधाम से मनाया हैप्पी क्रिसमस

सोहना। शहर के गिरजा घरों में कोरोना पाबंदियों को निभाते हुए क्रिसमस धूमधाम से मनाया। सुबह के समय में प्रार्थना सभाएं हुईं। इस अवसर पर चर्च के बाहर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था बनी रही। शनिवार को शहर के दो स्थानों पर स्थित गिरजा घरों में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। चर्च में आने वालों से कोरोना से पाबंदियों को पूर्ण कराते हुए मास्क लगाकर आना जरूरी रखा। इसके साथ हैंडवास के लिए सेनेटाइजर रखे गए। चर्च के अंदर प्रार्थना सभा के समय में सामाजिक दूरी को प्राथमिकता दी गई। डेढ़ से दो घंटा तक चली प्रार्थना सभा के दौरान चर्च के बाहर पुलिस की तैनाती रही। शहर के वार्ड-17 में बिलिवर्च संस्था का चर्च था तथा वार्ड-13 में साधु सुन्दर सिंह चर्च में प्रार्थना सभाएं हुई। प्रार्थना सभा में शामिल होने वालों को एक दिन पहले ही कोरोना पाबंदियों को लेकर हिदायतें दे दी गई थी। साधु सुन्दर सिंह चर्च के फादर राकेश कैराइन ने प्रार्थना सभा में बाइबल से पढ़े वचनों माध्यम से प्रभु यीशु के जन्म के विषय में बताया। प्रभु यीशु ने जब जन्म उन्होने कितनी परेशानियां हुई। उन्होने मानव जाति की सेवा के लिए जन्म लिया था। प्रभु यीशु पूरे संसार का उद्धार करता थे। इससे एक दिन पहले युवाओं ने प्रभु यीशु के जीवन को एक लघु नाटिका के माध्यम से दर्शाया गया।

युवक पर चाकू से हमलाकर नकदी और मोबाइल लूटा

सोहना। भोंडसी थाना के गांव बहलपा में बाइक सवार तीन बदमाशों ने युवक पर चाकू से हमला कर 8 हजार रुपये की नकदी तथा मोबाइल लूटकर भाग गए। घायल युवक को अस्पताल में दाखिल कराया। एक बदमाश की पहचान होने पर पुलिस ने पीडित की शिकायत पर एक नामजद समेत दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव सहजावास निवासी जनकराज शुक्रवार की रात 8 बजे अपने खेत से वापस घर आ रहा था। सड़क किनारे बहलपा में प्रमोद की दुकान पर कुछ सामान लेने के लिए रुक गया। तभी उसके पीछे एक बाइक आकर रुकी। बाइक पर सवार तीन बदमाशों से दो नीचे उतरे तथा एक बदमाश ने उसकी छाती पर अवैध हथियार लगा दिया। हथियार लगाने वाले बदमाश ने उससे जो कुछ भी है, उसे देने को कहा। इस दौरान बदमाश के हाथ से हथियार नीचे गिर गया। दूसरे बदमाश ने तुरन्त पेंट की जेब से चाकू निकालते हुए वार किया। चाकू उसके पेट के ऊपर लगा। चाकू लगने के साथ ही वह जमीन पर गिर गया। बदमाश उसकी पेट की जेब में रखे 8 हजार रुपये तथा मोबाइल फोन को लेकर भाग गए। जिसमें पीडित जनराज ने एक बदमाश को पहचान लिया। जिसकी पहचान राजस्थान का जिला अलवर का गांव मठ माजर निवासी कमल के रूप में दावा किया है। भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेन्द्र कुमार ने बताया कि एक नामजद समेत तीन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस बदमाशों की गिरफ्तारी में जुट गई है।

सोहना पुलिस ने पूरी की थर्टी फर्स्ट को लेकर तैयारियां

सोहना। नए साल पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों का नशा उतारने के लिए सोहना पुलिस ने कमर कस ली है। दरअसल पिछले अनुभवों से सबक लेते हुए सोहना पुलिस ने इस बार पूरी सख्ती बरतने का मन बनाया है। देखा गया है कि पार्टियों से लौटने वाले नशे में धुत वाहन चालक पहले दूसरों के वाहनों में टक्कर मारते है फिर लड़ने पर भी उतारू हो जाते है। नशे में धुत होकर वाहन चलाना आप पर भारी पड़ सकता है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देविन्द्र सिंह का कहना है कि नशे में ड्राइविंग कर अपनी और दूसरों की जिंदगी को दांव पर लगाने वालों को नए वर्ष का पहला दिन हवालात में बिताना पड़ सकता है। सोहना शहर पुलिस थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट में शराब पीकर वाहन चलाने वालों की गाड़ी का चालान काटकर गाड़ी जब्त करने के अलावा उनका लाइसेंस सस्पेंड किए जाने व 6 महीने सजा का प्रावधान है। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती रही है। शहर पुलिस थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार, बादशाहपुर पुलिस थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनकर यादव, भौड़सी थाना सदर प्रभारी इंस्पेक्टर राजेन्द्र कुमार, सोहना सीआईए प्रभारी सबइंस्पेक्टर सतप्रकाश तथा दरोगा दिनेश कुमार, दरोगा दीपचंद फौगाट, दरोगा हरपाल सिंह ने भी थर्टी फर्स्ट की आड़ में शराब पीकर हुडदंग मचाने वाले असामाजिक तत्त्वों से निपटने और उन्हें सबक सिखाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। सोहना जोन के सहायक पुलिस आयुक्त प्रवीण मलिक का कहना है कि उन्होने थर्टी फर्स्ट को लेकर भौंड़सी, बादशाहपुर, सोहना थाना और सभी चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है।

श्रमिकों ने उधम सिंह को उनकी जयंती पर किया याद

गुरुग्राम। महान स्वतंत्रता सैनानी एवं क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह की जयंती की आयोजन कर रविवार को उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रमिक नेता अनिल पंवार, कुलदीप जांघू, श्रवण कुमार, बलवान सिंह आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उधम सिंह का जन्म 26 दिसम्बर 1899 को पंजाब प्रदेश के संगरुर जिले के सुनाम गांव में एक सिख-कम्बोज परिवार में हुआ था। बाल्यावस्था में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया था। उनका बचपन बड़े ही संकटों में बीता, लेकिन वह कभी भी विचलित नहीं हुए।

मिलेट्स फूड फेस्टिवल में लोगों को बताए सेहतमंद रहने के नुस्खे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रविवार को यहां रेजीडेंसी ग्रीन सेक्टर-46 में लगाए गए मिलेट्स फूड फेस्टिवल में पहुंचे लोगों को आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए फूड पर फोकस किया गया। भारतीय संस्कृति के पौराणिक खाद्य पदार्थ मिलेट्स के बारे में यहां विस्तार से जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम को भी मिलेट्स फूड फेस्टिवल का नाम दिया गया। नवकल्प फाउंडेशन ने खेती विरासत मिशन व रेजीडेंसी ग्रीन आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर इस भव्य और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आगाज किया।

कार्यक्रम में जहां अंतरराष्ट्रीय शेफ मेघना शुक्ला ने मिलेट्स फूड पर लाइव कुकिंग वर्कशाप करके लोगों को इनके बारे में विस्तार से बताया। वहां बनाए गए मिलेट्स फूड का लोगों ने आनंद लिया। श्रीमती शुक्ला ने मिलेट्स फूड को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। आयुर्वेदाचार्य डा. सुनील आर्य ने कहा कि मिलेट्स मैन ऑफ इंडिया डा. खादर बली मैसूर की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का आयोजन जनहित के लिए किया जा रहा है। मिलेट्स फूड पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि समय के साथ हमने इन्हें दरकिनार कर दिया। हमारे खाद्य पदार्थों में ऐसी वस्तुएं शामिल हो गई हैं, जिनसे सिवाय हमारे शरीर को नुकसान के और कुछ नहीं हो रहा। हमारे वर्तमान खाने से हम अनेक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। मिलेट्स फूड पर हमने सोचना बंद कर दिया है। या फिर हम जानते ही नहीं। उन्होंने कहा कि मिलेट्स फूड पर अब विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके प्रति जनता में जागरुकता लाई जाएगी। नई पीढ़ियां फास्ट फूड के प्रति ज्यादा आकर्षित होती हैं उन्हें आज मिलेट्स फूड की जानकारी दें।

गुरुग्राम में मिलेट्स फूड फेस्टिवल में भाग लेते लोग।

कांग्रेस सरकार बनने पर सोहना को मेट्रो से जोड़ा जाएगा: हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा रविवार को कांग्रेस नेता सोहना आवास पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा भाजपा के शासनकाल में नौकरियां परचून की दुकान पर बिकने वाले सामान की तरह से बेची गई है।

बीते सात साल में दक्षिण हरियाणा के उपेक्षा की है। भाजपा भेदभाव का शासन कर रही है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर सोहना को मैट्रो लाइन से जोड़ा जाएगा। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा रविवार को कांग्रेस नेता जितेन्द्र भारद्वाज के निवास पर सोहना पहुंचे। इस मौके पर गुरुग्राम के पूर्व विधायक सुखबीर कटारिया, तावडू से रविन्द्र गुप्ता, बीरसिंह नंबरदार, हरिओम छौकर सहित अन्य नेता मौजूद थे। इस अवसर पर चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा राज्य में भाजपा सरकार ने विकास के नाम पर झूठी घोषणाएं की है। अब भी दक्षिण हरियाणा पिछड़ा ही है।

सोहना में रविवार को जितेन्द्र भारद्वाज के निवास पर पहुंचे चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा।

किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सुनी मोदी की मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में वीरेंद्र यादव का स्वागत करते लोग।

गुरुग्राम। भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को रविवार को सुना।

किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि जिले के बहोड़ा गांव में किसानों के बीच उपस्थित होकर उन्होंने भी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात सुनी। वीरेंद्र यादव ने किसानों से कहा कि केंद्र में मोदी और हरियाणा में मनोहर सरकार किसान हितैषी सरकार हैं। भाजपा सरकार ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड देकर महंगे ब्याज से साहूकारों से पीछा छुड़वाया है। छह हजार रुपए साल में किसान को सम्मान निधि के रुप में सीधे उनके खाते में पहुंचाया जाता है। मुआवजा राशि 12 हजार से बढ़ाकर 15 हजार कर दी गई है। हर वर्ष एमएसपी में वृद्धि, भवन परियोजना में सब्जी सहित 19 फसलों को भी शामिल किया गया है। मोर्चा के जिला महामंत्री मुकेश जैलदार ने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाएं, रासायनिक खाद का प्रयोग कम से कम करें, जैविक व ऑर्गेनिक खेती की पद्धति को अपनाएं।

सब्जियों के दामों में आई गिरावट ने चमकाए चेहरे

सब्जियों का राजा आलू 30 रुपये प्रति किलो से अब 6 से 8 रुपये पर बिकना शुरू

हरी मिर्च, नींबू, लहसून के दामों में भी काफी गिरावट देखी जा रही

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर में आसमान छूते सब्जियों की कीमतों के काफी नीचे आने से महिलाओं के चेहरों पर रौनक वापस लौटने लगी है। सब्जियों के दाम गिरने से मंडी में सब्जी खरीदने वाले ग्राहक भी काफी खुश नजर आते हैं।

बता दें कि स्थानीय सब्जी मंडी में जो आलू पहले 30 रुपये किलो बिक रहा था, वहीं आलू अब 6 से 8 रुपये किलो बिक रहा है और जो प्याज यहां 80 रुपये किलो बिक रही थी, वह अब रेट गिरने से आधे से भी कम दामों पर यानि 20 से 25 रुपये किलो बिक रही है। महंगाई के वक्त में 60 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर अब 20 से 25 रुपये किलो के बीच बिक रहा है। गाजर 10 से 12 रुपये प्रति किलो बिक रही है। यहीं नहीं हरी मिर्च, नींबू, लहसून के दामों में भी काफी गिरावट देखी जा रही है।

किसी वक्त में 80 रुपये प्रति किलो बिकने वाली फूल गोभी अब यहां पर 10 रुपये की एक किलो तथा पत्ता गोभी 10 रुपये में एक किलो तक बिक रही है। पालक 3 रुपये किलो, मेथी 5 से 6 रुपये किलो, बथवा 8 से 10 रुपये किलो, सरसो का साग 5 रुपये किलो, मटर 18 से 20 रुपये किलो, धनिया 8 से 10 रुपये प्रति किलो और लहसून 25 से 30 रुपये प्रति किलो, मूली 5 रुपये किलो बिक रही है। केवल मात्र अरबी, भिंडी, तोरई आदि को छोड़कर अन्य सब्जियों का भी यहीं हाल है।

गृहणियों रितेश देवी सैनी, रेखा रानी, सरला देवी, दीपा सिंगला, मनीषा गुप्ता, कैलाशो यादव, मंजू राजपाल, रजनी चौहान, रजनी भारद्वाज, कविता सैनी, बृजेश गुर्जरी, पूनम रानी, निर्मल शर्मा, बबीता शर्मा, बीरवती खटाना आदि का कहना है कि सब्जियों के दामों में आई गिरावट ने उनके चेहरे की खुशी वापस लौटा दी है जबकि पहले दो वक्त के लिए सब्जी खरीदने और पकाने से पहले कई बार सोचना पड़ता था और बढ़ती महंगाई के कारण उन्होंने एक वक्त सब्जी बनाना शुरू कर दिया था।

वहीं सब्जी विक्रेता नरेन्द्र पाहूजा, मुकेश राजपाल, दीवान सैनी, श्रीराम सैनी, अजीत कुमार, शाकाल, महेन्द्र, उमेश सैनी, नंबरदार लल्लू सैनी, भागीरथ सैनी आदि दुकानदारों का कहना है कि सब्जियों के दामों में गिरावट के चलते मंडी में ग्राहकों की भीड़ बढ़ गई है। ग्राहक भी अपनी पसंदीदा सब्जी जमकर खरीद रहे है। मंडी के भीतर लहसून, नींबू, हरी मिर्च बेचने वाले मुकेश राजपाल मुखी जी का कहना है कि सब्जी के दाम कम होने से उनकी जमकर दुकानदारी हो रही है। मंडी में सब्जी खरीदने आने वाली महिलाएं और लोग भी खुश नजर आते है।

महिलाओं ने बताया कि अब वह बच्चों को सलाद के रूप में टमाटर के साथ-साथ मूली और गाजर भी खूब दे रही हैं। हरा धनिया भी 8 से 10 रुपये किलो के बीच होने के कारण वह सब्जियों में अदरक और हरी मिर्च के साथ-साथ हरे धनिया का भी खूब चटनी के रूप में भी इस्तेमाल कर रही हैं।

पूर्व डिप्टी मेयर राजेंद्र भामला की माता दयावती का निधन

पूर्व डिप्टी मेयर राजेंद्र भामला की माता के अंतिम संस्कार में पहुंचे लोग।

स्वर्गीय दयावती भामला।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के डिप्टी मेयर राजेंद्र भामला एवं अपना घर सोसायटी के प्रधान बिजेंद्र भामला की माता श्रीमती दयावती भामला का रविवार सुबह निधन हो गया। वे 82 वर्ष की थी। लंबे समय से बीमार चल रही थी। उनकी अंतिम यात्रा संजय कॉलोनी सेक्टर-23, अपना घर सोसायटी से निकली और सेक्टर-22 स्थित स्वर्गआश्रम में रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

वे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है। फरीदाबाद के सबसे बड़े गांव तिगांव में बड़े जमींदार चौधरी हरस्वरूप नागर ह्यह्यके यहां जन्म लेकर पली-पढ़ी दयावती भामला ने अपने पुत्रों-पुत्रियों का लालन-पालन बेहद संघर्ष के साथ किया। उन्होंने अपने सभी बच्चों को न केवल संस्कारों से परिपूर्ण किया बल्कि स्वयं अपना जीवन समाजसेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने बेटों बेटियों को भी यही शिक्षा दी कि समाजहित में वे अपना संपूर्ण जीवन लगाएं।

एनआईटी से कांग्रेसी विधायक नीरज शर्मा, हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलजीत कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के भाई टीपरचंद शर्मा, पूर्व विधायक शारदा राठौर के भाई अजय राठौर, बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान संजीव चौधरी, कांग्रेसी नेता राजेश आर्य,

राजनैतिक, धार्मिक व सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रोफेसर एमपी सिंह, माता वैष्णव देवी मंदिर प्रधान एसके गर्ग, एडवोकेट केएल भड़ाना, एडवोकेट अभिषेक भामला, समाजसेवी सुंदर भामला, भाजपा नेता रवि सोनी, संतोष लाला, पूर्व पार्षद ऋषि चौधरी, मार्किट एसोसिएशन प्रधान डालचंद चंद सहारन, चौधरी बलबीर पिंगोड़, कांग्रेसी नेता समालखा धर्मबीर छोक्कर, सेवा समिति मार्किट नंबर 1 प्रधान सुभाष नोनिहल समेत सैकड़ों की संख्या में लोग अंतिम यात्रा में शरीक हुए। इसके अलावा पूर्व डिप्टी राजेंद्र भामला को केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप, विजय प्रताप, पूर्व विधायक शारदा राठौर, पूर्व विधायक आनंद कौशिक, पूर्व विधायक ललित नागर, पूर्व विधायक करण सिंह दलाल, पूर्व विधायक नागेंद्र भड़ाना, पूर्व महापौर अशोक अरोड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी लखन सिंगला और गुलशन बग्गा ने फोन करके अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट की। इस मौके पर पत्रकार जगत सिटी प्रेस क्लब के प्रधान बिजेंद्र बंसल व उनकी कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

ठंड के साथ कोहरे ने दिखाया रंग, घरों में दुबके लोग

दैनिक दिनचर्या के कामकाज के बाद घरों में रजाइयों के भीतर घुस जाते है लोग

दस्ताने, जर्सी, मफलर, टोपी तथा गर्म कपड़े खरीदने वाले ग्राहकों की उमड़ी भीड़

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

पहाड़ी क्षेत्र में चल रही ठंडी हवाओं और घने कोहरे के चलते तापमान लगातार नीचे गिर रहा है। ठंड के साथ-साथ कोहरे ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। शाम 4-5 बजे से कोहरा शुरू हो जाता है, जो सुबह 10-11 बजे तक छाया रहता है। ऐसे में लोग ठंड से बचने के लिए दैनिक दिनचर्या वाले कामकाज के बाद घरों में रजाइयों के भीतर दुबके नजर आते है।

वाहन चालकों में रायसीना में रहने वाले मोनी यादव, देवेन्द्र यादव, प्रेमपाल, कृष्णपाल यादव, लोहियावाड़ा मोहल्ले में रहने वाले रोकी जैन, अनुज गुप्ता एडवोकेट, चंचल शर्मा, शिवांग गुप्ता, हर्ष गुप्ता, गांव धुनेला में रहने वाले बलजीत यादव आदि का कहना है कि घने कोहरे के चलते 5-7 मीटर पर भी सड़क पर कुछ दिखाई नहीं पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें अपने वाहनों की लाइट जलाकर धीमी गति से चलाना पड़ रहा है। इन वाहन चालकों का कहना है कि सोहना क्षेत्र में सड़कों पर साइनेज बोर्ड एवं

रिफलेक्टर ना लगे होने के कारण घने कोहरे और पड़ रही धुंध में उन्हे वाहन चलाने में खासी परेशानियां हो रही है, लेकिन आवश्यक कार्य से घर से बाहर निकलना मजबूरी है। देखने में आ रहा है कि घने कोहरे और धुंध के चलते यहां सड़क पर कई बार दिन में भी वाहन चालक अपने वाहनों की लाइटें जलाकर धीरे-धीरे रेंग रहे हैं।

हाड़ कंपाऊ ठंड में आई हीटर व अंगीठी की याद

अरावली पर्वत की श्रृंखलाओं से घिरे सोहना में हाथ-पैर सुन्न कर देने वाली ठंड पड़ रही है। ऐसे में हाथ में पहनने वाले दस्तानों, गर्म जर्सी, मफलर, टोपी तथा गर्म कपड़े खरीदने के लिए दुकानदारों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ है। ऐसे में दुकानदारों ने गर्म वस्तुओं के दाम बढ़ा दिए है। मुंहमांगे दामों पर गर्म वस्तुएं बिक रही हैं। बाजार में सबसे ज्यादा मांग दस्तानों और टोपों की देखने को मिल रही है। बता दें कि यहां पर बीते कई दिनों से चल रही ठंडी हवाओं और हाड़ कंपाऊ ठंड ने लोगों को नानी याद करा दी है। गर्म कपड़े खरीदने आए गांव सिरसका के कर्मपाल बोकन, सुभाष बंसल, बलबीर गब्दा, किशोर यादव, मोनी यादव, कुणाल सैनी, कपिल यादव रायसीना, विनय यादव, राव जोनी रायसीनिया, जीआईसी एजेंट कमल गुप्ता, शिवांग अग्रवाल, राजेश राघव, हर्ष गुप्ता आदि का कहना है कि उनके जीवन में यह अब तक की सबसे ज्यादा ठंड है। सोहना क्षेत्र में पड़ रही हाड़कंपा देने वाली ठंड की वजह से सुबह 12-12 बजे तक घरों में दुबके रहते हैं।

दुकानदारी की खातिर और ज्यादा पड़े ठंड

गर्म कपड़े बेचने वाले कारोबारी नरेन्द्र गर्ग अड़बरिया, रोकी जैन, कन्हैया गर्ग आदि का कहना है कि कड़कड़ाती ठंड ने उनके कारोबार को पंख लगा दिए हैं। 10-15 दिन पहले तक जहां उनके हीटर गोदाम व दुकानों में ही शोपीस बने थे, वहीं अब रोजाना ग्राहक आने लगे हैं। वे चाहते है कि खूब ठंड पड़े ताकि उनकी ब्रिकी और तेजी से बढ़े।

इस बार की ठंड ने तो रिकार्ड ही तोड़ा

गांवों में भी ठंड का पूरा प्रकोप देखने को मिल रहा है। कई बुजुर्गों ने बताया कि ठंड ने तो रिकार्ड ही तोड़ दिया है। नंबरदार तेजपाल सैनी का कहना है कि ठंड ने तो उन्हें पूरी तरह कंपकंपा दिया है। 88 वर्षीय बुजुर्ग बाबू जती सिंगला का कहना है कि घर से बाहर निकलने को जी ही नहीं करता और निकलते भी है तो ठंड हिला दे रही है।

मानव रचना विश्वविद्यालय में महामृत्युंजय यज्ञ आयोजित

नए साल की मंगलकामना स्वगत के लिए मानव रचना शैक्षणिक संस्थान में महामृत्युंजय यज्ञ का आयोजन के अवसर पर सह परिवार पूजा करते संस्थान के अध्यक्ष, प्रशांत भल्ला उपाध्यक्ष अमित भल्ला व अन्य।

फरीदाबाद। नए साल की मंगलकामना और स्वागत के लिए मानव रचना शैक्षणिक संस्थान में महामृत्युंजय यज्ञ का आयोजन किया गया। हर साल की तरह आयोजित होने वाले इस यज्ञ में संस्थान के सभी गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। 31 दिसंबर तक संस्थान में रोजाना हर डिपार्टमेंट द्वारा यज्ञ किया जाएगा।

जिसकी पूर्णाहुति 1 जनवरी 2022 को दी जाएगा। हर साल पहली जनवरी को संस्थान में हवन और साथ भंडारा आयोजित किया जाता है, जिसमें समस्त मानव रचना परिवार हिस्सा लेता है। हवन के मौके पर डॉ. प्रशांत भल्ला, अध्यक्ष, एमआरईआई, डॉ अमित भल्ला, उपाध्यक्ष, एमआरईआई, डॉ. एम.एम. कथूरिया, ट्रस्टी, एमआरईआई, दीपिका भल्ला, कार्यकारी निदेशक, एमआरआईएस-14, फरीदाबाद, निशा भल्ला, कार्यकारी निदेशक, एमआरआईएस-21सी और चार्मवुड, फरीदाबाद, आरके बंसल, यज्ञ के पहले दिन मानव रचना के अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यज्ञ का समापन 1 जनवरी, 2022 को पूर्णाहुति के बाद भंडारा के साथ होगा।

किशोरावस्था के बच्चों को लगाई जाएगी वैक्सीन

जिले में डेढ़ लाख बच्चों का किया गया चयन

12 से 18 आयुवर्ग तक के तीन लाख 20 हजार बच्चों को वैक्सीन लगाने की योजना

बीके अस्पताल में मौजूद महिलाओं के वैक्सीनेशन सेंटर पर लगी भीड़।

डॉ. मान सिंह।

कविता। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आदेश जारी किए गए है कि आगामी तीन जनवरी से 15 से 18 आयुवर्ग के बच्चों को वैक्सीन की डोज लगानी शुरू की जाएगी। जिसे देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह से तैयार है। जिला वैक्सीनेशन अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि उन्होंने पहले से ही बच्चों को वैक्सीन लगाने की तैयारी शुरू कर दी थी। जिसके तहत 12 से 18 वर्ष तक के बच्चो को वैक्सीन की डोज लगाने की सुविधा दी थी। जिसमें तीन लाख 20 हजार बच्चों को वैक्सीन लगाने का निर्णय लिया था। लेकिन अब 15 से 18 आयुवर्ग में बच्चों को वैक्सीन के निर्देश आऐंगे तो वह इस आयुवर्ग में शामिल बच्चों को वैक्सीन लगाई जाएगी।

यह है तैयारी

जिला वैक्सीनेशन अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार आगामी तीन जनवरी से 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को वैक्सीन लगाई जाएगी। लगातार लगाए जा रहे शिविरों में ही बच्चों को वैक्सीन की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। जिले में लग रहे सभी वैक्सीन के शिविर लगातार जारी रहेंगे। वहीं स्कूल व कॉलेजों में भी लगातार शिविर लगाए जाऐंगे। ताकि बच्चों को वैक्सीन लगाई जा सके। उन्होंने बताया कि आदेश आते ही बच्चों की वैक्सीन शुरू कर दी जाएगी।

यह हैं आंकड़ा

डॉ. मान सिंह ने बताया कि जिले में 15,81,411 लोगों को वैक्सीन लगाने का टारगेट मिला था। अब तक जिले में कुल 30,37,721 लोगों को डोज लग चुकी है। जोकि दिए गए टारगेट से दौगुना है। इसमें प्रथम डोज 17 लाख 88 हजार 020 लोगों ने लगवाई है और दूसरी डोज 12 लाख 49 हजार 701 लोगों ने लगवाई है। उन्होंने बताया कि रविवार को अवकाश होने के बावजूद भी जिले में 17 हजार 140 लोगों ने कोरोना से बचाव का टीका लगाया।

वहीं अब बच्चों की बात करें तो पूरे जिले में सरकार के आदेशानुसार उन्होंने 12 से 18 वर्ष तक की आयुवर्ग के बच्चों को वैक्सीन लगाने के लिए डाटा एकत्रित किया था। जिसमें तीन लाख 20 हजार बच्चों को डोज लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन फिलहाल 15 से 18 आयुवर्ग में एक लाख 60 हजार बच्चों को डोज लगाई जाएगी।

दो हत्या और गोली मारकर हत्या के प्रयास से शहर में फैली दहशत

दूध देने से इनकार करने पर सरेआम दुकानदार को मारी गोली

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कंपनी के गेट पर हंगामा करते सहयोगी।

पुलिस की लाख सख्ती के बावजूद शहर में अपराधी आए दिन कहीं न कहीं वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। दो दिन पूर्व अज्ञात बदमाशों ने एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी को चाकू से गोद दिया। जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना के विरोध में मृतक के परिजनों ने अस्पताल पहुंच कर जमकर हंगामा किया। वहीं शराब तस्करों की मारपीट का शिकायत हुए एसजीएम नगर निगम एक अन्य व्यक्ति ने भी दम तोड़ दिया। इसके अलावा बीती रात दूध की थैली न होने की बात कहने पर एक बदमाश ने दुकानदार को गोली मार दी। घायल व्यक्ति निजी अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस तीनों ही मामलों की जांच कर रही है।

युवक की हत्या : पुलिस के मुताबिक मूलरूप से हरदोई का रहने वाला श्याम बल्लभगढ़ की सुभाष कालोनी में रहता था। वह सेक्टर स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करता था।

अन्य दिनों की तरफ 24 दिसंबर को भी वह काम पर गया था। रात को काम से लौटते समय रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने उसे चाकुओं से गोद कर घायल कर दिया। बल्लभगढ़ अस्पताल से उसे दिल्ली के रैफर कर दिया गया था। जहां इलाज के दौरान बीती रात श्याम ने दम तोड़ दिया। इस घटना के विरोध में श्याम के परिजनों ने ट्रांसपोर्ट कंपनी के सामने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

दूध न देने पर गोली मारी : संजय कालोनी निवासी श्याम चौहान इसी कालोनी की गली नंबर 34 में किरयाने की दुकान चलाता है। अन्य दिनों की तरफ बीती रात भी वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। तभी एक व्यक्ति आया और श्याम से दूध की थैली मांगने लगा। श्याम ने उसे बताया कि दूध खत्म हो चुका है। जिसे लेकर वह अज्ञात व्यक्ति श्याम के साथ झगड़ा करने लगे। बहसबाजी के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने पिस्तौल निकाल ली और सीधा श्याम पर फायर कर दिया। जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जबड़े में गोली लगने से श्याम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे फोर्टिज अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर आरोपी का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

मारपीट में घायल की मौत : एसजीएम नगर निवासी संजय ने अपनी शिकायत में कहा था कि दो दिसंबर की रात को वह अपनी मां की दवा लेने के लिए जा रहा था। रास्ते में कुछ लोगों ने गाड़ियां खड़ी कर रखी थी। निकलने का रास्ता न होने पर उन्होंने हटाने की गुजारिश की तो नशे में धुत्त युवकों ने झगड़ा शुरू कर दिया। थोड़ी ही देर में आरोपियों ने उनके घर में घुस कर उन्हें, उनके पिता और बेटे को घायल कर दिया। इलाज के दौरान बीती रात पीड़ित के पिता की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की 43वीं वार्षिक बैठक

फरीदाबाद स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की वार्षिक बैठक को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा।

फरीदाबाद। हरियाणा के परिवहन मंत्री पंडित मूलचन्द शर्मा ने गत रात्रि फरीदाबाद स्माल इंडस्ट्रीज एशोसिएशन की 43 वीं वार्षिक बैठक के दौरान मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। इस कार्यक्रम में पहुंचने पर उद्योगपतियों ने परिवहन मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा का पुष्प गुच्छ और पौधा भेंट कर स्वागत किया।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने उधोगपतियों को सम्बोधित करते हुए अपने सम्बोधन में कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बेहतर प्रयास किए है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सरकार ने फरीदाबाद औद्योगिक नगरी के लिए करीब 127 करोड़ की लागत से विकास करवाया जाएगा। जिसका कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर के मार्गदर्शन में सभी विधायक शहर के विकास को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा उद्योगपतियो को लूटने वाली सरकार नही है बल्कि उद्योग जगत का विकास कराने वाली सरकार है। परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने कहा की उद्योगिक नगरी में जल्द सभी मूलभूत सुविधाओं को पूरा करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद उद्योग जगत का नाम एक बार फिर से विश्व के मानस पटल पर स्थापित होने जा रहा है।

रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर में बालिकाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कुरुक्षेत्र में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एनआईटी तीन फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड सदस्य छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन शिविर के पांचवें दिन भी अनवरत जारी है।

विद्यालय परिवार ने प्रतिभागिता कर रही छात्राओं और अध्यापकों का उत्साहवर्धन करते हुए शिविर में अच्छी प्रकार से रेडक्रॉस की गतिविधियों को समझने के लिए प्रोत्साहित किया हैं। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर और प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विद्यालय की पांच जूनियर रेडक्रॉस सदस्य छात्राएं और प्राध्यापिका मनीषा और गीता गत बाइस दिसंबर में कुरुक्षेत्र की पंजाबी धर्मशाला में स्टेट रेडक्रॉस ट्रेनिंग कैंप में प्रतिभागिता कर रही हैं।

प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस सदस्य बालिकाएं लघु नाटिका, प्रश्नोत्तरी, सोलो डांस, ग्रुप डांस, ग्रुप सोंग, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। प्राचार्य मनचंदा और विद्यालय स्टाफ ने सभी बालिकाओं और अध्यापिकाओं को प्रशिक्षण शिविर में अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए प्रतिभागिता कर रही अध्यापिकाओं से छात्राओं का ध्यान रखने के लिए भी कहा है।

जिले में मिला ओमिक्रॉन का दूसरा मरीज पॉजिटिव

कोरोनाः जिले में चार पॉजिटिव, एक ठीक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वास्थ्य कर्मी अब्दुल से कोरोना जांच करवाता धर्मसिंह

सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता।

जिले में ओमिक्रॉन का एक ओर मामला सामने आ गया है। जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग सचेत हो गया और ओमिक्रॉन से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी है। जिला सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता ने बताया कि है कि पहली ओमिक्रॉन पॉजिटिव 24 वर्षीय युवती की 53 वर्षीय मां की जीनोमी सीक्रेंसिंग की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है।

उन्हें पहले से ही एक निजी अस्पताल में भर्ती किया हुआ है। क्योंकि उनकी कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव थी। जिलेवासियों को सतर्कता बरतनी होगी। विभाग द्वारा वैक्सीनेशन पर जोर दिया जा रहा है और सैम्पलिंग को भी बढ़ा दिया है।

विदेशों से लौट रहे लोगों की जांच : सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता ने बताया उन्होंने बताया कि रविवार को जिले में 2583 सैम्पल जांच किए गए हैं। वहीं जिले में रविवार को चार नए संक्रमित सामने आए हैं। एक मरीज ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले में फिलहाल एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 49 है। जिसमें तीन मरीज अस्पताल में भर्ती है और बाकि 46 मरीज होम आईसोलेशन में है।

कि जिले में दो ओमिक्रॉन पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। जिसमें कानाडा से पढ़ाई करके लौटी 24 वर्षीय युवती और उसके सम्पर्क में आने वाली उसकी मां ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाई गई है। इन दोनों के साथ युवती की मौसी की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर तीनों को नहरपार स्थित एक निजी अस्पताल में एकांतवास में रखवाया है। ताकि ओमिक्रॉन जिले में न फैले। वहीं विदेशों से लौटने वालों की लगातार जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में 833 लोग विदेशों से आए हैं। जिनमें से 347 लोगों को ट्रेस किया गया है। जिनमें से संदेह होने पर 17 लोगों के डब्ल्यूजीएस (जिनोम सीक्रेसिंग) के सैम्पल जांच को भेजे है। वहीं 316 लोग अनट्रेस है।

शहर की डिम्पी ने जीता मिसेज इंडिया का खिताब

कविता। फरीदाबाद

मिसेज इंडिया के खिताब के संग डिम्पी जैन व अपने पति प्रणव व बेटी खुशी के संग

नहरपार स्थित ओमेक्स स्पा सोसायटी में रहने वाली डिम्पी ने जयपुर में अपना जलवा बिखेरा और मिसेज सिटी, स्टेट व नेशनल विनर्स का खिताब जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। डिम्पी ने बताया कि जयपुर के एक होटल में 17 से 20 दिसंबर तक ब्यूटी पेजेंट, फैशन वीक व अवॉर्ड शो 'फॉरएवर मिस एंड मिसेज इंडिया 2021' प्रतियोगिता हुई थी। जिसमें उन्होंने मिसेज फरीदाबाद, मिसेज हरियाणा और मिसेज इंडिया का ताज जीत लिया। पायनियर से विशेष बातचीत में डिम्पी ने बताया कि वह कैसे इस मुकाम तक पहुंची है।

सुष्मिता सैन से मिली प्रेरणा

डिम्पी ने बताया कि सुष्मिता सैन को उन्होंने आवार्ड जीतते हुए देखा तो आवार्ड लेने का जूनून जाग गया। लेकिन शादी के बाद यह सब एक सपना सा रह गया था। लेकिन 20 साल की बेटी खुशी का जब अर्वर डिजाइनिंग अहमदाबाद में दाखिला हो गया तो उम्मीद जागी और घरवालों के सहयोग से एक बार फिर अपने सपने को पूरा करने का प्रयास किया। कोरोना काल के बाद ऑफ लाइन होने पर गत पांच सितंबर को मिसेज कैपिटल ऑफ इंडिया में जाने का मौका मिला। जहां मिसेज एवरल लॉस्टिंग ब्यूटी का टाइटल जीता। इसके बाद तो हौंसला बढ़ गया और 17 से 20 दिसंबर को प्रतियोगिता में भाग ले लिया। जिसमें 250 प्रतियोगियों में से डिम्पी को ही मिसेज फरीदाबाद, मिसेज हरियाणा और मिसेज इंडिया के खिताब से नवाजा गया।

जीवन में रहा उतार चढ़ाव

सेक्टर नौ में जन्मी डिम्पी जैन ने बताया कि उसके पिता रविन्द्र कुमार जैन और मां प्रोमिला कुमारी जैन के अलावा उसके दो भाई सचेत जैन और निमित जैन है। उन्होंने बताया कि सातवीं तक वह विद्योदय में और डीएवी सेक्टर-14 में उन्होंने आठवीं से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई की। उसके बाद केएल महता दयानंद कॉलेज से उन्होंने बीकॉम की और 21 अप्रैल 1996 में उनकी शादी सेक्टर-11 निवासी प्रणय जैन से हो गई।

शादी के बाद उनकी सास राज जैन और ससुर श्रीचंद जैन व ननद स्वेता जैन का सहयोग मिला और उन्होंने साउथ को अनामलाई यूनिवर्सिटी से बीएड किया। जिसके बाद एमसीए की पढ़ाई कम्पलीट की और कम्प्यूटर टीचर की नौकरी करने लगी। इसी दौरान शादी के पांच साल बाद उनकी बेटी खुशी ने जन्म लिया और 10 साल बाद नौकरी छोड़ दी। जिसके बाद वह एक घरेलू महिला के रूप में बच्ची की देखभाल करने लगी।

जेसी बोस में तीन दिवसीय गीता महोत्सव का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्रीमद भगवद-गीता के जन्म के प्रतीक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2021 के उपलक्ष्य में जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा 28 से 30 दिसंबर तक तीन दिवसीय उत्सव का आयोजन कर रहा है, जिसके अंतर्गत श्रृंखलाबद्ध गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इन गतिविधियों का संचालन विश्वविद्यालय के कम्युनिकेशन एवं मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग एवं डीन छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

इस संबंध में कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से हरियाणा सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती का पर्व मना रही है। यह आयोजन पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने बताया कि राज्य के अग्रणी विश्वविद्यालय के रूप में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ऐसे राष्ट्रीय समारोहों में हमेशा आगे रहता है। कम्युनिकेशन एवं मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर एवं नोडल अधिकारी डॉ. पवन सिंह मलिक ने बताया कि श्रीमद भगवद-गीता की कालातीत शिक्षाओं से विद्यार्थियों को लाभान्वित करने तथा उनके आध्यात्मिक ज्ञान को समृद्ध करने के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई है जिसमें भगवद गीता की शिक्षाओं पर सतसंग एवं संवाद सत्र, गीता के विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता तथा रन फार गीता महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा, गीता श्लोकों के जाप के साथ यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दो शातिर आरोपियों की गिरफ्तारी से सुलझीं चार वारदातें

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा द्वारा स्नैचिंग और चोरी करने वाले आरोपियो के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश के तहत कार्य करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने दो स्नैचिंग के मामले में दो आरोपियों को अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सागर गांव नहरावली और शेखर गांव गढ़खेडा बल्लबगढ़ के रहने वाले है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी सागर को बल्लबगढ़ के आईएमटी से थाना सदर बल्लभगढ़ के अवैध हथियार के मुकदमें में 24 दिसम्बर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अपने साथी के साथ मिलकर किसी वारदात को अंजाम देने की साथ में था। क्राइम ब्रांच 85 की टीम ने गश्त के दौरान आरोपी को अवैध हथियार सहित काबू किया। आरोपी ने थाना सदर बल्लभगढ़ के क्षेत्र में 4 स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर मोहना के उजवल सिंह से 16200 रु तथा आरोपियों ने आईएमटी मच्छगर से एक स्कूटी सवार से स्कूटी, गांव चंदावली आगरा कैनाल नहर पर आने जाने वालों से पैसे छिने की घटनाओं को अंजाम दिया था। आरोपी सागर के साथी शेखर को गांव गढ़खेडा से गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों से 8700 रुपये स्कूटी, देसी कट्टा, एक जिन्दा राउंड और वारदात में प्रयोग मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी सागर थाना छायंसा के स्नैचिंग, अवैध हथियार और लड़ाई झगडे के 8 मुकदमों में जेल जा चुका है। आरोपी पर 4 मुकदमें थाना सदर बल्लबगढ़ में दर्ज है। आरोपी शेखर पर 3 मुकदमें थाना सदर बल्लबगढ में दर्ज है आरोपी जेल से जमानत पर है। आरोपी सागर को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार कर अदालत से 2 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर आरोपी से बरामदगी की गई। आरोपियों के तीसरे साथी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

वार्ड नंबर-40 में लगा वैक्सीनेशन कैंप

फरीदाबाद। वार्ड 40 के समाजसेवी युवा भाजपा नेता मा जयप्रकाश सिंह के द्वारा ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए वैक्सीन कैंप सुभाष कॉलोनी बल्लभगढ़ स्थित न्यू मिलेनियम स्कूल में लगाया गया। वार्ड नंबर 40 के लोगों ने वैक्सिन लगवाने में बढ़ चढ़कर भाग लिया। वैक्सीन कैंप में लगभग 210 लोगों ने डोज लगवाई। वैक्सीन कैंप में कोविसिल्ड और कोवैक्सीन की पहली और दूसरी दोनों डोज लगाई गई। मास्टर जयप्रकाश सिंह समाज सेवा के जरिए वार्ड 40 के लोगों को समय-समय पर वायरस के प्रति जागरूक भी करते रहे हैं। वह अपने वार्ड के लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनका स्वास्थ्य ठीक रहे इसलिए कई नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए हैं। मास्टर जयप्रकाश सिंह ने बताया पिछले 2 साल में इस महामारी के अंतर्गत बहुत लोगों ने अपनों का साथ छोड़ा एक मुश्किल भरा जीवन जीने के लिए मजबूर हुए। लेकिन समाज में भाईचारे स्थापित रहे। इसी को देखते हुए मास्टर जयप्रकाश सिंह ने लोगों का सहयोग करने का बीड़ा उठाया और जागरूकता अभियान के तहत सरकार की दी गई। हिदायत के अनुसार कोरोना वैक्सीन व नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज हरियाणा वासियों से बार-बार आग्रह कर रहे हैं वैक्सीन ही एकमात्र उपाय है कोरोना से लड़ने का। 1 जनवरी 2022 से सरकारी जगह पर वैक्सिन ना लगवाने वाले व्यक्तियों पर प्रतिबंध भी लगाया है। मास्टर जयप्रकाश सिंह ने लोगों से अपील की अपने घर से मास्क लगाकर ही निकले और उचित दूरी बनाए रखें। वैक्सीन कैंप में समाजसेवी युवा भाजपा नेता वार्ड नंबर 40 मास्टर जयप्रकाश सिंह व भाजपा नेता सचिन सरपंच भनकपुर, किरणबाला, पिंकी, नर्सिंग स्टाफ सीमा, अनिता, निशा और आशा वर्कर पूनम, मिथलेश, संजना, सुशीला, आकाश, समाजसेवी अनिल चौहान, सत्यदेव चौधरी सहित कई दर्जन लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छता का संदेश देने को चलाई बाइक

फरीदाबाद। नगर निगम कमिश्नर यशपाल यादव ने बाइक चला कर दिया स्वच्छता का संदेश 31 दिसंबर याद है ना को कचरा मुक्त श्रमदान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसकी जागरूकता के लिये नगर निगम कमिश्नर यशपाल यादव ने थंप रोडियोंक के 30 राइडरस के साथ बाइक चलाते हुए 5 नंबर मार्किट, 3 नंबर मार्केट, 2 नंबर और 1 नंबर होते हुए बल्लभगढ़ पहुंचे। रास्ते में 5 नंबर मार्केट कमेटी के प्रधान बलजीत अरोड़ा और हरियाणा व्यापार मंडल के प्रधान राम जुनेजाऔर सागर दुआ ने रैली का स्वागत फूलों से किया। मार्केट नंबर 2 में वार्ड 11 के पार्षद मनोज नासवा ने कमिश्नर को शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। पार्षद दीपक चौधरी के द्वारा अग्रसेन पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर निगम कमिश्नर यशपाल यादव ने सभी को संदेश दिया कि 31 दिसंबर याद है ना, 31 दिसंबर के बाद स्वच्छता अभियान और भी तेजी से चलाया जाएगा और इसमें जन भागीदारी से फरीदाबाद को कचरा मुक्त बनाया जाएगा। इस रैली में अतिरिक्त निगम आयुक्त इंद्रजीत कुलाड़िया, कोऑर्डिनेटर उमेश अरोडा, मोहित अग्रवाल, मास्टर ट्रेनर प्रमोद मनोचा, पिंकी बरार, रमन, अंकित बग्गा, प्रवेश मलिक इत्यादि बहुत से साथियो ने सहयोग किया।

समाज को शिक्षित करना ब्राह्मण समाज का कार्य : शर्मा

फरीदाबाद। श्रीब्राह्मण सभा सेक्टर-7' द्वारा सेक्टर-7 डी स्थित नालंदा विद्यालय परिसर में रविवार को पर्यावरण शुद्धि के लिए वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने स्कूल परिसर में 'श्री ब्राह्मण सभा सेक्टर-सात' के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर परिवहन मंत्री ने कहा कि श्रीब्राह्मण सभा' शिक्षण संस्थान के माध्यम से देश की पीढ़ी को न केवल शिक्षित कर रही है, बल्कि उन्हें वैदिक संस्कार देकर देश के वैचारिक विकास में योगदान दे रही है। समाज को शिक्षा देना ही ब्राह्मण समाज का कार्य रहा है। बड़खल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा तिरखा ने भी यज्ञ में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि यज्ञ में पर्यावरण शुद्धि के साथ-साथ मानव कल्याण की कामना की गई। संस्थाओं को श्री ब्राह्मण सभा सेक्टर-7' की तरह वैदिक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए। श्रीपरशुराम ब्राह्मण इंटरनेशनल, जयपुर' के प्रधान नवीन शर्मा ने कहा कि 15 और 16 जनवरी को यूपी में ब्राह्मण सम्मेलन है। ब्राह्मण समाज यूपी में सभी दलों को अपनी मांगों से अवगत करवा रहा है। जो राजनीतक दल ब्राह्मण समाज की मांगों को मानेगा। ब्राह्मण भी चुनाव में उसी दल का साथ देगा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज के लोग एक-दूसरे का नेतृत्व स्वीकार नहीं कर रहे हैं। इस कारण अलग-अलग संगठन बनने से समाज की एकजुटता कमजोर हो रही है। श्री ब्राह्मण सभा सेक्टर-7' के प्रधान प्रोफेसर वीके शर्मा ने बताया कि ऋग्वेद के 100 मंत्रोच्चारण से यज्ञ किया गया। यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण शुद्धि के साथ-साथ विश्व कल्याण की कामना की गई। उन्होंने बताया कि अगले साल 14 जनवरी को यजुर्वेद के मंत्रोच्चारण से स्कूल परिसर में वैदिक यज्ञ किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा, रेणु चौहान, पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सी शर्मा, रमणीक प्रभाकर, जेसी पराशर, एसपी शर्मा, डीपी भारद्वाज उप प्रधान सेक्टर तीन ब्राह्मण सभा, दयानंद नागर तिगांव, डा एमके गुप्ता, सुशील कौशिक, पीके शारदा, दयाशंकर शर्मा, सुरेश शर्मा, सुभाष पराशर और मदनलाल बर्मा आदि मौजूद थे।

स्वतंत्रता सेनानी जोगिंद्रपाल सिंह नहीं रहे

फरीदाबाद। वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी जोगिंद्रपाल सिंह का शनिवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके इकलौते पुत्र संजीव तरगोत्रा ने रविवार को उनको मुखाग्नि दी। जोगिंद्र पाल सिंह 72 वर्ष के थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। सेक्टर-23, संजय कॉलोनी की गली नंबर-21 में रहने वाले जोगिंद्रपाल सिंह ने अपने संपूर्ण जीवनकाल में हमेशा सभी का भला किया। वे गरीबों व वंचितों की हमेशा मदद करते थे। उन्होंने कई युवाओं को उनके शिक्षाकाल में प्रेरित करके आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। उनकी अंतिम यात्रा में कॉलोनी से बड़ी संख्या में लोग शरीक हुए। उनका अंतिम संस्कार गौंछी स्थित स्वर्गआश्रम में किया गया।

चीन के कदम

लोकतंत्र को धक्का

हांगकांग में लोकतंत्र के प्रतीकों को नष्ट किया जा रहा है। हाल में हांगकांग विश्वविद्यालय में बीजिंग द्वारा 1999 में तियनमान चौक पर लोकतंत्र-समर्थकों को कुचलने की स्मृति में बने स्मारक 'पिलर आफशेम' को हटा दिया गया। इसके अगले दिन दो और विश्वविद्यालयों ने ऐसे कदम उठाए। हांगकांग में चीनी विश्वविद्यालय में परिसर में बनी 'लोकतंत्र की देवी' को गिरा दिया गया तथा लिगनान विश्वविद्यालय ने एक स्थापत्य को हटाया। ये कार्रवाइयां हांगकांग में विधायकों द्वारा चुनावी कानूनों में परिवर्तन पर प्रतिक्रिया के बाद हुई है जिसमें केवल चीन-समर्थक 'देशभक्तों' को चुनाव लड़ने का अधिकार था। हांगकांग की बहुसंख्य जनता ने चुनाव में मतदान से इनकार कर इनको अस्वीकार कर दिया है। कया मूर्तियां हटाना बीजिंग द्वारा 1989 में नरसंहार की सभी स्मृतियां समाप्त करने का प्रयास है? तियनमान चौक नरसंहार मुख्यभूमि चीन में संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। जनता की स्मृति से इसे हटाने के लगातार प्रयासों के कारण यह चीनी राजनीति का प्रतिबंधित अध्याय बन गया है। अभी तक आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है कि सेना ने गलत तरीके से प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई थीं। मृतकों के बारे में भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अभी पिछले सप्ताह ही हांगकांग में कुछ लोकतंत्र समर्थकों को जेल भेजा गया क्योंकि उन्होंने लोगों को पिछले साल तियनमान पीड़ितों के प्रतिबंधित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए लोगों को उकसाया था। यह सभी प्रकार के लोकतंत्र-समर्थक प्रदर्शनों पर हमले का हिस्सा है। हांगकांग चीन में एकमात्र शहर था जो हर साल तियनमान चौक पीड़ितों को भावनात्मक रूप से याद करता था। हजारों लोग हर साल लोकतंत्र समर्थकों की मांग के पक्ष में एकत्र होते थे जिन्होंने लोकतंत्र के लिए अपने जीवन का बलिदान किया था।

द्वीप के विश्वविद्यालयों के परिसरों में छात्रों ने स्मारक व मूर्तियां बना कर मुद्दे को जीवित रखा था। वे उस स्वतंत्रता का प्रतीक थे जो मुख्यभूमि चीन की नाक के नीचे उनको प्राप्त थी। इस प्रकार मूर्तियां हटाने का अर्थ लोकतंत्र के संकेत समाप्त करने के व्यापक उद्देश्य की पूर्ति करता है। इससे हांगकांग के लिए आसान हो जाएगा कि वह मुख्यभूमि से किसी प्रकार अलग नहीं दिखेगा। मूर्तियां हटाना वर्ष 2014 से जारी एक घटनाक्रम की श्रृंखला में नवीनतम कदम है जो द्वीप की स्वायत्तता के खिलाफहैं। इस स्पष्ट स्वायत्तता के मुकाबले बीजिंग हांगकांग पर अपने 'समग्र क्षेत्राधिकार' का दावा करता है। पश्चिमी बुद्धिजीवी इसे हांगकांग को बीजिंग की तानाशाही छवि के अनुकूल ढालना कह रहे हैं। इसकी शुरुआत हांगकांग में चुनाव सुधारों से हुई थी जिनका विरोध लोगों ने सड़कों पर उतर कर किया था। प्रदर्शन 2019 में उस समय अपने शिखर पर पहुंच गए थे जब लाखों प्रदर्शनकारियों ने एक विधेयक का विरोध किया था जो हांगकांग में गिरफ्तार लोगों के मुख्यभूमि में प्रत्यर्पण का प्राविधान करता था। गुस्सा प्रदर्शनकारियों ने केन्दीय समन्वय कार्यालय पर लगे चीन के राष्ट्रीय प्रतीक को भी नुकसान पहुंचाया था। सरकार ने इसे हांगकांग पर अपने दावों के लिए चुनौती के रूप में स्वीकार किया था। बाद में इस द्वीप में कठोर प्राकृतिक सुरक्षा कानून लागू किया गया जो मुख्यभूमि की सुरक्षा व्यवस्था को हांगकांग ले आया। वर्तमान समय में किसी भी प्रदर्शन को अलगाववाद, विघटनवाद, आतंकवाद या विदेशी शक्तियों से गठजोड़ बता कर उसमें भाग लेने वालों को कठोर दंड दिया जा सकता है। इसके बाद कानूनों में संशोधन कर उन लोगों को चुनाव मैदान में उतरने से रोक गया जिनका प्रदर्शन करने का इतिहास था। अब व्यवस्थित रूप से मूर्तियों को भी हटा दिया गया है।

योगी सरकार में एक्सप्रेस वे निर्माण

एक्सप्रेसवे योगी सरकार का महत्वपूर्ण छवि निर्माण करते हैं। महामारी से पैदा बाधाओं के बावजूद सरकार का विकास एजेंडा लगातार जारी रहा।

वीरेंद्र सिंह रावत
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एक समय बीमारू राज्य कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश में आज अनेक विशाल परियोजनायें स्थापित हुई हैं जिनका देश की औद्योगिक ढांचागत संरचना व सामाजिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 18 दिसंबर को शुरू करने के बाद जेवर में 30,000 करोड़ की हवाईअड्डा परियोजना पर काम शुरू हुआ है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में 6,000 करोड़ की गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना की नीव रखी गई है। इस प्रकार लगभग 80,000 करोड़ की एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को वर्तमान योगी आदित्यनाथ सरकार ने अनुमति दी है या उन पर काम चल रहा है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने रणनीतिक रूप से उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में से आधे को इन विशाल परियोजनाओं से जोड़ा है।

यह बात समझी जा सकती है कि भाजपा इन सड़क परियोजनाओं का राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है क्योंकि इससे वह राजनीतिक रूप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण राज्य में गेमचेंजर की भूमिका में आ गई है। योगी आदित्यनाथ सरकार के अंतर्गत जारी एक्सप्रेसवे परियोजनाओं में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस साल इनमें से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आवागमन शुरू हो गया है। लेकिन एक विडंबना है कि उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को बढ़ावा देने वाला कोई मुख्यमंत्री सत्ता में वापस नहीं लौटा है।

गौर करें तो पता चलेगा कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने विशाल आगरा-ग्रेटर नोयडा यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना अपने कार्यकाल में शुरू की थी। उन्होंने 2007-12 में गंगा एक्सप्रेसवे पर भी आधारभूत काम किया था और कुछ गांवों में भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई भी शुरू हुई थी। लेकिन बहन जी 2012 में चुनाव हार गईं और समाजवादी पार्टी के युवा नेता अखिलेश यादव ने कमान संभाली। अखिलेश यादव ने 2012-17 के बीच आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे परियोजना शुरू की। उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की योजना भी बनाई। लेकिन वे 2017 में विधानसभा चुनाव हार गए और भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तेजी से उभरी।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2017 के बाद से चार विशाल एक्सप्रेसवे परियोजनायें विभिन्न वित्तीय व निर्माण माडलों के अंतर्गत शुरू की हैं। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कोविड-19 की घातक लहरों के बावजूद काम जारी रहा। राज्य सरकार ने वित्तीय संस्थानों को इन परियोजनाओं से जोड़ कर सुनिश्चित किया कि इनका काम समयसीमा के भीतर हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही उत्तर प्रदेश की इन विशाल एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर पिछले 4-5साल में तेजी से काम के कारण राज्य को 'एक्सप्रेस प्रदेश' का नाम दिया है। सत्तारूढ़ भाजपा को विश्वास है कि अपनी सार्वजनिक कल्याण नीतियों, बेहतर कानून व्यवस्था तथा बड़ी परियोजनाओं व खासकर एक्सप्रेसवे के चलते तेज सामाजिक-आर्थिक विकास से वह उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापस आएगी। योगी सरकार ने इन परियोजनाओं से सटे क्षेत्रों में औद्योगिक केन्द्र व गलियारे विकसित करने की योजना बनाई है। किसानों की सहायता के लिए कृषि मंडियां तथा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर भी बनाए जाएंगे। अब वापस लिए गए कृषि कानूनों पर चले हालिया हालिया किसान आंदोलन को देखते हुए भाजपा सरकार किसानों के मुद्दे पर सावधानी से कदम उठा रही है। वह किसान समुदाय को खुश रखने के लिए कथनी और करनी में सभी संभव काम कर रही है। महामारी संकट, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी तथा उर्वरक की मौसमी कमी कुछ ऐसे तत्व हैं जिनसे किसी भी सत्तारूढ दल को को परेशानी हो सकती है और भाजपा भी इसका सामना कर रही है।

इस बदलते परिदृश्य में एक्सप्रेसवे योगी सरकार को बहु-प्रतीक्षित राहत देते हैं और वे महामारी के कारण पैदा बाधाओं के बावजूद अपना विकास एजेंडा प्रदर्शित कर सकते हैं। अनेक जिलों में फैले विशाल भौतिक ढांचे तथा सैकड़ों किलोमीटरों में विस्तारित परियोजनायें सरकार की उपलब्धियों का बहुत संवेदनशील, पर स्पष्ट रूप से प्रचार करती हैं। अनेक अवसरों पर अखिलेश यादव को अपने कार्यकाल में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की तारीफ करते देखा-सुना जा सकता है। उन्होंने सिविल काम तथा सार्वजनिक सुविधाओं को लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का मजाक भी उड़ाया तथा अपनी परियोजना को बेहतर बताया है।

संन्यासी से राजनेता बने योगी आदित्यनाथ कठोर निर्णय लेने तथा नए रास्ते पर चलने के कारण लोकप्रिय हुए हैं। जहां पूर्व मुख्यमंत्री मायावती व अखिलेश यादव अपनी कुर्सी गंवाने के अंधविश्वास के कारण कभी नोयडा नहीं गए, वहीं मार्च 2017 में पद पर आने के बाद योगी आदित्यनाथ कई बार नोयडा जा चुके हैं। इस प्रकार नोयडा भी एक प्रकार का अंधविश्वास बना हुआ था जिसे योगी ने तोड़ा। 25 नवंबर को योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री मोदी के साथ गौतमबुद्ध नगर के नोयडा गए और वहां जेवर हवाईअड्डे की आधारशिला रखी। एक और अंधविश्वास यह बना हुआ है कि राज्य में पिछले 35 साल में कोई मुख्यमंत्री लगातार सत्ता में नहीं आया। हालांकि, मायावती और मुलायम सिंह यादव सर्वोच्च पदों पर दोबारा आए, पर बीच में उनको दूसरे के लिए कुर्सी छोड़नी पड़ी और वे कुछ समय बाद ही लौट सके। लेकिन किसी प्रकार के अंधविश्वास से अविचलित योगी आदित्यनाथ इनमें से किसी विश्वास को मान्यता नहीं देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा है कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापस लौटेगी तथा अपने विरोधियों व संदेहवादियों को इस बार गलत सिद्ध करेगी।

हालांकि, निर्वाचन आयोग ने अभी उत्तर प्रदेश में चुनाव तिथियों की घोषणा नहीं की है और सभी राजनीतिक पार्टियां अभी पूरी तरह चुनावी दौड़ में शामिल नहीं हुई हैं, पर भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियों ने जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं व नेताओं को लामबंद करना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ सप्ताहों में उत्तर प्रदेश राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई अनेक विकास परियोजनायें सामने आई हैं और इससे उनको विरोधियों की खिंचाई का मौका मिला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी राज्य में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने यह घोषणा भी की है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी महिला मतदाताओं को आकर्षित करने के विशेष प्रयास कर रही है। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हेतु भाजपा ने अपना घोषणापत्र या 'संकल्प पत्र' तैयार करने के लिए जनता से सुझाव मांगे हैं। जहां बसपा कभी अपना चुनाव घोषणापत्र नहीं जारी करती है, वहीं सपा जल्द ही समाज के विभिन्न वर्गों को आकर्षित करने के लिए इसे जारी करेगी। आने वाले सप्ताहों में देश की सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य में विभिन्न राजनीतिक धारायें मजबूत होती दिखेंगी। ऐसे में सवाल यह है कि क्या पहले से चले आ रहे अंधविश्वास टूटेंगे या मजबूत होंगे।

अफ़गानिस्तान के लिए करज़ई के प्रयास

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

15 दिसंबर को एसोसिएटेड प्रेस के कैथी गैनन के साथ एक साक्षात्कार के दौरान पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई के बयानों की सामग्री दो भागों में आती है - पहला उन परिस्थितियों से संबंधित है जिसमें तालिबान ने 15 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में प्रवेश किया था, और , दूसरा, उनकी टिप्पणियों के लिए कि सभी अफगानों को एक साथ आना चाहिए, और दुनिया को तालिबान के साथ जुड़ना चाहिए। तालिबान को अफगान के रूप में वर्णित करते हुए, जो अन्य अफगानों की तरह, पिछले 40 वर्षों में बहुत कठिन दौर से गुजरे थे, उन्होंने अफसोस जताया कि कभी-कभी तालिबान की गलत अंतरराष्ट्रीय धारणाएं प्रबल होती हैं, उदाहरण के लिए, दावा है कि महिलाओं और लड़कियों की अनुमति नहीं थी अपने घरों के बाहर या बाहर जाने के लिए एक पुरुष साथी की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि काबुल में जमीनी स्थिति यह सहन करेगी कि "सड़कों पर लड़कियां - खुद महिलाएं थीं।"

पहले भाग के रूप में, उन्होंने तर्क दिया कि काबुल से राष्ट्रपति अशरफ गनी की उड़ान ने 'नियंत्रित परिस्थितियों' के तहत तालिबान के शहर में प्रवेश करने पर एक समझौता किया था, जिस पर सरकार के मुख्य वार्ताकार अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने दोहा में तालिबान के नेतृत्व के साथ बातचीत शुरू की थी। . उनके अनुसार, तालिबान पहले से ही काबुल के बाहरी इलाके में थे, लेकिन उनके नेतृत्व ने समझौता होने तक शहर में प्रवेश नहीं करने का वादा किया था। वार्ता को बाधित करने के अलावा, गनी की उड़ान ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी जिसमें लगभग सभी सरकारी अधिकारी काबुल से भाग गए थे, और बड़े पैमाने पर अव्यवस्था की छाया शहर पर छा गई थी, जिसने उन्हें तालिबान को आने और सत्ता संभालने के लिए आमंत्रित किया था।

करजई ने जो कहा वह विश्वसनीय है। अमेरिकियों के साथ उनके संबंधों में खटास और उनका यह विश्वास कि अमेरिका अफगानिस्तान में युद्ध नहीं जीत सकता, ने उन्हें कई वर्षों तक अपने राष्ट्रपति पद के लिए तालिबान नेतृत्व और पाकिस्तान तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। वास्तव में, पाकिस्तान में तालिबान के पूर्व राजदूत, मुल्ला अब्दुल सलाम जायफ, तालिबान को चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने के लिए मनाने के अपने प्रयासों का नेतृत्व कर रहे थे। उसका भाई, अहमद वली करजई, मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के साथ अप्रत्यक्ष संपर्क में था। तब तालिबान के सबसे वरिष्ठ सैन्य नेताओं में से एक

और उनके सर्वोच्च नेता, मुल्ला मुहम्मद उमर के करीबी, बरादर एकमात्र तालिबान नेता थे, जिन्होंने कथित तौर पर अफगान सरकार के साथ शांति वार्ता करने का समर्थन किया था। इसके अलावा, वह कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारियों की जानकारी के बिना अफगान सरकार से बात कर रहा था, जो कि जनवरी 2010 में पाकिस्तान द्वारा उसकी गिरफ्तारी का असली कारण था। उससे पाकिस्तानियों और अमेरिकियों दोनों ने पूछताछ की और 2018 तक जेल में रहे, जब उसे रिहा कर दिया गया। अमेरिका-तालिबान वार्ता के लिए अमेरिकी दबाव दोहा में शुरू होगा। करजई पाकिस्तानी सेना और हक्कानी परिवार के एक सदस्य के भी संपर्क में था, जिसका आतंकवादी नेटवर्क अफगानिस्तान में पाकिस्तान की जासूसी-सह-गंदी चाल एजेंसी, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) निदेशालय की प्रमुख संपत्ति थी। द न्यू यॉर्क टाइम्स ऑफ़ 24 जून, 2010 की एक रिपोर्ट के अनुसार, (ऑनलाइन संस्करण) जेन पेरलेज़, एरिक श्मिट और कार्लोटा गैल द्वारा, वाशिंगटन ने पाकिस्तान के तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल अशफ़ाक परवेज कयानी और लेफ्टिनेंट-जनरल अहमद शुजा को घबराहट से देखा। पाशा, तब आईएसआई के महानिदेशक, इस्लामाबाद और काबुल के बीच चक्कर लगाते हुए, करजई से कह रहे थे कि उन्होंने अपने आकलन को साझा किया कि अमेरिका अफगानिस्तान में नहीं जीत सकता है, और यह तर्क देते हुए कि युद्ध के बाद के अफगान समझौते में हक्कानी शामिल होना चाहिए।

संपर्कों का यह इतिहास इस संभावना को पुष्ट करता है कि तालिबान और अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने बातचीत शुरू कर दी थी और पूर्व ने 'नियंत्रित परिस्थितियों' के तहत काबुल में प्रवेश किया होगा, अगर अशरफ गनी भाग नहीं गए थे। समान रूप से, इसने देश के धार्मिक, जातीय, आर्थिक और आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और करज़ई और अब्दुल्ला अब्दुल्ला जैसे विपक्षी नेताओं सहित एक 'समावेशी सरकार' के गठन की बातचीत को जन्म दिया, जो तालिबान के तत्काल बाद में चल रहा था। विजय। हालांकि ऐसा होता नहीं दिख रहा है, लेकिन करजई का यह अवलोकन कि अफगानों की पीड़ा तभी समाप्त हो सकती है जब वे सभी 'एक साथ मिलें' से पता चलता है कि ऐसा करने के प्रयास जारी हैं।

न तो इन प्रयासों के जल्द सफल होने की कल्पना की जा सकती है और न ही तालिबान अफगानिस्तान के संविधान के एक अस्थायी पुनरुत्थान के लिए उनके सुझाव को स्वीकार कर रहा है, जब यह एक राजशाही था, जबकि लोया जिरगा, पश्तो में एक 'ग्रैंड काउंसिल', एक साथ एक प्रतिनिधि सरकार, संविधान और एक पर निर्णय लेती है। देश के लिए राष्ट्रीय ध्वज। लोया जिरगास, अफगानिस्तान के सभी जातीय, धार्मिक और आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों की राष्ट्रीय सभा, 2002 से भी महिलाओं को शामिल करने के लिए आई है। क्या तालिबान, राजनीति और सरकार में महिलाओं की भागीदारी पर अपने बिल्कुल नकारात्मक रुख को देखते हुए, लोया जिरगा आयोजित करने के लिए सहमत होंगे जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं? इसके अलावा, अफगानिस्तान को शरिया कानून द्वारा शासित एक इस्लामी अमीरात घोषित करने के बाद, क्या वे संसदीय लोकतंत्र के लिए सहमत होंगे यदि लोया जिरगा ने इसे निर्धारित किया है - खासकर जब से उन्होंने इसे पहले ही खारिज कर दिया है?

अंत में, भले ही तालिबान करजई की स्थिति को स्वीकार कर लें कि अफगान लड़कों और लड़कियों को शिक्षा का एक सार्वभौमिक अधिकार होना चाहिए, वे उनके इस रुख को अस्वीकार करने के लिए बाध्य हैं कि महिलाओं को अफगानिस्तान की राजनीति, प्रशासन और आर्थिक गतिविधियों में अपना स्थान मिलना चाहिए - वास्तव में, जीवन के सभी क्षेत्रों में . उन्हें घेरने के लिए, दुनिया को केवल उनसे उलझने से परे जाना चाहिए। इसे उस तरह का दबाव डालना चाहिए जिससे वे झुकें।

आप की बात

संक्रमण के साए में चुनाव

मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव निरस्त करने पर मंत्रिमंडल की मुहर, राज्यपाल के पास भेजेंगे प्रस्ताव। अब तक तो कहा जाता है कि यदि चुनाव होते हैं तो वहां सरकार को करोना नहीं दिखाई देता !मगर मध्य प्रदेश सरकार ने इस धारणा को पलटते हुए स्थानीय निकायों के चुनाव स्थगित करने का स्वागत योग्य निर्णय लिया !आमिक्रोन के रुप में तीसरी लहर के आसन्न खतरे को भांपते हुए चुनाव स्थगित करने का निर्णय सर्वाधिक उचित व स्वागत योग्य है! क्योंकि चुनावी रैलियों भाषण और मतदान में कॅरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन नहीं हो सकता है! और मतदान करवाने वाले कर्मचारियों की जान की भी जो खकम बनी रहती है। ऐसे में किसी के काम आने के बाद ही चुनाव करवाए जाना उचित है! केंद्रीय चुनाव आयोग को भी देश के 5 राज्यों में अगले महीने में होने वाले चुनावों को तत्काल स्थगित करके पूरी शासकीय मशीनरी अमिस्क्रोन के खतरे से निपटने में लगा देना! चाहिए ताकि लोगों के प्राणों की रक्षा की जा सके! लोगों कि जान जोखिम में डालकर चुनाव करवाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। सभी राजनीतिक दलों को भी अपने राजनीतिक स्वार्थों से परे हटकर ऐसी ही मांग का समर्थन करना चाहिए!

- **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

कांग्रेस का हिन्दुत्व

पूरे विश्व में हिन्दू धर्म ही एकलौता धर्म है जिसका अस्तित्व किसी एक पुस्तक अथवा प्रवर्तक पर निर्भर नहीं है। जो आदिकाल से अनेक आघातों के बाद भी अपने मूल रूप में बना हुआ है। हिन्दू धर्म कोई पन्थ, मत अथवा पूजा पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने और विश्व कल्याण की एक पद्धति है। लेकिन बदले राजनीतिक वातावरण के कारण आज अनेक दल और उनके लोग राजनीतिक स्वार्थ के कारण अपने मूल विचारों के विपरीत खुद को हिन्दू धर्म के करीब दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। जिसके लिए एक ओर राहुल गांधी कोट के ऊपर जनेऊ पहनते है और दूसरी ओर अपने मूल विचारों का अनुसरण करते हुए हिंदुत्व को खतरनाक बताते हैं, और कांग्रेस के ही सलमान खुर्शीद हिंदुत्व और हिन्दू विचार वाले संगठनों की तुलना क्रूर आतंकी संगठन बोको हराम और आईएसआईएस से कर देते हैं। कांग्रेस, अपने मूल विचार को भूलकर जो हिन्दू वैचारिक होने का जो झूठा प्रदर्शन कर रही है उससे कांग्रेस को तो कोई लाभ होने वाला नहीं है। दूसरी ओर इसके विपरीत वसुधैव कुटुम्बकम के विचार को आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन सभी भारतीयो के डी.एन.ए को एक बताते हैं।

- **सुनील विद्यार्थी,** मोदीपुरम, मेरठ

अब नारी की बारी

भारत की आज़ादी के बाद, प्रत्येक नागरिक को अपना नेता और देश का भविष्य चुनने का एक महत्वपूर्ण अधिकार मिला। ये अधिकार कागज़ी रूप में तो अंकित था, लेकिन जमीनी स्तर पर महिलाओ को उनके विवाह से पहले पिता और विवाह के उपरांत पति के द्वारा तय किया जाता था कि किसे वोट देना है। यह अधिकार लगभग आधी आबादी के पास होकर भी नहीं था या यूं कहें उसका सही उपयोग नहीं हुआ करता था। आज भी, यह कहना पूर्ण रूप से गलत नहीं होगा कि दूर दराज़ और अशिक्षित क्षेत्रों में, इसका प्रयोग किया जाता रहा है।हालांकि, अब स्थिति में काफी बदलाव देखने को मिल रहा। यही कारण है कि इन्हें साइलेंट या शांत मतदाता के तौर पर देखा जाता है। इसके साथ ही राजनैतिक दल के लिए भी अब चुनाव जीतना टेड़ी खीर होता चला जा रहा। जहां पहले सिर्फ पुरुषों, उसमे भी बुजुर्गों को टार्गेट ऑडियंस के रूप में देखा जाता था, वहीं आज युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों, कामगारों, बेरोजगारों सभी के लिए कुछ न कुछ किया जा रहा है।

- **अमन जायसवाल,** दिल्ली विवि

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

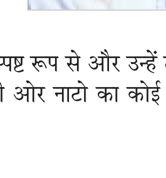

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चन्नी साहब ने लुधियाना कोर्ट ब्लास्ट पर एक शब्द भी नहीं कहा लेकिन मुझे बहुत गालियां दीं।

- **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

हमने स्पष्ट रूप से और उन्हें ठीक से जता दिया है कि पूर्व की ओर नाटो का कोई और विस्तार अस्वीकार्य है।

- **व्लादिमीर पुतिन**
रूस के राष्ट्रपति

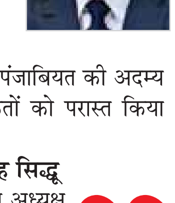

हमें महान गुरुओं द्वारा दी गई पंजाबियत की अदम्य भावना से विभाजनकारी ताकतों को परास्त किया जाएगा।

- **नवजोत सिंह सिद्धू**
पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष

अब लखनऊ मुस्कराएगा भी और दहाड़ेगा भी: योगी आदित्यनाथ

● डिफेंस कॉरिडोर से यूपी देगा देश की सुरक्षा में अपना योगदान

● ब्रह्मोस जनरेशन नेक्स्ट मिसाइल के उत्पादन से आत्मनिर्भर बनेगा यूपी, युवाओं को मिलेगा रोजगार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत दुनिया में मैत्रीपूर्ण और करुणा का संदेश देने वाला देश है लेकिन इसका मतलब यह नहीं की हमारे देश की सुरक्षा पर आंच आने देने की छूट देंगे, ऐसा नहीं है ये नया भारत है। मैत्री व करूणा का संदेश देने वाला ये नया भारत किसी को छेड़ता नहीं है पर जब कोई इस देश को छेड़ता है तो छोड़ता भी नहीं है।

उन्होंने यूपी में पहले डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा और डिफेंस एक्सपो कार्यक्रम के लिए रक्षामंत्री और प्रधानमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि डिफेंस कॉरिडोर से यूपी में रोजगार के नए अवसर युवाओं को मिलेंगे। ब्रह्मोस जनरेशन नेक्स्ट मिसाइल के उत्पादन से अब यूपी देश की सुरक्षा में अपना योगदान देगा। उन्होंने कहा कि मुस्कराइ, आप लखनऊ में हैं के साथ अब लखनऊ दहाड़ भी मारेगा क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइल अब यूपी के लखनऊ में तैयार होगा। यहां से अब दूसरे देशों के लिए रक्षा उपकरण निर्यात होंगे। 19 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने झांसी में भारत डायनामिक्स यूनीट का शिलान्यास किया था। छह डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड के तहत आज यहां ब्रह्मोस के लिए रक्षामंत्री द्वारा शिलान्यास हो रहा है जो यूपी के लिए गौरवान्वित करने वाली बात है। रक्षा सामग्री के लिए उत्तरप्रदेश पहले से ही हो रहा था, कानपुर में होता था लेकिन अब लखनऊ भी इसमें शामिल हो गया है। लखनऊ में डिफेंस एक्सपो के माध्यम से लखनऊ वासियों को रक्षा से जुड़ने जानने का मौका मिला था आज इस कार्यक्रम के जरिए डीआरडीओ लैब का शिलान्यास होकर नई दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश रक्षा का एक हब बनेगा। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बनने के साथ ही अनुसंधान का कार्य भी होगा। जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले साढ़े चार सालों में एमएसएमई व ओडीओपी को बढ़ावा दिया जिसके सकारात्मक परिणाम सबको देखने को मिले। यूपी में एक लाख 21 हजार करोड़ के एमएसएमई उत्पादों निर्यात किया है। कोरोना काल में 40 लाख श्रमिकों को इन एमएसएमई इकाईयों के तहत कार्य मिला है।

हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलों का होगा उत्पादन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में रक्षा प्रौद्योगिकी और परीक्षण केंद्र और ब्रह्मोस निर्माण इकाई की इकाइयों की आधारशिला सीएम योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में रखी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा घोषित लखनऊ में ब्रह्मोस विनिर्माण केंद्र, उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे यूपीडीआईसी के लखनऊ नोड में एक आधुनिक, अत्याधुनिक सुविधा है। यह 200 एकड़ से अधिक को कवर करेगा और नए ब्रह्मोस-एनजी संस्करण का उत्पादन करेगा, जो ब्रह्मोस हथियार प्रणाली की जेनेरेशन को आगे बढ़ाता है। यह नया केंद्र अगले दो से तीन वर्षों में तैयार हो जाएगा और प्रति वर्ष 80-100 ब्रह्मोस-एनजी मिसाइलों की दर से उत्पादन शुरू करेगा। उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे यूपीडीआईसी में रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण समूहों के विकास में तेजी लाने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन डीआरडीओ द्वारा लगभग 22 एकड़ में अपनी तरह का पहला रक्षा प्रौद्योगिकी और परीक्षण केंद्र डीटीटीसी भी स्थापित किया जा रहा है। इसमें 6 उपकेंद्र होंगे डीप-टेक इनोवेशन एंड स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, डिजाइन और सिमुलेशन केंद्र, परीक्षण और मूल्यांकन केंद्र, उद्योग केंद्र, डिजिटल विनिर्माण, कौशल विकास केंद्र और व्यवसाय विकास केंद्र। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने लखनऊ में डीटीटीसी के लिए भूमि उपलब्ध कराने के लिए रक्षा मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने ब्रह्मोस के नए संस्करण ब्रह्मोस-एनजी के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, डॉ रेड्डी ने ब्रह्मोस निर्माण केंद्र के लिए 200 एकड़ भूमि प्रदान करने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। डॉ रेड्डी ने क्षेत्र में आने वाले उद्योगों को डीआरडीओ से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। डीआरडीओ समन्वयक मनीष भारद्वाज ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। रक्षामंत्री और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में लखनऊ में फरवरी 2020 में डिफेक्सपो के दौरान यूपिडा यूपी सरकार और डीआरडीओ के बीच समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान को पूरा करने और लागू करने के लिए अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकी और परीक्षण केंद्र की स्थापना की जा रही है। डीटीटीसी, लखनऊ डीप-टेक स्टार्टअप्स और उद्योगों की प्रौद्योगिकी परामर्श और हैंडहोल्डिंग के लिए डिजाइन, बिल्ड.टेस्ट, लर्न चक्र का पालन करेगा। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अवसंरचना की स्थापना के माध्यम से उद्योगों की सुविधा प्रदान करेगा जो उत्पाद विकास में तेजी लाएगा और इसके 6 उपकेंद्रों के माध्यम से भविष्य की प्रणालियों के विकास के लिए प्रेरण समय और टर्नअराउंड समय को कम करेगा। यह अनूठा सेटअप डीआरडीओ के आईपीआरए पेटेंट और टीओटी को समझने के लिए उद्योगों और स्टार्टअप के लिए एक सेतु का काम करेगा। यह यूपी डीआईसी में उद्योगों, स्टार्टअप्स और एकेडेमिया के लिए समग्र हैंडहोल्डिंग का विस्तार करेगा। यह यूपी डीआईसी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उद्योगों और स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देगा और एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देगा।

ब्रह्मोस दुनिया के सफल मिसाइल कार्यक्रमों में से एक

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रुज मिसाइल प्रणाली दुनिया के सबसे सफल मिसाइल कार्यक्रमों में से एक है। भारत ने अपने निकटतम रणनीतिक सहयोगी रूस के साथ संयुक्त रूप से साझेदारी की है। दुनिया के सबसे अच्छे और सबसे तेज सटीक निर्देशित हथियार के रूप मेंए ब्रह्मोस ने 21वीं सदी में भारत की प्रतिरोधक शक्ति को मजबूत किया है। भारत-रूस संयुक्त उद्यम इकाई ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा डिजाइन और विकसित, सुपरसोनिक क्रुज मिसाइल ब्रह्मोस अपनी शैली में सबसे बहुमुखी हथियार के रूप में विकसित होना जारी है। इस उत्कृष्ट वंश को आगे बढ़ाने के लिएए ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने मिसाइल के एक नए अधिक उन्नत संस्करण पर काम शुरू किया है जिसे ब्रह्मोस-एनजी अगली पीढ़ी कहा जाएगा। छोटे, हल्के और स्मार्ट आयामों वाली इस नई मिसाइल को भूमि, समुद्र, पानी के भीतर और हवा सहित आधुनिक सैन्य प्लेटफार्मों की एक विस्तृत संख्या पर तैनाती के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। यह अगले कुछ वर्षों में भारतीय सेना की आधुनिक युद्ध क्षमता और लचीलेपन को बेहद मजबूत करेगा।

विश्वविद्यालय की रैंक सुधारने के साथ ही कमियां की जाएंगी दूर

संवाददाता। मेरठ

● चौ. चरण सिंह विवि की नई कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने संभाला पदभार

चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय में प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने शनिवार को नये कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। पूर्व कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने उन्हें कार्यभार सौंपा। इस मौके पर प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय में रिसर्च, एडमिशन, इनोवेशन और पेटेंट पर काम किया जायेगा। विश्वविद्यालय की रैंक सुधारने के साथ ही नई शिक्षा नीति की कमियों को दूर किया जायेगा। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि सभी को साथ लेकर विश्वविद्यालय को सही दिशा में लेकर जाना ही उनका मुख्य उदेश्य रहेगा।

उल्लेखनीय है कि गर्वनर आनंदीबेन पटेल ने 23 दिसम्बर को चौ. चरण सिंह के जन्मदिवस के दिन विश्वविद्यालय के नयी कुलपति की नियुक्ति कर दी थी। जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की कुलपति रहीं प्रो. संगीता शुक्ला को उन्होंने चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के 30वें कुलपति के रूप में नियुक्ति दी। बेहद मेघधापरक प्रतिभा की धनी प्रो संगीता शुक्ला का जन्म 11 जुलाई 1961 को ग्वालियर में हुआ था। स्कूली शिक्षा भी उनकी ग्वालियर से हुई। एमएससी में वह गोल्ड मेडलिस्ट हैं एवं जन्तु विज्ञान में पीएचडी हैं। वर्ष 4989 में जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रो. शुक्ला को रीडर पद पर नियुक्ति मिली। विषविज्ञान, मेटामोलिज्म एवं ड्रग्स में उनको विशेषज्ञता हासिल है 7 शोध व टीचिंग में प्रो. शुक्ला को 27 वर्ष का लम्बा अनुभव हासिल है 7 उनके 99 शोध पत्रों का प्रकाशन हो चुका है, जिसमें 44 राष्ट्रीय और 53 अर्न्तराष्ट्रीय शोध पत्र हैं। प्रो. शुक्ला यूजीसी की एक्सपर्ट कमेटी की पूर्व चेयरमेन भी रह चुकी हैं। जीवाजी विश्वविद्यालय में कुलपति रहते उन्होंने तमाम सुधारवादी कदम उठाये। चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति बनी प्रो.संगीता शुक्ला ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही अपनी मंशा जता दी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि विवि में शैक्षिण माहौल बनाये रखना उनकी प्राथमिकता होगी। छात्र विश्वविद्यालय के स्तम्भ है और उन्हीं से विश्वविद्यालय हैं। छात्र विश्वविद्यालय के है और विश्वविद्यालय छात्रों का है लिहाजा छात्रों की जो भी अपेक्षा विश्वविद्यालय से होगी उसे पूरा किया जायेगा। प्रो शुक्ला ने कहा कि अगले साल विश्वविद्यालय में नैक का मूल्यांकन होना है लिहाजा उनका पूरा फोकस नैक की तैयारी को लेकर है।

भारत का भविष्य आंगनबाड़ी में पलता है: आनंदीबेन

● राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु सामग्री वितरित की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा रविवार को राजभवन गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ जनपद के 60 आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केन्द्रों को पठन पाठन तथा खेल कूद सामग्री वितरित की गयी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को पढ़ने, बैठने, लिखने एवं खेलने की सामग्री मिलने से आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चे उत्साहपूर्वक आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयेंगे। राज्यपाल ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में जिन महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया है वे सब बधाई के पात्र है। उन्होंने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रशासन से अपील की कि उनके द्वारा जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुदृढ़ एवं सुविधा सम्पन्न बनाया जा रहा है, उनकी समय समय पर मॉनटरिंग करते रहे क्योंकि हमारे भारत का भविष्य आंगनबाड़ी में पलता है। इसलिये अपने सामाजिक दायित्व को निभायें। अगर आप चाहेंगे तो परिवर्तन निश्चित रूप से हो सकता है बस हमें संकल्प लेना होगा। राज्यपाल ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान भी शामिल है। उन्होंने ग्राम प्रधानों से अपील की कि गांव के सर्वांगीण विकास के लिये कार्य करें। आपको सरकार द्वारा गाँव के विकास के लिए अनेक उपहार दिये। इसलिये केन्द्र तथा राज्य सरकार की समस्त योजनाओं को अपनी ग्राम सभा के सभी लोगों को उसका लाभ दिलायें। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि आज आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु जो पठन.पाठन एवं खेल.कूद सामग्री वितरित की गयी है वह लखनऊ विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के सहयोग से प्रदान की गयी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों को इस बात का एहसास है कि वो भी समाज का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उसी सामाजिक दायित्व को निभाते हुए सहयोग व सहकार की भावना से समाज उत्थान का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि अब तक जिले के 360 आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाया जा चुका है। जबकि 8112 बच्चों को कुपोषण मुक्त किया जा चुका है।

विराट सोच के साथ जब प्रयास करेंगे, तो उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर सकेंगे

● अटल की जयंती पर टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण योजना का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते शनिवार को भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर टैबलेट्स-स्मार्ट फोन्स वितरण योजना का शुभारम्भ करते हुये कहा कि अगले हफ्ते भर तक मंडल और जिला मुख्यालयों में आयोजन करके सभी छात्रों टैबलेट्स-स्मार्ट फोन्स मिले जाएंगे। योजना के अन्तर्गत प्रदेश के कुल 1 करोड़ छात्र छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट्स स्मार्ट फोन्स प्रदान किये जाने हैं। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्यमंत्री ने भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी एवं भारतरत्न महामना पं मदन मोहन मालवीय की जयन्ती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर डिजी शक्ति पोर्टल तथा फ्लैश मैसेजिंग ऐप डिजी शक्ति अध्ययन का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान टैबलेट्स-स्मार्ट फोन्स वितरण योजना से लाभान्वित 5 छात्र छात्राओं, नर्सिंग की अन्तिम वर्ष की छात्रा आकांक्षा मिश्रा, राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के दिव्यांग छात्र सागर उपमन्यु, बीटेक की अन्तिम वर्ष की छात्रा मेहुल गुप्ता, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के लाभार्थी छात्र प्रबल अवस्थी, बीए अन्तिम वर्ष की छात्रा ज़ेबा कैसर ने युवाओं के लिए इस योजना की उपयोगिता के सम्बन्ध में अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने टोक्यो ओलम्पिक में 49 किलोग्राम भार वर्ग महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता मीराबाई चानू को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र तथा 1.5 करोड़ रुपये की धनराशि तथा उनके कोच विजय कुमार शर्मा को 10 लाख रुपये की सम्मान धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया।

राज्यपाल आनंदीबेन ने बालिका संरक्षण गृह की बालिकाओं को बांटे कम्बल

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से रविवार को राजभवन में आयोजित उड़ान कार्यक्रम के माध्यम से कानपुर के उद्यमी डॉ ओयू सिद्दीकी ने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए लखनऊ के राजकीय पाश्चात्य संगठन बालिका मोती नगर लखनऊ के 148 बच्चे तथा लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह मोती नगर लखनऊ के 60 बच्चों तथा 10 वृद्ध महिलाओं को गांधी सभागार में राज्यपाल ने कम्बल वितरित किये। इस अवसर पर उन्होंने बालिका संरक्षण गृह की बालिकाओं के साथ संवाद भी किया। उन्होंने बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपको क्या पढ़ना चाहिएए कैसे पढ़ना चाहिए और किस प्रकार आप आगे बढ़ सकते हो इन सब बातों की चिन्ता करना सरकार एवं समाज का दायित्व है। आप पूरी लगन के साथ पढ़े और आगे बढ़ें। उन्होंने बालिका संरक्षण गृह की शिक्षकाओं से कहा कि आपके यहां जो बच्चे रहते है उन्हें रूचि के अनुसार हुनर सिखायें उन्हें ऐसे कौशल के बारे में जानकारी दें।

प्रदेश आगे बढ़ने के बजाय पीछे जा रहा है: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की कुनीतियों के चलते देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। प्रधानमंत्री देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन बनाने का सपना दिखाते रहे हैं। पर आज तक इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाने का उन्होंने संकेत नहीं दिया है। यह भी नहीं बताते कि अब तक देश कितने ट्रिलियन तक पहुंचा हैं। उनके कथित उपयोगी मुख्यमंत्री प्रदेश के लिए एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का ढिंढोरा पहले पीट रहे थे अब इशारे में भी उसका नाम नहीं ले रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश आगे बढ़ने के बजाय पीछे जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के पास अब एक ही काम रह गया है विपक्ष को बदनाम करना और उसके नेताओं पर व्यक्तिगत अमर्यादित टिप्पणियां करना। भाजपा के बड़े नेतओं ने अपना संयम खो दिया है और वे छिछले बयानों से अपनी संकीर्ण मानसिकता दिखा रहे हैं। अपनी सरकारी संस्थाओं के जरिए भाजपा सरकार विपक्षी नेताओं को डराने की कोशिश करना चाहती है। समाज का हर तबका भाजपा के धोखे और झूठ से त्रस्त हैं। जनता उसकी सच्चाई जानने लगी है इसलिए वह जनता की समस्याओं को हल करने और चर्चा करने तक से भाग रही है। अखिलेश ने कहा कि बिना सरकारी तंत्र के भाजपा नेतृत्व अब आम जनता में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा हैं। लोग महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, गन्ना किसानों के बकाया भुगतान और किसानों की आय दोगुनी करने के वादे के साथ किसानों को फसल का लाभप्रद मूल्य दिलाने को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। लोगों को भरोसा दिलाया गया था कि भाजपा सरकार बनने पर महंगाई रूकेगी, नौजवानों को यूपी में 70 लाख नौकरियां मिलेंगी। किसानों का सम्मान होगा, बहन बेटियों की सुरक्षा होगी। भाजपा के इस धोखे और झूठ की कलई खुल चुकी है और जनता इसका जवाब देने के लिए तैयार बैठी है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने अपने कार्यकाल का पूरा समय केवल जबानी जमाखर्च और जुमलों से लोगों की बहकाने में ही बिताया है। जो भी काम हुए वे समाजवादी सरकार में हुए। जो काम जहां रूक गया था वहां आज भी अधूरा पड़ा है। जनता को विश्वास है कि समाजवादी सरकार आने पर ही किसानों का भला होगा। नौजवानों के लिए रोजगार का इंतजाम होगा, व्यापारियों को सरकारी शोषण से मुक्ति मिलेगी और छात्र छात्राओं का जीवन संवरेगा यानी प्रदेश में खुशहाली आएगी। समाजवादी नेतृत्व पर जनता का भरोसा इसलिए भी है कि वह जो कहते हैंए वही करते हैं और जो कर सकते हैं वही कहते है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा राज में जनता को सिर्फ जिल्लत और परेशानियां ही मिली है। लोग भ्रष्टाचार से त्रस्त हैं। महिलाएं अपमानित और असुरक्षित महसूस करती हैं। अपराधी बेखौफ हैं और प्रशासन असहाय बना दिया गया है। भाजपा न तो लोकतंत्र और नहीं संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करती है। इसलिए अब प्रदेश की जनता भाजपा को और बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है।

संक्रमण रोकने को कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराएं: योगी

● रात्रि में संचालित होने वाली औद्योगिक इकाइयों के कर्मियों को आवागमन में छूट दी जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आहट के चलते राज्य में ऊक बार फिर से रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाने का फैसला लेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए यह बहुत जरूरी है। इसके साथ ही सीएम ने यह भी कहा है कि कर्फ्यू के दौरान रात्रि में संचालित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के कर्मियों को आवागमन में छूट दी जाए।

मुख्यमंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर कोविड 19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू किया गया है। इसका सख्ती से अनुपालन कराया जाए। पुलिस बल लगातार गश्त करे। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर निरीक्षण करें। रात्रि में संचालित होने वाली औद्योगिक इकाइयों के कर्मियों को आवागमन में छूट दी जाए। गौतमबुद्धनगर तथा गाजियाबाद जैसे सीमावर्ती जनपदों में विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार 3 जनवर से 15 से 18 वर्ष के किशोर बच्चों को कोविड टीकाकरण का सुरक्षा कवच प्रदान करने का कार्य प्रारम्भ किया जाना है। प्रधानमंत्री द्वारा 10 जनवरी से सभी कोरोना वॉरियर्स, हेल्थ केयर व फ्रंटलाइन वर्कर्स एवं 60 वर्ष से ऊपर की आयु के को-मॉर्बीडिटी वाले नागरिकों को डॉक्टर की सलाह पर कोविड वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज का सुरक्षा कवच प्रदान करने का निर्णय भी लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके दृष्टिगत प्रदेश में वैक्सीन की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किशोर बच्चों के कोविड टीकाकरण के सम्बन्ध में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड टीकाकरण में उत्तर प्रदेश ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। यह क्रम आगे भी इसी प्रकार जारी रहे, इसके लिये प्रभावी प्रयास किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों तथा विदेश से उत्तर प्रदेश में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की ट्रेसिंग एवं टेस्टिंग की जाए। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाए। उन्होंने इन्टीग्रेटेड कोविड कमाण्ड सेन्टर को सप्ताह में 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पिछले 24 घण्टों में राज्य में कोरोना संक्रमण के 59 नए मामले सामने आए हैं। इस अवधि में 16 व्यक्तियों को सफल उपचार के उपरान्त डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 323 है। जनपद अम्बेडकर नगर, अमेठी, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बांदा, बस्ती, बहराइच, भदोही, चित्रकूट, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, गाजीपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, जालौन, जौनपुर, कासगंज, कौशाम्बी, महोबा, मैनपुरी, मऊ, मिर्जापुर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, संतकबीरनगर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर तथा सुल्तानपुर में कोविड का एक भी मरीज नहीं है। राज्य में गत दिवस तक 19 करोड़ 40 लाख 23 हजार से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं। 6 करोड़ 88 लाख 74 हजार से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है।

यूपी को नई पहचान दिलाएगा काशी फिल्म महोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● तीन दिवसीय आयोजन से यूपी में फिल्म सिटी के निर्माण को मिलेगी नई दिशा

● देश के जाने वाले फिल्मी कलाकार लेंगे हिस्सा, ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शाम को बनाएंगी यादगार

उत्तर भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में पहचानी जानी वाली काशी नगरी में पहली बार होने वाला काशी फिल्म महोत्सव दुनिया में अपनी पहचान बनाने जा रहा है। भगवान शिव की नगरी में 27 से 29 दिसम्बर तक होने वाले इस 3 दिवसीय आयोजन में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और नृत्य के दर्शन तो होंगे ही साथ में यहां रहकर देश में विख्यात हुए दार्शनिक कवि, लेखक, संगीतज्ञों और बनारस घराने की यादें भी ताजा होंगी। मंदिरों के शहर में हंसी से गुदगुदाने के लिए महशूर हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव भी मौजूद रहेंगे तो शाम को यादगार बनाने के लिए ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी की प्रस्तुतियां भी दर्शकों के लिए यादगार बन जाएंगी।

भगवान शिव की नगरी में फिल्म बंधु, उत्तर प्रदेश सरकार, केन्द्र सरकार के सहयोग से पहली बार काशी फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। दीपों के शहर के रूप में विख्यात काशी नगरी में 27 दिसम्बर को शाम 4 बजे महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि पर्यटन, संस्कृति, धर्मार्थ कार्य, प्रोटोकॉल राज्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी और विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा करेंगे। इस दौरान वाराणसी के इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में मनोज जोशी की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र बनेगी। शाम छह बजे से डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा में हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव और गायक कैलाश खेर के लाइव शो शाम को खुशनुमा बना देंगे।

ज्ञान नगरी के रूप में भी मशहूर वाराणसी में 28 दिसम्बर को होने वाले काशी फिल्म महोत्सव के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर रहेंगे। इस दौरान वाराणसी-एक सांस्कृतिक, पौराणिक और एतिहासिक विरासत से एक आधुनिक शहर की यात्रा विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन होगा। दूसरी पैनल की चर्चा का विषय संगीत और गीत-बनारस की विरासत पर होगी । शाम 4 बजे समापन समारोह के साथ ही सब्सीडी का वितरण होगा। गुरुवार की शाम मशहूर फिल्म अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी के नाम रहेगी। इस दौरान उनकी ओर से पेश की जाने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुति सबका दिल मोह लेगी। यह कार्यक्रम वाराणसी के इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में ही होंगे। 29 दिसम्बर को फिल्म निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उत्तर प्रदेश और क्षेत्रीय सिनेमा की संभावनाएं विषय पर पैनल चर्चा आयोजित होगी। और इस दिन की शाम गायक रवि त्रिपाठी, अभिनेता रवि किशन की पेशकश के रूप में पहली बार काशी में हो रहे फिल्म महोत्सव को यादगार बना देगी।

अनुप्रिया पटेल ने की ओबीसी के लिए अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा के सहयोगी अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए कहा कि राजनीतिक इतिहास साफ दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में जिस पार्टी या गठबंधन को ओबीसी का समर्थन मिलता है, वही सत्ता में आता है। देश के राजनीतिक रूप से सबसे अहम राज्य में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के फिर से सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त पटेल ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए यह महत्वपूर्ण है कि ओबीसी को अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाए।

केंद्रीय मंत्री ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जिस जातिगत समीकरण को आकार दिया, उसने राजग को एक के बाद एक तीन चुनावों में भारी जीत दिलाई। अमित शाह ने सभी जातियों खासतौर से ओबीसी को उचित स्थान देकर जातियों का एक गुलदस्ता बनाकर उप्र में बहुत खूबसूरती से काम किया। पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मतदाताओं के बीच राजग की अच्छी स्थिति है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएंगे।

अपना दल (एस) ने 2017 के विधानसभा चुनाव में नौ सीट जीती थीं। पार्टी ने तीन चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़े हैं। ओबीसी उम्मीदवारों को और टिकट देने की पैरवी करते हुए पटेल ने कहा, अगर आप राजनीतिक दलों के चुनावी प्रदर्शन तथा उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का इतिहास देखें तो पाएंगे कि ओबीसी का जिस पार्टी और गठबंधन की ओर झुकाव होता है वह राज्य में सत्ता में आता है। पटेल ने कहा कि वह और उनकी पार्टी ओबीसी को अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के पक्ष में रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों की ओर बहुत संवेदनशील रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप सच में सामाजिक न्याय चाहते हैं तो ओबीसी को अधिक प्रतिनिधित्व देना चाहिए खासतौर से उत्तर प्रदेश में, जहां उनकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है।

मिर्जापुर से सांसद पटेल आगामी विधानसभा चुनाव में पिछड़े समुदाय का समर्थन हासिल करने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि राजग का समाज के इस वर्ग के बीच अच्छा तालमेल है क्योंकि मोदी सरकार की योजनाएं गरीब समर्थक हैं तथा उनका मकसद हाशिए पर पड़े वर्गों की मदद करना है। प्रधानमंत्री मोदी पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को लेकर हमेशा संवेदनशील रहे हैं तथा यह तब दिखाई दिया जब उन्होंने नीट परीक्षा की अखिल भारतीय श्रेणी में ओबीसी कोटा दिया।

भाजपा के साथ सीटों के बंटवारे पर अपना दल की नेता ने कहा कि वह अभी कोई संख्या नहीं बता सकतीं लेकिन दोनों दल एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं और बातचीत चल रही है। कुर्मी ओबीसी जाति से आने वालीं पटेल जाति आधारित जनगणना की पक्षधर रही हैं। भाजपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। विधानसभा चुनाव नजदीक आने पर उत्तर प्रदेश में सभी बड़े राजनीतिक दल चुनावी मैदान में कूद पड़े हैं और वे ओबीसी मतदाताओं को लुभाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। राज्य की कुल आबादी के 40 प्रतिशत से अधिक लोग ओबीसी से संबंधित हैं।

केरल के किजहक्कम्बलम में कामगारों ने की हिंसा कई पुलिसकर्मी घायल

कोच्चि। केरल में एर्नाकुलम जिले के किजहक्कम्बलम इलाके में शनिवार रात क्रिसमस मनाने के लिए जमा हुए देश के पूर्वोत्तर इलाकों से आए प्रवासी कामगार हिंसक हो गए और उन्होंने कई पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। हिंसा के दौरान पुलिस के दो वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से एक जीप को आग के हवाले कर दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के. कार्तिक ने मीडिया को बताया कि 25 दिसंबर की रात हुई घटना के संबंध में दो मामले दर्ज किए गए हैं और इसमें शामिल सभी लोगों की पहचान करने और सबूत जुटाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा, यह एक लंबी प्रक्रिया है। हिंसा में एक क्षेत्र निरीक्षक सहित 8 पुलिसकर्मी घायल हो गए और उनमें से कुछ को सर्जरी की भी आवश्यकता है, लेकिन फिलहाल उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है।

धुले में केन्द्रीय मंत्री अल्पसंख्यक मुख्तार अब्बास नकवी विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन करने के बाद महिलाओं से मुलाकात करते हुए।

सांसदों के निलंबन पर प्रह्लाद जोशी और जयराम रमेश में ट्विटर पर जंग

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के बाद भी विपक्ष के 12 सांसदों के निलंबन को लेकर सियासी घमासान जारी है और इस मुद्दे पर रविवार को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश के बीच तीखी नोकझोंक हुई। ट्वीट की एक श्रृंखला में, जोशी ने मानसून सत्र के अंतिम दिनों के दौरान किए गए हंगामे का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके कारण 12 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था और रमेश को टैग करते हुए कहा, जन प्रतिनिधि के रूप में, यह सांसदों का कर्तव्य है कि वे सभापति का सम्मान करें। और उनके पद के योग्य व्यवहार करें।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, हालांकि, रमेश के सहयोगियों ने बहस के बजाय व्यवधान पसंद किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि पूरे देश ने उनकी गुंडागर्दी देखी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार निलंबन वापस लेने के लिए हमेशा तैयार थी, अगर इन 12 सांसदों ने माफी मांगी होती, लेकिन वे लोग केवल अपने कार्यों को सही ठहरा रहे थे।

जोशी ने रमेश की ओर इशारा करते हुए कहा, रागा (राहुल गांधी) को खुश करते हुए आपको अपना रास्ता नहीं खोना चाहिए। उन्हें बताएं कि सम्मान हासिल किया जाता है, न कि जबर्दस्ती करवाया जाता है। जोशी ने आगे कहा कि गलती करना मानव स्वभाव है, लेकिन उसे बार-बार न्यायोचित ठहराना मूर्खता। रमेश ने जोशी की टिप्पणी का उसी लहजे में जवाब दिया, नमो (नरेंद्र मोदी) खुद झूठ के जगद्गुरू हैं और उन्हें खुश करने के लिए आपको झूठ फैलाने का अपना रास्ता नहीं खोना चाहिए। मैंने सदन में जो कहा उसे दोहरा रहा हूं - अगर सरकार उदार है, तो विपक्ष उत्तरदाई है। रमेश ने यह भी कहा कि संसद के कामकाज को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की है।

लद्दाख की बड़ी तिब्बती बस्ती में चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्तिः अधिकारी

लेह (लद्दाख)। लद्दाख के सुदूर न्योमा ब्लॉक में सबसे बड़ी तिब्बती बस्तियों - रेबेल सुमधो और सुमधो टीआर - को राष्ट्रीय पावर ग्रिड से जोड़ दिया गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, लद्दाख के बिजली विकास विभाग ने शनिवार को क्रिसमस के अवसर पर तिब्बती बस्तियों को चौबीसों घंटे बिजली मुहैया कराने का सराहनीय काम किया है। यह पहल केंद्र प्रायोजित दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) के तहत की गई थी। न्योमा और सोकर झील के बीच स्थित बस्ती के निवासियों के लिए इसे लोसर उपहार (तिब्बती नव वर्ष) करार देते हुए उन्होंने कहा कि यहां के करीब 70 घरों को पहले एक छोटे सौर फोटोवोल्टिक बिजली संयंत्र के माध्यम से विद्युतीकृत किया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि, डीडीयूजीजेवाई योजना ने अब गांवों को उत्तरी ग्रिड से जोड़ दिया है।

महाराष्ट्रः फर्जी एनसीबी अधिकारियों की धमकी से परेशान महिला ने की आत्महत्या

मुंबई। मुंबई में खुद को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) का कथित तौर पर अधिकारी बताने वाले दो ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिन्होंने न केवल एक महिला से 20 लाख रुपए की राशि मांगी बल्कि उसे इस कदर परेशान कर दिया कि उसने आत्महत्या कर ली। मुंबई पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को सूरज मोहन परदेशी (38) और प्रवीण रघुनाथ वालिनबे (35) को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को अम्बोली पुलिस थाने में एक फोन कॉल आया था, जिसमें यह कहा गया था कि एक महिला आत्महत्या करने वाली है। कॉल में दी गई जानकारी के आधार पर कॉलर (कॉल करने वाला व्यक्ति) के साथ पुलिस की टीम जब संबंधित स्थल पर पहुंची तो 28 वर्षीय महिला अपने फ्लैट में फांसी से लटकी मिली।

उन्होंने बताया, कॉल में दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस की टीम जब संबंधित स्थल पर पहुंची तो 28 वर्षीय महिला एक कमरे में फांसी से लटकी मिली। जांच में पता चला कि 20 दिसंबर को महिला और उसके कुछ दोस्त एक पार्टी के लिए पांच सितारा होटल गए थे, जहां उन्हें खुद को एनसीबी का अधिकारी बताने वाले दो लोगों ने मादक पदार्थ से संबंधित प्राथमिकी में नाम न देने के एवज में 20 लाख रुपए की राशि मांगी। महिला को आरोपियों ने बताया था कि वहां मादक पदार्थ का भंडाफोड़ हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों की ओर से लगातार पैसे की मांग से परेशान महिला ने बृहस्पतिवार को अपने आवास में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में, आत्महत्या के लिए उकसाने, उगाही, धोखाधड़ी और अन्य अपराधों के लिए ठाणे से परदेशी और वालिनबे को गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला मूल रूप से पश्चिम बंगाल की निवासी है और यहां वह अभिनेत्री बनने के लिए संघर्ष कर रही थी और किराए के फ्लैट में रह रही थी। उन्होंने बताया कि कुछ और लोग भी उगाही गिरोह में संलिप्त होने के संबंध में जांच के दायरे में हैं।

हालिया मादक पदार्थ जांच मामलों में कथित अनियमितताओं को लेकर एनसीबी पर लगातार निशाना साध रहे महाराष्ट्र के मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक ने इस घटना के बारे में ट्वीट किया और व्यापक जांच की मांग की। उन्होंने ट्वीट किया, ओशिवारा थाना सीमा क्षेत्र में एक अभिनेत्री ने आत्महत्या कर ली। जांच में यह बात सामने आई है कि कुछ लोग एनसीबी अधिकारी बनकर पैसे की उगाही कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनसीबी अधिकारियों ने उगाही करने के लिए निजी सेना बनाई है। मंत्री ने इस पहलू की जांच की मांग की है।

क्विक न्यूज

एमवीए प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिलकर विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव कराने की अनुमति मांगी

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास अघाडी (एमवीए) सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात कर पत्र सौंपा जिसमें विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव विधानमंडल के मौजूदा शीतकालीन सत्र में कराने की अनुमति मांगी गई है। राजभवन जाकर रविवार शाम को राज्यपाल से मिलने वाले नेताओं में राज्य के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे (शिवसेना), राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट (कांग्रेस), खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) शामिल थे। महाराष्ट्र विधानमंडल के चालू शीतकालीन सत्र में ही विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होने की संभावना है। कार्यक्रम के मुताबिक शीतकालीन सत्र 28 दिसंबर को संपन्न होगा जबकि इसकी शुरुआत 22 दिसंबर को हुई थी। राज्यपाल से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता थोराट ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा लिखा पत्र राज्यपाल को सौंपा जिसमें विधानसभा अध्यक्ष के लिए चुनाव के कार्यक्रम की मंजूरी देने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया, राज्यपाल ने मतपत्र के बजाय ध्वनि मत से चुनाव कराने के लिए विधानमंडल के संशोधित नियमों की विस्तृत जानकारी मांगी है। उन्होने कहा कि वह कानूनी विशेषज्ञों से चर्चा करेंगे और अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे और अपने फैसले से कल अवगत कराएंगे। शिंदे ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया में बदलाव नियमों के तहत किया गया है और उन्हे भरोसा है कि राज्यपाल जल्द इसकी मंजूरी दे देंगे। उल्लेखनीय है कि नाना पटोले द्वारा इस्तीफा देने से विधानसभा अध्यक्ष का पद इस साल फरवरी से ही खाली है। पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पद संभालने के लिए विधानसभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इस पद के लिए कांग्रेस विधायक संग्राम थोप्टे को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। थोराट और शिंदे ने कहा कि राज्यपाल ने न तो विधानसभा से 12 भाजपा विधायकों के निलंबन पर चर्चा की और न ही राज्यपाल कोटे से विधान परिषद के 12 सदस्यों के लंबित नामांकन पर कोई बात की।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर करीब 500 हेक्टेयर जमीन खेती के लिए उपलब्ध

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले मे अंतरराष्ट्रीय सीमा और इस पर लगी बाड़बंदी के बीच करीब 500 हेक्टेयर कृषि भूमि बिना उपयोग के पड़ी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सांबा की उपायुक्त अनुराधा गुप्ता ने बताया कि प्रशासन सीमावर्ती किसानों को अग्रिम क्षेत्रों में खेती करने को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सीमा पार से गोलाबारी किए जाने के खतरे के बीच इस जमीन को छोड़ दिया गया था लेकिन भारत और पाकिस्तान ने फरवरी मे जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अतंरराष्ट्रीय सीमा पर नए सिरे से संघर्षविराम पर सहमति जताई तथा अब सीमावर्ती किसानों को संबंधित भूमि पर खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी किसानों की चिंताओं को दूर करने और उन्हे सीमा बाड़ से परे क्षेत्र में नियमित खेती करने में अपना पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने बताया कि प्रशासन के अधिकारियों ने शनिवार को किसानों को जम्मू में सुचेतगढ़ सीमा का दौरा कराया, ताकि सांबा के किसान भी सुचेतगढ़ के अपने समकक्षों को देखकर सीमा बाड़ से परे खेती करने के लिए उत्साहित हो सकें। अधिकारियों ने बताया कि सुचेतगढ़ सेक्टर का दौरा करने के बाद सांबा के सीमावर्ती इलाके के किसानों ने सीमा बाड़ से परे खेती करने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़ः नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ में स्थानीय लोगों के लिए पुलिस ने साप्ताहिक बाजार शुरू किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ में पुलिस ने एक साप्ताहिक बाजार शुरू किया है। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसरों से जोड़कर नक्सलवाद से मुकाबला करना और उन ग्रामीणों को बड़ी राहत पहुंचाना है जिन्हें दैनिक जरूरतों का सामान खरीदने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक गिरिजाशंकर जायसवाल ने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग के बाद शनिवार को एक पुलिस शिविर के पास कदमेता गांव में साप्ताहिक बाजार शुरू किया गया। उन्होंने कहा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोंडागांव, जगदलपुर और नारायणपुर के बीच स्थित कदमेता का यह बाजार करीब दो दर्जन से ज्यादा गांवों की जरूरत को पूरा करेगा और ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा। उन्होंने बताया कि कदमेता अबूझमाड़ इलाके में स्थित है, जो नारायणपुर जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर है। जायसवाल ने कहा कि इस जगह ग्रामीणों ने साप्ताहिक बाजार शुरू करने की कार्ययोजना तैयार की थी लेकिन नक्सलियों के दबाव और खतरे की वजह से इस योजना को छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि इससे पहले, लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खरीदने के लिए भी करीब 30 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता था। अधिकारी ने बताया कि प्रत्एक शनिवार को यह बाजार लगेगा।

कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी क्रिसमस पर्व के पर्व पर चर्च में उपस्थित।

दलाई लामा ने आर्चबिशप डेसमंड टूटू के निधन पर शोक व्यक्त किया

धर्मशाला (हिप्र)। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के नस्लभेद विरोधी आर्चबिशप एमेरिटस डेसमंड टूटू के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें सच्चा मानवतावादी बताया। दलाई लामा ने टूटू की बेटी म्फो टूटू को लिखे पत्र में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता को अपना सम्मानित बड़ा आध्यात्मिक भाई और अच्छा मित्र बताया। पत्र में लिखा, कृपया मेरे हृदय से व्यक्त की जा रही मेरी संवेदना को स्वीकार करें... और यह आप अपनी मां और अपने परिवार के सदस्यों तक भी पहुंचाए। मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं। टूटू के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए दलाई लामा ने लिखा, आप वर्षों से जानती हैं कि आपके पिता और मेरी मित्रता कितनी गहरी थी। मुझे याद है कि कई मौकों पर हमने साथ समय बिताया जिनमें वर्ष 2015 के दौरान धर्मशाला में साथ बिताया वह सप्ताह भी है जब हम हमने विचारों को साझा करते थे और मंथन करते थे।

गुजरात में नदियों के सम्मान और संरक्षण के लिए नदी उत्सव शुरू

भाषा। सूरत

गुजरात सरकार ने राज्य के विकास में नदियों के योगदान को सम्मान देने और उनके संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए रविवार को नदी उत्सव की शुरुआत की। यहां जारी अधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वयं राज्य स्तर के इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और तापी नदी के किनारे देवी तापी की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की।

विज्ञप्ति के मुताबिक पटेल ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार सूरत में तापी नदी के किनारे रिवर फ्रंट बनाने को प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम पूरे देश में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत नदियों का सम्मान करने के लिए आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि नदी उत्सव, नदियों के आसपास बिखरी गौरवमई संस्कृति को पुनर्जीवित करने की कोशिश है। उन्होंने कहा, हमारी नदियां राज्य के अद्वितीय विकास की शांत गवाह हैं। नदियां ही मानव सहित कई प्रजातियों के लिए ताजे पानी का स्रोत हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि इन जीवन-दायक नदियों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए , पर्यावरण बचाने के लिए संरक्षित किया जाए।

विज्ञप्ति के मुताबिक 26 से 30 दिसंबर के बीच नदी उत्सव के तहत पूरे राज्य में नदियों और पेड़ों सहित प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाई जाएगी। मुख्यमंत्री पटेल के सूरत दौरे के दौरान उनके साथ केंद्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश भी थीं। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए चौरायसी तालकुा के वकटाना गांव में कार्यशाला का दौरा किया।

रिकॉर्ड कीमतों के बावजूद असम चाय बागान की पुरानी समस्याएं बरकरार

गुवाहाटी। असम की कुछ बेशकीमती चाय की फसल की नीलामी में रिकॉर्ड कीमत मिलने के बावजूद, चाय बागान आज भी पुरानी समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें कम औसत कीमत, उत्पादन लागत में वृद्धि और अप्रत्याशित बारिश जैसी समस्याएं शामिल हैं। कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के लॉकडाउन तथा प्रतिबंधों ने चाय उद्योग की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। यद्यपि कई बागानों द्वारा गुणवत्ता वाली चाय के उत्पादन पर विशेष ध्यान केंद्रित करने से आने वाले वर्षों में बेहतर कीमत प्राप्त करने में मदद मिलने की संभावना जताई जा रही है।

टी-बोर्ड इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्टूबर तक राज्य में चाय का उत्पादन 2020 की इसी अवधि की तुलना में अधिक रहा है। हालांकि चाय उत्पादकों का कहना है कि इसका सीधा सा मतलब है कि उनकी चाय बिक्री कम होने के कारण उनके पास चाय के भंडार में वृद्धि हुई है। जनवरी से अक्टूबर 2021 तक, असम में चाय का उत्पादन 580.57 मिलियन किलोग्राम रहा, जो 2020 में इसी अवधि के दौरान 514.29 मिलियन किलोग्राम था।

यद्यपि मनोहारी चाय बागान में उगाई गई एक किलोग्राम चाय इस महीने की शुरुआत में 99,999 रुपए की रिकॉर्ड कीमत पर बिकी, जो देश में किसी भी चाय की नीलामी में सबसे अधिक थी, लेकिन कुल मूल्य प्राप्ति का आंकड़ा बहुत अच्छा नहीं रहा। मनोहारी टी एस्टेट के मालिक राजन लोहिया ने कहा, कुल मिलाकर, विभिन्न कारकों के कारण यह एक अच्छा वर्ष नहीं रहा। कम बारिश से उत्पादन प्रभावित हुआ था। तब, बेची गई चाय की कीमतें बहुत अधिक नहीं थीं। उन्होंने कहा, लेकिन हमने इस साल भी अच्छा संकेत देखा है। गुणवत्ता और गैर-गुणवत्ता वाली चाय की कीमतों में महत्वपूर्ण अंतर रहा है।

मध्य प्रदेश : इंदौर में ओमीक्रोन स्वरूप के आठ मामले सामने आए

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को कहा कि प्रदेश के इंदौर में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के आठ मामले सामने आए हैं। यह पहला मौका है जब मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में इस नए स्वरूप से संक्रमण के मामले की पुष्टि की है। मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, इंदौर में ओमीक्रोन के आठ नए मामले सामने आए हैं। इन मरीजों में से छह स्वस्थ हो गए हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि दो का इलाज चल रहा है। हालांकि इन दोनों में जुकाम-खांसी या कोरोना वायरस से संक्रमण का कोई लक्षण नहीं है। उन्हें भी अस्पताल से जल्द छुट्टी मिलने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि हाल में करीब 3000 लोग विदेश से इंदौर लौटे और उनमें से 26 कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। इन सभी 26 लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता भी लगा लिया गया है और वे सभी संक्रमित नहीं पाए गए। मिश्रा ने बताया, इनमें से आठ लोगों के जीनोम अनुक्रमण में ओमीक्रोन की पुष्टि हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक विभिन्न देशों से प्रदेश के औद्योगिक केंद्र इंदौर लौटे इन लोगों के नमूने 17 से 21 दिसंबर के बीच लिए गए थे। उन्होंने कहा कि संक्रमितों में 20 और 30 साल की उम्र के दो पुरुष थे, जो क्रमशः 14 और 19 दिसंबर को न्यूयॉर्क (अमेरिका) से आए थे। इनके अलावा 14 दिसंबर को लंदन (ब्रिटेन) से पहुंची 23 वर्षीय महिला, 19 दिसंबर को तंजानिया (पूर्वी अफ्रीका) से लौटी 33 वर्षीय महिला, 17 दिसंबर को घाना (पश्चिम अफ्रीका) से लौटी 33 वर्षीय महिला और क्रमशः 13 और 18 दिसंबर को दुबई से पहुंचे 26 और 31 साल की उम्र के दो पुरुष भी शामिल हैं।

इसी बीच, कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य सरकार द्वारा ओमीक्रोन के मामले देरी से बताने पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य सरकार बताए कि इतनी गंभीर बात को अब तक छुपाया क्यों गया। कमलनाथ ने यहां बयान जारी कर कहा, कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर मध्य प्रदेश में आज एक बड़ा खुलासा सामने आया है कि प्रदेश के इंदौर में विदेशों से आए लोगों में से 26 लोग संक्रमित पाए गए थे। उसमें से आठ मरीजों की जांच में ओमीक्रोन से संक्रमण की पुष्टि हुई है। ए बेहद गंभीर मामला है। सरकार बताए कि इतनी गंभीर बात को अब तक छुपाया क्यों गया? उन्होंने कहा, इन आठ मरीजों के नमूने जांच के लिए कब भेजे गए थे। इनकी जांच रिपोर्ट कब सामने आई। इनमें ओमीक्रोन से संक्रमण की पुष्टि कब हुई? सरकार ने इनका खुलासा क्यों नहीं किया?

रांची में रेलवे स्टेशन पर ओमिक्रॉन के बढ़ते केसो से यात्रियों का कोविड-19 की जांच करते हुए।

चुनौतियों के बावजूद सेंसेक्स ने 2021 में तोड़े सारे रिकॉर्ड

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी से जुड़े जोखिमों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने वर्ष 2021 में शानदार प्रतिफल देते हुए पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसमें वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा जारी भारी नकदी के साथ ही मददगार घरेलू नीतियों और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का भी अहम योगदान रहा। दूसरी ओर कई कंपनियों के मूल्यांकन में अत्यधिक बढ़ोतरी को लेकर चिंताएं भी देखने को मिली। व्यापक अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार और गिरावट के बीच फंसी थी लेकिन शेयर बाजार के सूचकांक सिर्फ ऊपर की ओर चढ़ते रहे। इस दौरान देश में सभी सूचीबद्ध शेयरों का कुल मूल्यांकन 72 लाख करोड़ रुपए बढ़कर लगभग 260 लाख करोड़ रुपए तक चला गया।

बीएसई सेंसेक्स ने इस साल पहली बार 50,000 अंक को पार कर इतिहास बनाया और अगले सात महीनों के भीतर 60,000 के स्तर को भी पार कर गया। सूचकांक 18 अक्टूबर को अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 61,765.59 पर बंद हुआ था। हालांकि, इसके बाद कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के खतरे की आशंका के चलते सेंसेक्स में गिरावट आई है। इसके बावजूद सूचकांक ने इस साल निवेशकों को लगभग 20 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है। सेंसेक्स दुनिया के बड़े बाजारों में सबसे महंगा भी है जिसका मूल्य एवं आय अनुपात 27.11 है। इसका मतलब है कि निवेशक सेंसेक्स की कंपनियों को भविष्य की कमाई के प्रत्येक रुपए के लिए 27.11 रुपए का भुगतान कर रहे हैं, जबकि पिछले 20 साल का औसत 19.80 है। वैसे भारतीय बाजार इस तरह का उत्साह देखने वाला अकेला बाजार नहीं है। महामारी की शुरुआत के बाद से अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नेतृत्व में वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने नकदी को बढ़ावा देने और वृद्धि को गति देने के लिए वित्तीय बाजारों में खरबों डॉलर का निवेश किया है। फेडरल रिजर्व पिछले डेढ़ साल से हर महीने 120 अरब अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड खरीद रहा है, जिससे इसका बही-खाता लगभग दोगुना होकर 8300 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। जूलियस बीयर के कार्यकारी निदेशक नितिन रहेजा ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत और अर्थव्यवस्था के तेजी से पुनरुद्धार के साथ आशावाद की लहर पर इस साल की शुरुआत हुई।

एस्टर हेल्थकेयर की भारत पर टिकी नजर, खाड़ी कारोबार को अलग करने की योजना

मुंबई। दुबई स्थित अस्पताल श्रृंखला एस्टर डीएम हेल्थकेयर अगले पांच वर्षों में राजस्व बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भारत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है और खाड़ी देशों में अपने परिचालन को एक अलग इकाई के सुपुर्द करने की योजना बना रही है। एस्टर डीएम हेल्थकेयर खाड़ी क्षेत्र के साथ-साथ भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख स्वास्थ्य सेवा श्रृंखलाओं में से एक है। आज खाड़ी देशों से इसे लगभग 80 प्रतिशत राजस्व मिलता है और बाकी राजस्व भारतीय बाजार से मिलता है।

एस्टर डीएम के चेयरमैन आजाद मूपेन ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत योजना है और इसे अभी निदेशकमंडल की मंजूरी के लिए नहीं रखा गया है। 35 वर्ष पुराने और बाजार में सूचीबद्ध इस अस्पताल समूह ने दुबई से दिसंबर 1987 में परिचालन शुरू किया था। समूह 455 स्वास्थ्य देखभाल इकाइयों का संचालन करता है जिसमें 27 अस्पताल एवं 126 क्लीनिक के अलावा लगभग 300 फार्मेसी भी शामिल हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में समूह को प्राप्त लगभग 10,000 करोड़ रुपए के राजस्व में से 2,500 करोड़ रुपए भारतीय कारोबार से आए थे।समूह के संस्थापक डॉ. मूपेन ने कहा कि वह खाड़ी देशों के कारोबार के लिए एक अलग इकाई बनाकर भारतीय कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उनकी योजना है कि अगले पांच वर्षों में भारतीय कारोबार का राजस्व कुल राजस्व का करीब 50 फीसदी होकर 25,000 करोड़ रुपए पहुंच जाए। उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रों के कारोबार के अलग हो जाने से निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। भारत में कारोबार विस्तार के लिए समूह पहले से सक्रिय अस्पतालों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने की रणनीति पर चलेगा।

बैंकिंग क्षेत्र में होंगे कई अहम सुधार निजीकरण और आईडीबीआई बैंक का विनिवेश एजेंडे में

नई दिल्ली। वर्ष 2022 में सरकार के एजेंडे में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार का एजेंडा प्रमुख होगा। हालांकि जानकारों का कहना है कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का प्रसार होने पर सुधारों की गति में थोड़ी बाधा आ सकती है। आंकड़ों के अनुसार महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र ने गुजर रहे साल 2021 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। सरकार की बहुआयामी रणनीति - स्वीकरोक्ति, संकल्प, पुनर्पूंजीकरण और सुधार - की मदद से बैंकिंग क्षेत्र का फंसा हुआ कर्ज (एनपीए) 31 मार्च 2021 तक घटकर 8,35,051 करोड़ रुपए रह गया।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की जुलाई 2021 में जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के अनुसार अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए अनुपात मार्च 2021 के 7.48 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2022 में 9.80 प्रतिशत हो सकता है।सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में बढ़कर 14,012 करोड़ रुपए हो गया और सितंबर 2021 को समाप्त दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा बढ़कर 17,132 करोड़ रुपए हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इन बैंकों का कुल लाभ (31,114 करोड़ रुपए) पिछले वित्त वर्ष (2020-21) में अर्जित कुल लाभ (31,820 करोड़ रुपए) के करीब है। इसी तरह निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक सहित अन्य बैंकों ने भी फंसे कर्ज में कमी के साथ अच्छा मुनाफा कमाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के बजट में सार्वजनिक उपक्रम नीति (पीएसई) जारी करते हुए कहा था कि चार रणनीतिक क्षेत्रों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश किया जाएगा।

नए साल में कंपनियां नई भर्तियों के लिए तैयार, विशिष्टता पर रहेगा जोर

भाषा। नई दिल्ली

नौकरियों की तलाश कर रहे लोगों के लिए साल 2022 नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। महामारी के जोखिमों के बीच आर्थिक गतिविधियों में आई तेजी से कंपनियां कारोबार राजस्व बढ़ने से सकारात्मक परिदृश्य के साथ चल रही हैं जिससे नए साल में नए रोजगार अवसर पैदा होने की उम्मीद है। हालांकि कोविड-19 महामारी के लिए जिम्मेदार कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं लेकिन कंपनियों का मानना है कि रोजगार बाजार में आई उछाल आने वाले बेहतर दिनों के लिए अहम हो सकती है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि महामारी की तीसरी लहर से आर्थिक पुनरुद्धार की प्रक्रिया अधिक प्रभावित न हो। वर्ष 2020 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियों पर महामारी की पहली लहर का बहुत खराब असर पड़ा था। इससे रोजगार बाजार के औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों पर बुरा प्रभाव देखा गया था। महामारी से जुड़ी चुनौतियां अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं लेकिन समय के साथ रोजगार परिदृश्य अब ज्यादा सकारात्मक नजर आ रहा है।

रोजगार बाजार पर नजर रखने वाली फर्म टीमलीज सर्विसेज के कारोबार प्रमुख (उपभोक्ता एवं स्वास्थ्य देखभाल) ए बालासुब्रमण्यन कहते हैं, ओमीक्रोन हो या न हो, हमारे पास यह मानने के पुख्ता कारण हैं कि अब पूर्ण बंदी के दिन बीत गए हैं। चाहे कर्मचारी हों या नियोक्ता हों या फिर सरकारी संस्थाएं हों, सबको अहसास हो चुका है कि जिंदगी एवं आजीविका के बीच एक सही संतुलन रखना होगा। कर्मचारियों के फिर से दफ्तर लौटने की प्रवृत्ति जोर पकड़ रही है और कंपनियां अपनी भर्ती योजनाओं को लेकर काफी आशावान हैं। मजबूत आर्थिक वृद्धि के अलावा उपभोग स्तर बढ़ने और टीकाकरण का दायरा बढ़ने से भी इसे गति मिली है।

एसएचआरएम इंडिया के वरिष्ठ परामर्शदाता नित्य विजयकुमार कहते हैं, हमें निजी इक्विटी में निवेश और विलय एवं अधिग्रहण सौदों में तेजी देखने को मिल रही है। टीकाकरण की रफ्तार बढ़ने के साथ कुशल प्रतिभाओं की कमी को देखते हुए वर्ष 2022 में रोजगार परिदृश्य तेज रहने की उम्मीद है। इसी के साथ वह कहते हैं कि महामारी का बुरा दौर बीत जाने के बारे में सिर्फ समय ही बता सकता है। लेकिन बड़ी कंपनियां और स्टार्टअप नई भर्तियों को लेकर खासी उत्साहित हैं। मैनपावरग्रुप के रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में भर्ती की धारणा पिछले आठ साल में सबसे ज्यादा है। इस अवधि में भारत में करीब 49 प्रतिशत कंपनियां नई भर्तियों की योजना बना रही हैं। इस सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछली तिमाही की तुलना में भर्ती धारणा पांच प्रतिशत सुधरी है जबकि एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले यह वृद्धि 43 प्रतिशत है। जहां तक मार्च तिमाही में होने वाली भर्तियों का सवाल है तो विशेषज्ञता रखने वाले और खास तरह के कौशल से भरपूर कर्मचारियों की मांग अधिक रहेगी।

सिकमा ने केंद्र से सीमेंट की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने का अनुरोध किया

चेन्नई। दक्षिण भारत सीमेंट विनिर्माता संघ (सिकमा) ने केंद्र से आग्रह किया है कि वह देश में सीमेंट की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए दूरदर्शी रेलवे माल ढुलाई सेवा मुहैया कराए ताकि जिंस को अधिकता वाले क्षेत्रों से किल्लत वाले क्षेत्रों में पहुंचाया जा सके।

सिकमा के अध्यक्ष और इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन श्रीनिवासन ने हाल में चेन्नई में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अपनी संक्षिप्त बातचीत के दौरान सीमेंट उद्योग के विकास के लिए जरूरी कदमों का जिक्र किया। उन्होंने सीमेंट उद्योग के विकास को बढ़ावा देने और उसे बरकरार रखने में लंबा रास्ता तय करने में सरकार से मदद की मांग की। 18 करोड़ टन प्रति वर्ष (एमपीटीए) उत्पादन क्षमता के साथ दक्षिण भारत पूरे भारत के सीमेंट उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है और 35-40 प्रतिशत चूना पत्थर देश के दक्षिणी हिस्सों में पाया जाता है।

वैश्विक रुझानों से अगले सप्ताह तय होगी बाजार की चालः विश्लेषक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के जोखिम और मासिक डेरिवेटिव सौदों के पूरा होने के बीच विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह शेयर बाजारों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है। सैमको सिक्योरिटीज की इक्विटी शोध प्रमुख एशा शाह ने कहा, ओमीक्रोन को लेकर आशंकाओं तथा मासिक सौदों के पूरा होने के चलते बाजार में अस्थिरता बनी रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, बाजार की नजर कोविड के हालात पर है और कोई भी सकारात्मक खबर बाजार को थोड़ी मजबूती दे सकती है, वर्ना अस्थिरता जारी रहेगी। विदेशी निवेशकों का रुख, रुपए की चाल और कच्चे तेल का भाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, हालांकि, राहत के रूप में आई तेली कुछ और समय तक जारी रह सकती है।

म्युचुअल फंड ने 2021 में 7 लाख करोड़ रुपए जोड़े

भाषा। नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड ने वर्ष 2021 में निवेश के साधन के रूप में निवेशकों का भरोसा जीतने के साथ ही अपने प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में सात लाख करोड़ रुपए का इजाफा किया। वहीं भारतीय कंपनियों ने इस साल इक्विटी और कर्ज के जरिए नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाई। हालांकि, ओमीक्रोन के चलते हालात बिगड़ने की आशंका और ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी के चलते नए साल में मुश्किलों का सामना भी करना पड़ सकता है। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों को उम्मीद है कि कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप पिछली दो लहलों जितना गंभीर नहीं होगा। बड़ौदा म्यूचुअल फंड के सीईओ सुरेश सोनी ने कहा कि दुनिया ने काफी हद तक कोविड के साथ रहना सीख लिया है और भारत में तेजी से टीकाकरण होने के साथ ही अर्थव्यवस्था पर ओमीक्रोन का असर उतना विनाशकारी नहीं होना चाहिए, जितना कि पिछली लहरें का रहा है।

उन्होंने कहा कि कम ब्याज दरें, म्यूचुअल फंड के बारे में बढ़ती जागरूकता और अच्छे निवेश प्रदर्शन के चलते एयूएम में बढ़ोतरी जारी रहेगी। भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के मुताबिक इस उद्योग का एयूएम 2021 में नवंबर के अंत तक 24 प्रतिशत बढ़कर 38.45 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो दिसंबर 2020 में 31 लाख करोड़ रुपए था। प्राइमइन्वेस्टर डॉट इन की सह-संस्थापक विद्या बाला का मानना है कि दिसंबर के अंत में म्यूचुअल फंड एयूएम का आंकड़ा थोड़ा कम या इतना ही रह सकता है, क्योंकि इस समय बाजार में सुधार का दौर चल रहा है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के संयुक्त निदेशक - शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि दिसंबर में अग्रिम कर भुगतान के ऋण फंड्स से कुछ निकासी हो सकती है।

नदिया में कड़ाके की ठंड के बीच सुबह ईंट भट्ठे पर काम करता एक मजदूर

क्विक न्यूज

टीबीओ टेक ने सेबी को दिया 2,100 करोड़ रुपए के आईपीओ का प्रस्ताव

नई दिल्ली। यात्रा सेवा प्रदाता टीबीओ टेक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 2,100 करोड़ रुपए जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक विवरणिका दाखिल की है। सेबी के पास मंजूरी के लिए दाखिल विवरण पुस्तिका के मसौदे के अनुसार, सार्वजनिक निर्गम में 900 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों की ताजा पेशकश की जाएगी। इसके अलावा प्रमोटरों और मौजूदा निवेशकों द्वारा1,200 करोड़ रुपए तक की बिक्री की पेशकश भी की जाएगी। इसके साथ ही कंपनी 180 करोड़ रुपए के पूर्व-निर्गम आवंटन पर भी विचार कर सकती है। यदि ऐसा आवंटन होता है तो नए निर्गम का आकार कम हो जाएगा। टीबीओ टेक का प्रस्ताव है कि नए निर्गम से होने वाली आय का उपयोग नए खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं को जोड़कर रणनीतिक अधिग्रहण एवं निवेश को विकास की दिशा में ले जाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए अपने प्लेटफॉर्म के विकास एवं मजबूती के लिए किया जाए।

कैम्पस एक्टिववियर ने सेबी से मांगी आईपीओ की मंजूरी

नई दिल्ली। स्पोर्ट्स और एथलेटिक फुटवियर कंपनी कैम्पस एक्टिववियर ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी से अनुमति मांगी है। सेबी के समक्ष दाखिल विवरण पुस्तिका के अनुसार, इस आईपीओ में पूरी तरह से कंपनी के प्रवर्तकों एवं वर्तमान शेयरधारकों के पास मौजूद 5.1 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस में बिक्री की पेशकश करने वालों में प्रवर्तक हरि कृष्ण अग्रवाल और निखिल अग्रवाल के अलावा टीपीजी ग्रोथ एसएफ पीटीई लिमिटेड और क्यूआरजी एंटरप्राइजेज लिमिटेड जैसे निवेशक शामिल हैं।

भारत ने चीन के पांच उत्पादों पर पांच वर्ष के लिए डम्पिंग-रोधी शुल्क लगाया

नई दिल्ली। चीन से सस्ते सामान के आयात के कारण स्थानीय विनिर्माताओं को संभावित नुकसान से बचाने के लिए भारत ने पांच उत्पादों के आयात पर पांच वर्ष के लिए डम्पिंग-रोधी शुल्क लगाया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की तरफ से जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के मुताबिक डम्पिंग-रोधी शुल्क एल्युमिनियम के कुछ उत्पादों, सोडियम हाइड्रोसल्फाइट, सिलिकॉन सीलैंट, हाइड्रोफ्लोरोकार्बन के घटक आर-32 और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन ब्लैंड्स पर लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की अन्वेषण इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों के बाद ए शुल्क लगाए गए हैं। डीजीटीआर ने अलग-अलग जांचों में यह निष्कर्ष निकाला कि चीन से इन उत्पादों का भारतीय बाजारों को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया जाता है जिसकी वजह से सस्ते माल को खपाने की गतिविधि डम्पिंग होती है। डीजीटीआर ने कहा कि सस्ते माल की डम्पिंग की वजह से घरेलू उद्योग को नुकसान उठाना पड़ता है।

एयरटेल पैमेंट्स बैंक का सितंबर तिमाही में एक अरब से अधिक लेनदेन

नई दिल्ली। भुगतान बैंक के रूप में एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 2021-22 की सितंबर तिमाही में एक अरब लेनदेन का मुकाम पार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि ग्राहकों के बीच डिजिटल भुगतान को अधिक प्राथमिकता दिए जाने से एयरटेल पैमेंट्स बैंक के लेनदेन में भी इजाफा हुआ है। कंपनी ने प्रति तिमाही एक अरब लेनदेन का मुकाम पार कर लिया है। यह बैंक के डिजिटल फर्स्ट मॉडल और 5,00,000 से अधिक बैंकिंग पॉइंट के वितरण के जरिए हुई वृद्धि का नतीजा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रत्एक तिमाही में लेनदेन में 61 फीसदी की वृद्धि हुई है। बैंक अपने डिजिटल बैंकिंग समाधान के तहत उपभोक्ताओं को वीडियो केवाईसी के माध्यम से पांच मिनट के भीतर बैंक खाता खोलने की सुविधा देता है। इस भुगतान बैंक के देश भर में 11.5 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं।

वीवर्क इंडिया का राजस्व 33 प्रतिशत बढ़ा, अगले साल 20,000 से अधिक डेस्क जोड़ने की योजना

नई दिल्ली। कार्यस्थल की सुविधा प्रदान करने वाली कंपनी वीवर्क इंडिया का राजस्व इस वर्ष 33 प्रतिशत बढ़कर 800 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और अनुकूलित कार्यस्थल की बेहतर मांग के कारण उसे 2022 में भी बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है। वीवर्क इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) करण वीरवानी ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कार्यस्थल से संबंधित सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी को वन-स्टॉप शॉप बनाने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी वर्ष 2022 में लगभग 20,000 डेस्क की क्षमता के साथ अपने पोर्टफोलियो में और 10 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का विस्तार करेगी। वीवर्क फिलहाल 64,000 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ 36 स्थानों पर 50 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का संचालन करती है। वर्तमान में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु सहित छह प्रमुख शहरों में कंपनी की उपस्थिति है। वीरवानी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद लचीले कार्यस्थल खंड में सुधार बहुत मजबूत रहा है।

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 4.43 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने रविवार को कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 25 दिसंबर तक 4.43 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इसमें 25 दिसंबर को दाखिल किए गए 11.68 लाख से अधिक आयकर रिटर्न भी शामिल है। आयकर विभाग ने एक ट्वीट में कहा कि दाखिल किए गए कुल रिटर्न में 2.41 करोड़ से अधिक आईटीआर-1 और लगभग 1.09 करोड़ आईटीआर-4 है। ए रिटर्न वित्त वर्ष 2020-21 (आकलन वर्ष 2021-22) के लिए दाखिल किए गए है। ट्वीट में कहा गया, 25 दिसंबर 2021 तक कुल 4,43,17,697 आईटीआर दाखिल किए गए है, जिसमें 11,68,027 आईटीआर उसी दिन दाखिल किए गए। विभाग ने एसएमएस और ईमेल भेजकर करदाताओं को समय से अपना रिटर्न दाखिल करने की याद दिलाई है। व्यक्तिगत आईटीआर दाखिल करने की बढ़ाई गई समयसीमा 31 दिसंबर को खत्म हो रही है।

स्नैपडील ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। स्नैपडील लिमिटेड वित्तीय वर्ष 2020 के राजस्व के मामले में भारत के सबसे बड़े प्योर,प्ले वैल्यू ईकामर्स प्लेटफॉर्म ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया। ऑफर में कुल 1,250 करोड़ रु तक का फ्रेश इश्यू और 30,769,600 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। स्नैपडील ने 1250 करोड़ रु की शुद्ध आय का उपयोग उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव दिया है। ऑर्गेनिक ग्रोथ की फंडिंग के लिए पहलें रु 900 करोड़ और 2 [सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य सामूहिक रूप से यहां उद्देश्यों के रूप में संदर्भित अपने डीआरएचपी में,स्नैपडील का कहना है कि यह वित्तीय वर्ष 2020 के लिए राजस्व के मामले में भारत का सबसे बड़ा प्योर,प्ले वैल्यू ईकामर्स प्लेटफॉर्म है।

पेज एक का शेष

कृषि कानून...

हुए कहा कि देश के कृषि मंत्री ने किसानों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि अगर मोदी सरकार कोई किसान विरोधी कदम उठाती है तो विरोध फिर से शुरू हो जाएगा। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी आरएस सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी को हमेशा से प्रधानमंत्री की मंशा पर शक था।

नरोत्तम मिश्रा...

को बदल रहे हैं। इसमें आगे कहा गया है, अगले 3 दिनों में सभी प्लेटफार्मों पर पुराने गाने की जगह नया गाना डाल दिया जाएगा। सारेगामा ने 22 दिसंबर को अपने यूट्यूब चैनल पर यह गाना डाला था। मधुबन में राधिका नाचे पर सनी लियोनी द्वारा कथित अश्लील डांस के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने संवाददाताओं से भोपाल में कहा, कुछ विधर्मी लगातार हिंदू भावनाओं को आहत कर रहे हैं। राधा मां हमारी भगवान हैं। अलग से इस देश में राधा के मंदिर हैं। मां राधा की पूजा होती है। ये शाकिब तोशी ऐसा एकाध गीत अपने धर्म पर बना सकते हैं क्या? हमारे धर्म की आस्था एवं हमारे धर्म पर चोट जरूर पहुंचाते हैं। उन्होंने आगे कहा, इनका गाना मधुबन में राधिका नाचे रे ऐसा ही कुत्सित प्रयास है। मैं सनी लियोनी व शाकिब तोशी को हिदायत दे रहा हूं कि समझें और संभलें। मिश्रा ने बताया, मैं विधि विशेषज्ञों से राय लूंगा। अगर तीन दिन में दोनों ने माफी मांगकर गाना नहीं हटाया तो हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। शनिवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा में पुजारियों ने आरोप लगाया था कि बॉलीवुड अभिनेत्री लियोनी मधुबन में राधिका नाचे रे गाने पर अश्लील डांस कर उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत कर रही है और इस वीडियो एलबम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।

मैं 24...

मांग करने वाले 23 कांग्रेसी नेताओं में शामिल आजाद ने कहा कि वह पार्टी से नाराज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विभाजन करने वाले दलों को केवल विभाजन दिखाई देता है। हम लोगों को जोड़ रहे हैं। हम एकता (पार्टी रैंकों में) बना रहे हैं क्योंकि हम एकीकरण के लिए जीते हैं। सुधारों के उनके आह्वान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हर पार्टी, हर समाज और देश में सुधार की जरूरत होती है। उन्होंने कहाकि सुधार एक सतत प्रक्रिया है और हर पार्टी में जरूरी है...अतीत की कई बुराइयां आज समाज में सुधारों के कारण समाप्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज में व्याप्त साम्प्रदायिकता और जातिवाद को भी जोड़ने की जरूरत है। आजाद ने कहा कि सुधार एक सतत प्रक्रिया है, एक गतिशील प्रक्रिया है जो पूरी दुनिया में जारी है। श्रीनगर में सेना के एक अधिकारी द्वारा उजागर किए गए सफेद आतंकवाद पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनका इससे क्या मतलब है। उन्होंने कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि राजनेताओं को लोगों के कल्याण के लिए सही काम करना चाहिए था, लेकिन कभी-कभी उन्होंने लोगों को बांटकर शैतान का काम किया। हमें इससे बचना चाहिए। परिसीमन प्रक्रिया के बाद होने वाले अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर आजाद ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोग ही सर्वोपरि होते हैं और किसी भी पार्टी की हार और जीत उनके हाथ में होती है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण जम्मू-कश्मीर के लोग भारतीय जनता पार्टी से नाराज हैं।

कठुआ दुष्कर्म...

के देखरेख करने वाले संजी राम को, विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) दीपक खजुरिया और अन्य व्यक्ति परवेश कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जबकि तीन पुलिस कर्मियों दत्ता, राज और एसपीओ सुरिंदर कुमार को सबूतों को नष्ट करने का दोषी करार देते हुए पांच-पांच साल कारावास की सजा सुनाई। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में दत्ता और राज की बची हुई सजा फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई पूरी होने तक निलंबित रखने का आदेश दिया।

कांग्रेस का...

कि 26 दिसंबर को होने वाली लड़की हूं लड़ सकती हूं मैराथन दौड़ प्रतियोगिता पर योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा रोक लगाना भाजपा की महिला विरोधी सोच और लोकतंत्र में दोहरे मापदंड को प्रदर्शित करता है।

कोविड-19 प्रभावः पिछले डेढ़ साल में बैंकों का शिक्षा ऋण बकाया 3% घटा

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी से प्रभावित पिछले डेढ़ वर्ष में बैंकों के शिक्षा ऋण बकाए में 3.17 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़े के अनुसार मार्च 2020 में शिक्षा ऋण 65,684 करोड़ रुपए था, जो अक्टूबर 2021 में घटकर 63,601 करोड़ रुपए पर आ गया। एक तरफ जहां शिक्षा ऋण बकाया घटा वहीं दूसरी तरफ इस मद में कर्ज लौटाने में चूक की दर भी बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर 2019 में बैंकों का शिक्षा ऋण बकाया 67,323 करोड़ रुपए था जो मार्च 2020 में घटकर 65,684 करोड़ रुपए तथा अक्टूबर 2021 में और कम होकर 63,601 करोड़ रूपया पर आ गया।

इस प्रकार से, पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान बैंकों का शिक्षा ऋण के बकाए में 3.17 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह अवधि कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित रही है।इस बारे में शिक्षाविद प्रोफेसर वी श्रीनिवास ने भाषा से कहा, कोविड महामारी के दौरान छात्रों के नए शिक्षा कर्ज लेने में कमी आई है। इसका कारण महामारी की वजह से विभिन्न प्रकार की पाबंदियों के कारण विदेशी और घरेलू स्तर पर उच्च और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले में कमी है...। शिक्षा कर्ज बकाया में कमी के साथ शिक्षा ऋण लौटाने में चूक की दर में लगातार वृद्धि भी हो रही है। संसद के बजट सत्र में एक प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, शिक्षा ऋण के संबंध में सरकारी बैंकों की गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) यानी फंसा कर्ज मार्च 2015 में 5.30 प्रतिशत थी जो मार्च 2020 में बढ़कर 7.70 प्रतिशत हो गई, हालांकि यह दिसंबर 2020 में घटकर 5.80 प्रतिशत पर आ गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, महंगी शिक्षा के चलते मेडिकल, इंजीनियरिंग, फार्मेसी और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में पढ़ाई कर रहे छात्रों के बीच शिक्षा ऋण की मांग सबसे अधिक है। बैंक से ऋण लेने वाले अधिकतर छात्र मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं।सरकारी आंकड़ों के अनुसार दक्षिण भारत के राज्यों में लिए गए शिक्षा ऋण लौटाने में चूक की दर सबसे अधिक है। दक्षिणी क्षेत्र में 2,64,669 खाते फंसे कर्ज की श्रेणी में आ गए हैं। दक्षिण राज्यों में तमिलनाडु में शिक्षा ऋण में से 3,490 करोड़ रुपए एनपीए हुए है। राज्य पर बकाया शिक्षा ऋणों में तमिलनाडु में 20.30 प्रतिशत और बिहार में 25.76 प्रतिशत एनपीए हो गए हैं। हालांकि, बिहार में निरपेक्ष रूप से शिक्षा ऋण तमिलनाडु से बहुत कम था। दक्षिणी क्षेत्र में 2,64,669 खाते एनपीए हो गए हैं।

अरीना एनीमेशन के 25 वर्ष पूर्ण

नई दिल्ली। मीडिया एवं एंटरटेनमेंट के क्षेत्र के अंदर गैर.औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम में वैश्विक पहचान बनाने वाले ट्रेंडसेटर अरीना एनीमेशन ने अब भारत में ट्रेनिंग, स्किल बिल्डिंग और शानदार करियर बनाते हुए अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। राष्ट्र द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाए जाने के साथ यह देख कर संतोष होता है कि घरेलू ब्रांड अरीना एनीमेशन ने भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद के कुल समय का लगभग एक तिहाई हिस्सा वैश्विक स्तर पर रोजगार एवं कौशल निर्माण की नींव रखने में खर्च किया है। करीब तीन दशकों से अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण कारोबार में देश के अग्रणी एप्टेक लिमिटेड घराने ने वर्ष 1996 में अपना मीडिया एवं एंटरटेनमेंट ब्रांड अरीना एनीमेशन स्थापित किया था। आज अरीना एनीमेशन के पास केंद्रों का एक व्यापक नेटवर्क मौजूद है, 18 से ज्यादा देशों में इसकी उपस्थिति है और दुनिया भर के 4,50, 000' से ज्यादा छात्रों को यह प्रशिक्षित कर चुका है।

राहुल का शतक, भारत के तीन विकेट पर 272 रन

भाषा। सेंचुरियन

लोकेश राहुल के शतक और मयंक अग्रवाल के साथ उनकी पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से भारत ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन तीन विकेट पर 272 रन बनाए।

राहुल ने 248 गेंद में 17 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 122 रन की पारी खेलने के अलावा अग्रवाल (123 गेंद में 60 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 117, कप्तान विराट कोहली (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 और अजिंक्य रहाणे (81 गेंद में नाबाद 40, आठ चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 73 रन की अटूट साझेदारी करके भारत का पलड़ा भारी रखा। राहुल की यह पारी दक्षिण अफ्रीका में पारी का आगाज करते हुए किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे सत्र में लुंगी एनगिडी (45 रन पर दो विकेट) ने लगातार गेंदों पर दो विकेट चटकाकर वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन अधिकांश समय मेजबान टीम के गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में नाकाम रहे। दक्षिण अफ्रीका को दिशाहीन गेंदबाजी का भी खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत ने पहले सत्र में 83 रन जोड़े जबकि एक भी विकेट नहीं गंवाया। दूसरे सत्र में एनगिडी ने अग्रवाल और चेतेश्वर पुजारा (00) को पवेलियन भेजकर मेजबान टीम को दोहरी सफलता दिलाई जिसमें भारत ने 74 रन जोड़े। अंतिम सत्र में भारत ने 115 रन जोड़कर एक विकेट गंवाया। तीसरे सत्र में भारत ने सकारात्मक शुरुआत की। कोहली ने स्पिनर केशव महाराज और कागिसो रबादा पर चौके जड़े। राहुल भी महाराज की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के साथ 90 रन पर पहुंचे।

कोहली इसके बाद एनगिडी की बाहर जाती गेंद पर तेज प्रहार करने की कोशिश में पहली स्लिप में वियान मुल्डर को कैच दे बैठे। इस तरह अच्छी लय में दिख रहे कोहली का शतक के लिए दो साल से भी अधिक समय से चला आ रहा इंतजार जारी रहा। उन्होंने 94 गेंद का सामना करते हुए चार चौके जड़े। खराब फॉर्म से जूझ रहे रहाणे ने बेहद सकारात्मक शुरुआत की। उन्होंने एनगिडी पर दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर जेनसन और महाराज की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। रहाणे ने मुल्डर पर भी दो चौके जड़े। राहुल ने महाराज पर चौके के साथ 219 गेंद में सातवां टेस्ट शतक पूरा किया।

दक्षिण अफ्रीका ने 80 ओवर के बाद दूसरी नई गेंद ली और रबादा के चौथे ओवर में राहुल एक बार फिर भाग्यशाली रहे जब उछाल लेती गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर गली में खड़े क्षेत्ररक्षक के बेहद करीब से चौके के लिए चली गई। राहुल और रहाणे ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका को दिन के बाकी बचे खेल के दौरान सफलता हासिल नहीं करने दी। लंच के बाद अर्धशतक पूरा करने वाले अग्रवाल को एनगिडी ने पगबाधा करके मेजबान टीम को पहली सफलता दिलाई। ऐसा लग रहा था कि लेग स्टंप से नहीं टकराएगी लेकिन डीआरएस लेने पर मैदानी अंपायर को फैसला बदलाव पड़ा। अग्रवाल ने 123 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके जड़े। वह और राहुल दक्षिण अफ्रीका में 21 मैचों में शतकीय साझेदारी करने वाली भारत की सिर्फ तीसरी सलामी जोड़ी है। पुजारा भी अगली गेंद पर पवेलियन लौट गए जब एनगिडी की अंदर आती गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर बल्लेबाज के शरीर से टकराने के बाद हवा में उछली और शॉर्ट लेग पर कीगन पीटरसन ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। राहुल ने इसके बाद एनगिडी पर कवर ड्राइव से चौके के साथ 127 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। कोहली ने एनगिडी की गेंद पर खाता खोलने के बाद पदार्पण कर रहे मार्को जेनसन और महाराज पर चौके जड़े। राहुल इस बीच भाग्यशाली भी रहे जब तेज गेंदबाज वियान मुल्डर की गेंद को हवा में लहरा गए लेकिन जेनसन उनका मुश्किल कैच नहीं लपक पाए।

सुबह कोहली ने पिच पर घास होने के बावजूद टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का साहसिक फैसला किया। पिच के समय बीतने के साथ तेज होने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने अनुकूल हालात में सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी नहीं की जिसका फायदा दोनों बल्लेबाजों ने उठाया। अग्रवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला की अच्छी फॉर्म को सुपरस्पोर्ट पार्क में भी जारी रखा जबकि राहुल ने वही रणनीति अपनाई जिसने उन्हें इंग्लैंड में सफलता दिलाई थी। राहुल ने शुरू में सतर्क रवैया अपनाया जबकि अग्रवाल ने विरोधी तेज गेंदबाजों की ढीली गेंदों को सबक सिखाने में कोई कोताही नहीं बरती। अग्रवाल ने एनगिडी पर प्वाइंट क्षेत्र में पारी का पहला चौका जड़ा। राहुल ने खाता खोलने के लिए 21 गेंद का सामना किया। अग्रवाल ने जेनसन के पहले ओवर में ही तीन चौके जड़े। इस छह फीट आठ इंच लंबे गेंदबाज की टेस्ट क्रिकेट में पहली गेंद फुलटॉस थी जिस पर अग्रवाल ने कवर प्वाइंट पर चौका जड़ा और फिर फ्लिक से भी चौके बटोरे। दक्षिण अफ्रीका को 18वें ओवर में मौका मिला लेकिन जेनसन की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने अग्रवाल का मुश्किल कैच टपका दिया। इस समय अग्रवाल 36 रन बनाकर खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका ने फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज डुआने ओलिवर को अंतिम एकादश में मौका नहीं दिया जबकि भारत ने खराब फॉर्म से जूझ रहे अजिंक्य रहाणे को हनुमा विहारी और श्रेयस अय्यर पर तरजीह दी।

सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रमण के कारण पहले दो टेस्ट में भारत का पलड़ा भारीः बाकर

भाषा। सेंचुरियन

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और प्रशासक अली बाकर का मानना है कि भारत के पास पिछले 30 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रमण है और इसलिए वह तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। दक्षिण अफ्रीका उन कुछ स्थानों में से एक है जहां भारत ने अभी तक टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम इस बार यह इंतजार समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाकर ने कहा, पहला टेस्ट मैच सेंचुरियन में खेला जाएगा जो समुद्र तल से 5000 फुट ऊपर और दूसरा मैच जोहानिसबर्ग के वांडरर्स में खेला जाएगा जो समुद्र तल से 6000 फुट ऊपर है। उन्होंने कहा, इन दो टेस्ट मैदानों की अलग तरह की भौगोलिक परिस्थितियां तथा वांडरर्स और सुपर स्पोर्ट पार्क में तेज उछाल वाली पिचें आमतौर पर तेज गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं। बाकर ने कहा, भारतीय टीम के पास पिछले 30 वर्षों में सबसे अच्छा तेज गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए भारत पहले दो टेस्ट मैचों में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और उमेश यादव शामिल हैं।

आस्ट्रेलिया का एशेज में दबदबा बरकरार इंग्लैंड को 185 रन पर समेटा

एपी। मेलबर्न

कप्तान पैट कमिन्स और स्पिनर नाथन लियोन के तीन तीन विकेट की मदद से आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीसरे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन रविवार को यहां पहली पारी में 185 रन पर समेट दिया। आस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में पहले दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 61 रन बनाए हैं और वह इंग्लैंड से 124 रन पीछे है।

डेविड वार्नर (38) विश्वसनीय शुरुआत के बाद दिन के अंतिम क्षणों में पवेलियन लौटे। जेम्स एंडरसन (14 रन देकर एक) की गेंद पर जॉक क्राली ने गली में उनका नीचे रहता हुआ कैच लिया। स्टंप उखड़ने के समय दूसरे सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस 20 रन पर खेल रहे थे जबकि नाइटवाचमैन लियोन को अभी खाता खोलना है। इससे पहले कमिन्स (36 रन देकर तीन) ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करके इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को झकझोरा जबकि स्पिनर लियोन (36 रन देकर तीन) ने निचले क्रम को समेटा। मिशेल स्टार्क ने 54 रन देकर दो विकेट लिए जबकि कैमरन ग्रीन और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे स्कॉट बोलैंड को एक एक विकेट मिला।

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लंच तक उसने तीन विकेट पर 61 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में भी तीन विकेट गंवाए जिसमें कप्तान जो रूट (50) और खतरनाक बेन स्टोक्स (25) के विकेट भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया ने तीसरे सत्र में उसके बाकी बचे चार विकेट लेकर अपना दबदबा बरकरार रखा। बारिश के कारण खेल आधा घंटा देर से शुरू हुआ। कमिन्स ने दूसरे ओवर में हसीब हमीद (शून्य) को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद कमिन्स ने आठवें ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज क्राली (12) को गली में कैच कराकर स्कोर दो विकेट पर 13 रन कर दिया। डाविड मलान (14) ने कप्तान जो रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़े। कमिन्स ने लंच से पहले के आखिरी ओवर में मलान को पहली स्लिप में वार्नर के हाथों कैच कराया। विश्व में दूसरे नंबर के बल्लेबाज रूट ने 76 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके तुरंत बाद स्टार्क की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर कैरी को कैच दे बैठे जिससे स्कोर चार विकेट पर 82 रन हो गया। रूट यदि इंग्लैंड की दूसरी पारी में 109 रन बना लेते हैं तो वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी यह रिकार्ड पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के नाम पर है जिन्होंने 2006 में 1788 रन बनाए थे। रूट के वर्ष 2021 में कुल रन की संख्या 1680 हो गई और वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बन गए हैं। रूट ने दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (2008 में 1656 रन) के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। स्टोक्स ने आक्रामक रवैया अपनाने की कोशिश की लेकिन ग्रीन की गेंद को कट करके उन्होंने गली में कैच दे दिया। जोस बटलर (तीन) ने चाय के विश्राम से पहले के आखिरी ओवर में लियोन की गेंद पर गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर डीप मिडविकेट पर कैच दिया। अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बोलैंड ने मार्क वुड (छह) को पगबाधा आउट करके अपना पहला विकेट लिया। जॉनी बेयरस्टॉ ने 35 रन बनाने के बाद स्टार्क की गेंद पर गली में कैच दिया। लियोन ने पुछल्ले बल्लेबाजों जैक लीच (13) और ओली रॉबिन्सन (22) को आउट किया। आस्ट्रेलिया पांच मैचों की श्रृंखला में अभी 2-0 से आगे चल रहा है।

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बने जो रूट

भाषा। मेलबर्न

इंग्लैंड के जो रूट आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट मैच के पहले दिन रविवार को यहां अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बन गए। रूट ने इंग्लैंड की पहली पारी में 50 रन बनाए जिससे वर्ष 2021 में कुल रन की संख्या 1680 पर पहुंच गई और वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले कप्तान बन गए हैं। रूट ने दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (2008 में 1656 रन) के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। आस्ट्रेलिया के माइकल क्लार्क (2012 में 1595 रन) इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। रूट यदि इंग्लैंड की दूसरी पारी में 109 रन बना लेते हैं तो वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी यह रिकार्ड पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के नाम पर है जिन्होंने 2006 में 1788 रन बनाए थे। इस सूची में रूट अभी यूसुफ और वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स (1976 में 1710) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। स्मिथ इस सूची में अब चौथे स्थान पर खिसक गए हैं।

हिमाचल के हजारे ट्राफी जीतने पर शास्त्री ने कहा, प्रेरणादाई कहानियों में से एक

भाषा। मुंबई

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने रविवार को पहली बार विजय हजारे ट्राफी जीतने वाली हिमाचल प्रदेश की टीम प्रशंसा करते हुए कहा, यह महान प्रेरणादाई कहानियों में से एक है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, हिमाचल जैसी टीम जैसा कि मैंने कहा कोई सुपरस्टार नहीं, लेकिन टूर्नामेंट जीत लेना, दिखाता है कि अगर आपका काम के प्रति समर्पण अच्छा है, आप विनम्र हैं, आप अहंकारी नहीं हैं और आप बतौर टीम खेल को सही भावना से खेलना चाहते हैं तो आप ऊंचाईयों को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए इस टूर्नामेंट में एक के बाद एक बड़ा उलटफेर करने के लिए उन्हें सलाम। पूर्व भारतीय आल राउंडर ने यहां मुंबई पुलिस जिमखाना में 74वें पुलिस शील्ड टूर्नामेंट में पुरस्कार वितरण समारोह के बाद ए बातें कहीं। हिमाचल प्रदेश ने रविवार को विजय हजारे ट्राफी के फाइनल में मजबूत तमिलनाडु को हराकर उलटफेर किया। भारतीय खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव ने पुलिस शील्ड के फाइनल में विजेता टीम पारसी जिमखाना के लिए 249 रन बनाए और जीत में अहम रहे। शास्त्री (59 वर्ष) के अनुसार सूर्यकुमार की यह पारी बड़े टूर्नामेंट में मदद करेगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे अच्छी चीज मुंबई के सीनियर खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया। शास्त्री ने कहा, सूर्यकुमार यादव (जो अब भारतीय टीम में हैं) सीनियर खिलाड़ी है और ए खिलाड़ी इन टूर्नामेंट में खेल रहे हैं जिससे ड्रेसिंग रूम में अन्य खिलाड़ियों को उनके जैसा करने का आत्मविश्वास मिलता है। उन्होंने कहा, जब मैं कभी कभार स्कोर शीट देखता हूं कि पुडुचेरी ने मुंबई को दो बार हराया क्योंकि वह सामान्य टीम नहीं है, कोई भी टीम किसी भी दिन किसी भी टीम को हरा सकती है लेकिन इससे पता चलता है कि कहीं कोई समस्या है। शास्त्री ने कहा, जब आप हिमाचल जैसी टीम को फाइनल में पहुंचते देखते हो जिसमें कोई बड़े नाम नहीं है और मुंबई की टीम आगे नहीं जा पाती जो पिछले कुछ समय से हो रहा है तो आप सवाल पूछना शुरू कर देते हो।

धवन और अरोड़ा के शानदार खेल से हिमाचल प्रदेश बना विजय हजारे ट्रॉफी चैम्पियन

भाषा। जयपुर

कप्तान ऋषि धवन के हरफनमौला खेल और मैन ऑफ द मैच सलामी बल्लेबाज शुभम अरोड़ा (136) की नाबाद शतकीय पारी से हिमाचल प्रदेश ने विजय हजारे ट्रॉफी राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट के खराब रोशनी से प्रभावित फाइनल में रविवार को यहां तमिलनाडु को वीजेडी प्रणाली से 11 रन से हराकर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया।

तमिलनाडु ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की 116 रन की पारी के दम पर 314 रन (49.4 ओवर में ऑल आउट) बनाए। खराब रोशनी के कारण मैच को रोके जाते समय हिमाचल ने 47.3 ओवर में चार विकेट के 299 रन बना लिए थे। वीजेडी प्रणाली से इस समय पांच बार के चैम्पियन तमिलनाडु का स्कोर 289 रन था। विकेटकीपर बल्लेबाज अरोड़ा ने 131 गेंद की नाबाद पारी के दौरान 13 चौके और एक छक्का जड़ा। जबकि शानदार लय में चल रहे धवन ने 23 गेंद की नाबाद पारी में 42 रन बनाए उन्होंने इस दौरान पांच चौके और एक छक्का लगाया। धवन ने गेंद से भी कमाल दिखाते हुए 10 ओवर में 62 रन देकर तीन विकेट लिए। हिमाचल प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसे उसके गेंदबाजों ने शुरुआती 14.3 ओवर में 40 रन पर चार विकेट लेकर सही साबित किया। इसके बाद कार्तिक और बाबा इंद्रजीत ने 202 रन की शानदार साझेदारी कर तमिलनाडु की मैच में शानदार वापसी कराई। कार्तिक ने 103 गेंद की पारी में आठ चौके और सात छक्के जड़े तो वही इंद्रजीत ने 71 गेंद की पारी में आठ चौके और एक छक्का की मदद से 80 रन बनाए। आखिरी ओवरों में शाहरुख खान ने एक बार फिर विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने 21 गेंद में तीन छक्के और इतने ही चौको की मदद से 42 रन बनाए तो वही कप्तान विजय शंकर ने 16 गेंद में 22 रन बनाए। हिमाचल प्रदेश के लिए पंकज जायसवाल ने 9.4 ओवर में 59 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अरोड़ा और प्रशांत चोपड़ा (21) ने पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी कर हिमाचल प्रदेश को अच्छी शुरुआत दिलाई। टीम ने हालांकि इसके बाद दिग्विजय रांगी (शून्य) और निखिल गंगटा (18) के विकेट जल्दी-जल्दी गवां दिए। लिस्ट ए क्रिकेट में पहला शतक जड़ने वाले अरोड़ा का साथ इसके बाद अमित कुमार ने शानदार तरीके से निभाया। दोनों की चौथे विकेट के लिए 148 रन की साझेदारी में अमित ने 74 रन का योगदान दिया। उन्होंने 79 गेंद की पारी में छह चौके लगाए।

नीलामी में 25 हजार डॉलर में बिका 2011 विश्व कप विजेता टीम के हस्ताक्षर वाला बल्ला

नई दिल्ली। भारत की 2011 की विश्व कप विजेता टीम के हस्ताक्षर वाला एक बल्ला दुबई में नीलामी में 25,000 डॉलर में बिका जबकि डेविड वार्नर की 2016 की आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) विजेता सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी के लिए 30,000 डॉलर की बोली लगाई गई। क्रिकफ्लिक्स द्वारा आयोजित इस नीलामी में जहां वार्नर की जर्सी के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई गई तो महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम के हस्ताक्षर वाले बल्ले के डिजिटल अधिकारों में भी लोगों ने दिलचस्पी दिखाई। धोनी ने अगुवाई में भारत ने 2011 में 28 वर्ष बाद वनडे विश्व कप जीता था। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के 200वें टेस्ट मैच के संग्रह का डिजीटल अधिकार मुंबई के रहने वाले अमल खान ने 40,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 30,01,410 रुपए) में हासिल किए। इस संग्रह में हस्ताक्षर वाली मैच जर्सी, विशेष स्मारक कवर और हस्ताक्षर वाला मैच टिकट आदि शामिल थे। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के लिए लता मंगेशकर के संगीत कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग को 21,000 डॉलर (15,75,740 रुपए) में खरीदा गया, जबकि बालासाहेब ठाकरे के कार्टून और 1952 में भारत के पहले पाकिस्तान दौरे के ऑटोग्राफ को 15,000 डॉलर (11,25,528 रुपए) में नीलाम किया गया।

PUBLIC NOTICE

My bag got missing on 20.09.21. Two share Certificates of V.I.P. Industries Ltd. were in the bag, the details of 2 certificates are- Name of the company - V.I.P. Industries Name of shareholder- Om Prakash Gulati Co. Registered Office-78A MIDC Estate Satpur, Nasik-422007 for 500 shares & 5th floor, DGP House, 88C old Prabha devi road, Mumbai, Maharastra-400025 For 165 Shares Folio No.- 0014689 & 0041500 Share Certificate No.-1100 & 3395 Distinctive no.-660511-661010 & 2571006-2571170 No. of shares-500 & 165 My Address-Om Prakash Gulati, B7, Gurunanak Pura, Modinagar, District Ghaziabad- 201204.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Hari Prasad Shah S/o. Ubin Shah, Cont. 9810305164, Email: mukeshvarma56@yahoo.com, R/o. H-No.66, DDA Flats, Dasghara (Toda Pur) Delhi, Allottee/ Purchaser of 66, Dasghara DDA Flats, Delhi has applied for the conversion of aforesaid property. The documents like Payment Receipts, Allotment Letter, Possession Letter, Site Possession Letter, Physical Possession Letter issued by DDA, of aforesaid property have been lost. An F.I.R to this effect has been lodged in police station on dated 14/12/2021. Any person(s) claiming any right, having any objection or found in possession of original document may write/contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice & can personally contact- Deputy Director LAB (H) Janta, D-block, 3rd floor, vikas Sadan, INA, New Delhi

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री कालू राम पुत्र श्री किशन लाल निवासी ग्राम मंगरौली, परगना दनकौर, तहसील व जिला-गौतमबुद्ध नगर उ०प्र० के वसीयतनामा के अधार पर आवासीय प्लाट नं० SH-095, (Area 156 Sq.mtr) सेक्टर-145, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उ०प्र० जो उप निबन्धक कार्यालय द्वितीय नोएडा, में बही नं० 3 जिल्द सं० 532 पेज नं० 53 से 62 पर दस्तावेज नं० 2217 दिनांक 01-11-2013 में पंजीकृत है। अतः उक्त प्लाट का नामान्तरण श्रीमती मनिषा अग्रवाल पत्नी श्री विवेक अग्रवाल निवासी E-102, पार्श्वनाथ मैजस्टिक वैभव खंड इन्द्रापुरम, शिपरा सन सिटी जिला गाजियाबाद उ०प्र० के पक्ष में स्थानांतिरत किया जा रहा है। अतः इस सूचना के द्वारा सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह पूरे सबूतों के साथ अपनी आपत्ति नोएडा विकास प्राधिकरण की आवासीय भूखण्ड विभाग में इस सूचना के जारी होने के 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति दाखिल करे।

श्रीमती मनीषा अग्रवाल

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं० 64/2021

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक, (इंजी०), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है :- **क्रम सं. 1 कार्य का विवरण :** जोन कार्य वर्ष (2021-22) के अंतर्गत इज्जतनगर मंडल के सहायक मंडल इंजी. /फतेहगढ़ के कार्य क्षेत्र में समपार सड़क, गेट लॉज आदि के रख-रखाव का कार्य। **अनुमानित लागत रूपयों में :** रू. 54,99,919.74, **बयाना राशि रूपयों में :** रू. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह। **क्रम सं. 2 कार्य का विवरण :** कल्यानपुर स्टेशन पर 04 युनिट टाईप-II आवास का प्रावधान (स्वीकृत कार्य के अंतर्गत कानपुर-कासगंज मथुरा अनुभाग में जर्जर एवं घटिया आवासों के स्थान पर 90 युनिट गैंग आवासों का प्रावधान। **अनुमानित लागत रूपयों में :** रू. 51,37,680.71, **बयाना राशि रूपयों में :** रू. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 05 माह। **क्रम सं. 3 कार्य का विवरण :** वमंइ/II/इज्जतनगर के कार्य क्षेत्र में एल.एच.एस. सं. 238 सहावर टाउन-बधारीकला अनुभाग में एवं एल.एच.एस सं. 280 सिकन्दराराव-रतिका नगला अनुभाग में आर.सी.सी. रीटेनिंग वॉल एवं कवर शेड को बढ़ानें का कार्य। **अनुमानित लागत रूपयों में :** रू. 1,80,73,711.20 बयाना राशि रूपयों में : रू. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 05 माह। **क्रम सं. 4 कार्य का विवरण :** इज्जतनगर डिवीजन में सी.से. इंजी/कार्य/कानपुर-अनवरगंज के कार्य क्षेत्र में समपार सं. 28 एवं समपार सं. 47 को कनेक्टिंग रोड द्वारा बंद करने का प्रावधान। (स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत कानपुर-अनवरगंज मथुरा अनुभाग में (8 नग) डाइवर्जन के द्वारा समपारों को बंद करने का प्रावधान)। **अनुमानित लागत रूपयों में :** रू. 1,38,63,281.83 बयाना राशि रूपयों में : रू. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 04 माह **क्रम सं. 5 कार्य का विवरण :** समंइ/लाइन/इज्जतनगर के अनुभाग में एल.एच.एस. पर कलर कोटेड ट्रेपजोएडल प्रोफाइल शीट को लगाने का कार्य। (लालकुआँ रहित से कासगंज रहित तक) (09 नग)। **अनुमानित लागत रूपयों में :** रू. 1,32,25,031.00 बयाना राशि रूपयों में : रू. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 05 माह ● ई-निविदा दिनांक 18.01.2022 को 15.00 बजे तक ऑन लाइन जमा कर सकेंगे। ● ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

मुजाधि/डब्ल्यू- 332

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. 09794845955 पर SMS करें।

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य और महिला टीम ने चौथा स्थान पाकर हॉकी में लौटाई देश की साख

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय हॉकी के लिए वर्ष 2021 यादगार रहा तथा टोक्यो ओलंपिक खेलों में पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने प्रेरणादायक प्रदर्शन कर इतिहास रचा जिसे युगों तक याद रखा जाएगा।

पुरुष टीम ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर पदक के चार दशकों के सूखे को खत्म किया तो वही महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल कर इस खेल में नई जान फूंक दी। कोरोना वायरस महामारी से उपजे हालात की बाधाओं और चुनौतियों को धता बताते हुए, भारतीय पुरुष टीम खेल में पदक के 41 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करके अपने गौरवशाली अतीत को फिर से याद किया और एक नई सुबह की शुरुआत की।

महिला टीम मामूली अंतर से ऐतिहासिक कांस्य पदक से चूक गई, लेकिन इन वैश्विक खेलों में उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रशंसकों को भावनात्मक रूप से टीम के साथ जोड़ा। खिलाड़ियों को 2020 में बेंगलुरु के साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में एक बायो-बबल में सीमित रहना पड़ा लेकिन वर्ष 2021 की शुरुआत उनके लिए अच्छी रही। भारतीय पुरुष टीम ने जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ चार मैचों के यूरोपीय दौरे पर कड़ा संघर्ष किया लेकिन यहां उसने दो जीत के और इतने ही ड्रा मैच खेले। भारत ने अर्जेंटीना दौरे पर अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए 2016 के ओलंपिक चैंपियन को दो बार हराया और चार अभ्यास मैचों में से दो मुकाबले ड्रॉ रहे। आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन टीम इसके बाद खिताब के दावेदार के तौर पर तोक्यो पहुंची जहां उसने पूल चरण के पांच में से चार मैच जीते। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में टीम ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को 3-। से हराया लेकिन सेमीफाइनल में उसे बेल्जियम के खिलाफ 2-5 की शिकस्त झेलनी पड़ी। कांस्य पदक के मैच में भारतीय टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 5-4 से शिकस्त दी। इस शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीयों ने एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) हॉकी स्टार पुरस्कार 2021 में सभी श्रेणियों में जीत हासिल की। इन पुरस्कारों में भारतीय टीम के दबदबे पर ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम ने निराशा जताई जिससे थोड़ा विवाद भी पैदा हो गया। हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ताज पहनाया गया। पीआर श्रीजेश साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने गए तो वही विवेक सागर प्रसाद ने लगातार दूसरी बार एफआईएच उदईमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड को एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ कोच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ओलंपिक गौरव ने हॉकी टीम के सभी सदस्यों के लिए राष्ट्रीय पहचान भी दिलाई। पीआर श्रीजेश और कप्तान मनप्रीत को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से नवाजा गया। कई अन्य खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया। भारत के लिए हालांकि साल का अंत थोड़ा दुखद रहा क्योंकि टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब की रक्षा करने में विफल रही। टीम ने हालांकि कांस्य पदक मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। महिला टीम ने भी तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद एफआईएच विश्व रैंकिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के भी एफआईएच हॉकी स्टार पुरस्कार 2021 में पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम ने ओलंपिक के अपने अभियान को तीन हार के साथ शुरू किया था लेकिन फिर वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टीम ने अंतिम आठ में बड़ा उलटफेर करते हुए खिताब की दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया। इस टीम को हालांकि इसके बाद किस्मत का साथ नहीं मिला।

नोबेल पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू का निधन

● द. अफ्रीका के रंगभेद संघर्ष के प्रतीक थे

भाषा। जोहानिसबर्ग

देश में नस्ली भेदभाव से लड़ने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करनेवाले दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद संघर्ष के प्रतीक आर्चबिशप डेसमंड टूटू का निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने घोषणा की कि टूटू का रविवार तड़के केपटाउन में निधन हो गया। वह नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करनेवाले अंतिम जीवित दक्षिण अफ्रीकी थे।

पूर्व में तपेदिक को मात दे चुके टूटू ने 1997 में प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी कराई थी। हाल के वर्षों में उन्हें अलग-अलग बीमारियों के चलते कई बार अस्पताल में भर्ती कराया गया। रामफोसा ने टूटू के परिवार और मित्रों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "हमें एक मुक्त दक्षिण अफ्रीका देने वाले आर्चबिशप एमेरिटस डेसमंड टूटू का निधन उत्कृष्ट दक्षिण अफ्रीकियों की पीढ़ी को हमारे देश की विदाई में शोक का एक और अध्याय है। उन्होंने कहा, डेसमंड टूटू बड़े देशभक्त थे। सिद्धांत और व्यावहारिकता के नेता जिन्होंने बाइबिल की अंतर्दृष्टि को अर्थ दिया कि कर्म के बिना धर्म मर जाता है।

रामफोसा ने कहा कि असाधारण बुद्धि, ईमानदारी और रंगभेद की ताकतों के खिलाफ एक अजेय व्यक्ति, वह उन लोगों के प्रति दयालु थे, जिन्होंने रंगभेद के तहत उत्पीड़न, अन्याय और हिंसा का सामना किया। राष्ट्रपति ने सत्य और सुलह आयोग में टूटू की भूमिका के लिए भी उनकी सराहना की, जहां रंगभेद के शिकार लोगों द्वारा सुरक्षाबलों के अमानवीय व्यवहार की बातें साझा किए जाने के दौरान वह भावुक हो जाते थे। वर्ष 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने टूटू को आयोग का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया था। रामाफोसा ने अपने बयान के अंत में कहा कि हम प्रार्थना करते हैं कि आर्चबिशप टूटू की आत्मा को शांति मिले लेकिन उनकी आत्मा हमारे देश के भविष्य के लिए प्रहरी बनकर खड़ी रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी टूटू के निधन पर शोक व्यक्त किया और श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह विश्व स्तर पर अनगिनत लोगों के लिए एक मार्गदर्शक थे और मानवीय गरिमा एवं समानता के लिए प्रति भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा।

मोदी ने कहा कि आर्चबिशप एमेरिटस डेसमंड टूटू दुनिया भर में अनगिनत लोगों के लिए एक मार्गदर्शक थे।

मानवीय गरिमा एवं समानता के प्रति उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा। मैं उनके निधन से बहुत दुखी हूं और उनके सभी प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। टूटू को 1984 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था।

उड़ानें रद्द होने से किरकिरा हुआ छुट्टियों का मजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने शनिवार को भी सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया। एयरलाइन्स ने इसके पीछे कोविड-19 के कारण स्टाफ की कमी को वजह बताया है।

उड़ानों की गतिविधि की निगरानी करने वाली वेबसाइट, फ्लाइटअवेयर, ने बताया कि शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। फ्लाइटअवेयर ने उड़ानों के रद्द होने का कारण स्पष्ट नहीं किया।

डेल्टा, यूनाइटेड और जेटब्लू सभी ने शुक्रवार को कहा था कि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं।

शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन में कोविड-19 मामलों में अचानक बढ़ोतरी

भाषा। बीजिंग

चीन में अगले साल फरवरी में आयोजित होने वाले बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले कोरोना वायरस के मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है। देश में कोविड-19 के 206 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 158 स्थानीय स्तर पर संक्रमण के मामले हैं। देश के स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि कोरोना वायरस के नए मामलों में से 157 मामले शानक्सी और एक मामला गुआंगशी प्रांत में सामने आया।

देश में 2022 में चार फरवरी से 20 फरवरी तक बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन होना है। इससे पहले मामलों में बढ़ोतरी ने चिंताएं पैदा कर दी हैं और अधिकारी संक्रमण को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं।

चीनी अधिकारियों ने ओमीक्रोन से संक्रमण के पहले मामले की जानकारी 13 दिसंबर को दी थी। यह मामला तियानजिन शहर में सामने आया था। इसके बाद देश में ओमीक्रोन संक्रमण के कई मामले सामने आए।

आयोग ने बताया कि चीन में संक्रमण के 2,011 उपचाराधीन मामले है, जिनमें से नौ की हालत गंभीर है।

पिछले 24 घंटे में संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई और 76 मरीजों को शनिवार को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। चीन में अभी तक संक्रमण के 1,01,077 मामले सामने आए हैं और 4,636 लोगों की इससे मौत हो चुकी है।

कोविड-19: ब्रिटेन के कुछ हिस्सों में कड़े प्रतिबंध लागू

लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड में रविवार से नए सख्त प्रतिबंध लागू हो गए। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनका मंत्रिमंडल सोमवार को विशेषज्ञों के साथ कोरोना वायरस संक्रमण पर समीक्षा बैठक कर सकता है, ताकि यह तय किया जा सके कि इंग्लैंड के लिए भी और प्रतिबंध लागू करने की आवश्यकता है या नहीं। यह क्षेत्र वर्तमान में प्लान बी उपायों के अंतर्गत है, जिसमें घर से काम करने, अनिवार्य रूप से मास्क पहनने और कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्र जरूरी किया गया है। इस बीच वेल्स में रविवार से नाइट क्लब बंद हो जाएंगे और पब, रेस्तरां तथा सिनेमाघरों में अधिकतम छह लोगों को अनुमति होगी। इंडोर कार्यक्रमों में अधिकतम 30 लोगों को अनुमति दी जाएगी, जबकि आउटडोर कार्यक्रमों में यह सीमा 50 है। स्कॉटलैंड में बड़े कार्यक्रमों में अब एक मीटर तक की भौतिक दूरी बनाकर रखने की आवश्यकता होगी। इंडोर कार्यक्रमों में उपस्थिति 100 लोगों तक सीमित होगी जबकि आउटडोर कार्यक्रमों के लिए यह सीमा 500 लोगों की है। सोमवार से, नाइट क्लब तीन सप्ताह के लिए बंद हो जाएंगे। उत्तरी आयरलैंड ने नाइट क्लब बंद कर दिए हैं। क्रिसमस और बॉक्सिंग डे सप्ताहांत में कोरोना वायरस के दैनिक आंकड़े नहीं बताए जा रहे हैं, लेकिन शुक्रवार को ब्रिटेन में 1,22,186 मामलों का एक और उच्च स्तर देखा गया।

मेयो हमा। इजरायल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स में पूरी कैबिनेट के साथ मौजूद इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट (दाएं से पांचवें)

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के महल के समीप हथियार के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

भाषा। लंदन

विंडसर कैसल में सुरक्षा उल्लंघन के बाद एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से हथियार बरामद किया गया है। इसी स्थान पर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय अपना क्रिसमस मना रही हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

कोविड-19 संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच नॉरफोक में सैंड्रिंघम एस्टेट में अपने पारंपरिक क्रिसमस समारोह को रद्द करने का निर्णय लेने के बाद, प्रिंस चार्ल्स और पत्नी कैमिला दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के बर्कशायर के विंडसर कैसल में 95 वर्षीय महारानी के साथ क्रिसमस का त्योहार मना रहे हैं। टेम्स वैली और मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने शनिवार की सुबह सुरक्षा उल्लंघन के मामले में साउथेम्प्टन से 19 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि शाही परिवार के सदस्यों को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। टेम्स वैली पुलिस अधीक्षक रेबेका मियर्स ने कहा, इस घटना के बाद जांच जारी है और हम मेट्रोपॉलिटन पुलिस के सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस व्यक्ति के पास से हथियार बरामद किया गया है और वह इस समय हिरासत में है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब सीसीटीवी की निगरानी कर रहे सुरक्षा नियंत्रकों ने एक व्यक्ति को जाते हुए देखा।

वेटिकन सिटी (रोम) में एक जनसभा को संबोधित करते पोप फ्रांसिस

अगर पश्चिम ने यूक्रेन मुद्दे पर गारंटी नहीं दी तो अन्य विकल्पों पर करेंगे विचार : पुतिन

एपी। मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि अगर पश्चिमी देश नाटो का विस्तार यूक्रेन तक नहीं करने की सुरक्षा गारंटी की उनकी मांग को पूरा नहीं करते हैं तो वह अन्य विकल्पों पर विचार करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में मॉस्को ने सुरक्षा दस्तावेज का मसौदा जमा किया था जिसमें मांग की गई थी कि नाटो यूक्रेन और पूर्व सोवियत संघ के देशों को सदस्यता देने से इनकार करे और मध्य एवं पूर्वी यूरोप में सैन्य तैनाती को वापस ले।

पुतिन ने आह्वान किया कि पश्चिम उनकी मांगों को जल्द पूरा करे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पश्चिमी देश हमारे देश के करीब आक्रामकता को जारी रखेंगे तो मॉस्को उचित सैन्य और प्रौद्योगिकीय कदम उठाएगा। रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल पर पुतिन के बयान का प्रसारण रविवार को किया गया। जब उनसे मॉस्को के संभावित कदम को बताने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, यह विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं। पुतिन ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि यह हमारे सैन्य विशेषज्ञों द्वारा मेरे समक्ष पेश किए गए प्रस्ताव पर आधारित होगा।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका और उसके सहयोगी रूस को यूक्रेन पर उस तरह की गारंटी देने से इनकार कर चुके हैं जैसा पुतिन चाहते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि अर्हता रखने वाले किसी भी देश के लिए नाटो की सदस्यता खुली है। हालांकि वे रूस की चिंताओं पर चर्चा के लिए उसके साथ अगले महीने वार्ता करने पर सहमत हुए हैं।

पुतिन ने कहा कि जिनेवा में अमेरिका के साथ वार्ता होगी। समानांतर वार्ता भी रूस और नाटो के साथ होगी और यूरोप में सुरक्षा और सहयोग के लिए बने इस संगठन के साथ विस्तृत मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है।

बाइडन ने सैन्यकर्मियों से वीडियो कॉल पर बात करके मनाया क्रिसमस का त्योहार

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में व्हाइट हाउस में क्रिसमस का अपना पहला त्योहार मनाते हुए जो बाइडन ने दुनियाभर में तैनात देश के सैन्य कर्मियों को वीडियो कॉल करके उन्हें शुभकामनाएं दीं और देश के प्रति उनकी सेवा एवं बलिदान के लिए कृतज्ञता प्रकट की।

बाइडन और उनकी पत्नी जिल ने शनिवार को वीडियो कॉल के जरिए कतर, रोमानिया, बहरीन एवं अमेरिका में तैनात आर्मी, मरीन कोर्प्स, नेवी, एयर फोर्स, स्पेस फोर्स, कोस्ट गार्ड के सैन्य प्रतिनिधियों से बात की।

उन्होंने सैन्य कर्मियों से कहा कि आपका कमांडर इन चीफ होने के नाते, मैं आपका अत्यंत धन्यवाद करना चाहता हूं। जो बाइडन और जिल बाइडन ने व्हाइट हाउस में परिवार के साथ अपेक्षाकृत सादे तरीके से क्रिसमस का त्योहार मनाया। राष्ट्रपति और प्रथम महिला ने शुक्रवार रात ईस्ट रूम में डिजिटल माध्यम से क्रिसमस की पूर्व संध्या पर होली ट्रिनिटी चर्च की प्रार्थना में भाग लिया।

मछुआरा समस्या, निवेश गतिरोध के 2021 में भारत-श्रीलंका संबंधों की हुई परीक्षा

भाषा। कोलंबो

भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों को 2021 में उस वक्त परीक्षा से गुजरना पड़ा, जब कोलंबो ने एकतरफा रूप से भारत और जापान के साथ गहरे समुद्र में कंटेनर बंदरगाह बनाने के लिए त्रिपक्षीय समझौता करने से इनकार कर दिया और भारतीय मछुआरों को लेकर घटनाएं बार-बार होने के साथ ही इस देश में चीन का प्रभाव बढ़ता दिखने लगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जनवरी की शुरुआत श्रीलंका की यात्रा के साथ की, और कहा था कि, मैं 2021 की शुरुआत कोलंबो की यात्रा के साथ कर रहा हूं, जो भारत का निकटतम समुद्री पड़ोसी और साझेदार है। श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने वाले जयशंकर ने यह भी कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि कोविड-19 महामारी भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय सहयोग को प्रभावित नहीं कर पाया लेकिन यात्रा से संबंधों में मिली सकारात्मक उर्जा जनवरी में चार भारतीय मछुआरों की मौत से प्रभावित हुई। मछुआरों के पोत और एक श्रीलंकाई नौसैन्य पोत के बीच टक्कर के बाद भारतीय मछुआरों की मौत हो गई थी।

दिसंबर में भारत ने श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा 18 से 20 दिसंबर तक तमिलनाडु के 68 मछुआरों को हिरासत में लिए जाने पर चिंता व्यक्त की और उनकी जल्द रिहाई का मुद्दा उठाया। मछुआरों का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक प्रमुख अड़चन बना हुआ है। कोविड महामारी के दौरान, भारत ने श्रीलंका की विशिष्ट और तत्काल चिकित्सा आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए अपने हवाई क्षेत्र को खुला रखा।

दुनिया भर के देशों को कोविड-19 टीके प्रदान करने के लिए भारत सरकार की वैक्सीन मैत्री मानवीय पहल के हिस्से के रूप में, भारत ने द्वीपीय राष्ट्र को कोविशील्ड टीके की पांच लाख खुराक उपहार में दी, जिससे उसे अपना राष्ट्रीय कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान शुरू करने में मदद मिली। इस बीच श्रीलंका में भारत की निवेश योजनाओं को बड़ा झटका देते हुए, राजपक्षे सरकार ने गहरे समुद्र में रणनीतिक कंटेनर बंदरगाह के निर्माण के लिए भारत और जापान के साथ त्रिपक्षीय समझौते से इनकार कर दिया।

श्रीलंका, जिसने 2019 में भारत और जापान के साथ कोलंबो बंदरगाह पर ईस्ट कंटेनर टर्मिनल (ईसीटी) विकसित करने पर सहमति व्यक्त की थी, ने इस सौदे को रद्द कर दिया और ईसीटी को श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी का पूर्ण स्वामित्व वाला कंटेनर टर्मिनल करार दिया। श्रीलंका को 2021 में,अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड, विशेष रूप से लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के साथ सशस्त्र संघर्ष के दौरान की घटनाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दबाव का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र ने 2009 में लिट्टे के साथ सशस्त्र संघर्ष के दौरान मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालती प्रक्रिया का आह्वान किया, वहीं भारत ने मार्च में जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में श्रीलंका के मानवाधिकारों के रिकॉर्ड पर एक महत्वपूर्ण वोट से परहेज किया। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने अक्टूबर में श्रीलंका का दौरा किया और श्रीलंका के नेतृत्व को आश्वासन दिया कि भारत द्विपक्षीय सामाजिक-आर्थिक जुड़ाव पर कोविड 19 प्रतिबंधों के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा और कोविड के बाद उभरने के प्रयासों में श्रीलंका सरकार के साथ खड़ा होगा। यह वर्ष राजनीति में नए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की व्यक्तिगत क्षमताओं की भी परीक्षा थी। हर गुजरता दिन राष्ट्रपति के लिए एक परीक्षा थी।

विवाह संबंध में आग्रह आभार और क्षमा को सदैव याद रखें: पोप फ्रांसिस

रोम। पोप फ्रांसिस ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते कुछ पारिवारिक परेशानियां बढ़ गई हैं, लेकिन विवाहित लोगों को विवाह के संबंध में तीन शब्दों आग्रह, आभार तथा क्षमा को सदैव याद रखना चाहिए। फ्रांसिस का विवाहित दंपतियों को लिखा एक पत्र रविवार को ईशु के परिवार की स्मृति में एक कैथोलिक उत्सव के दिन जारी हुआ।

पोप ने पत्र में लिखा कि लॉकडाउन और पृथकवास के चलते परिवारों को अधिक समय साथ बिताने का अवसर मिला था, लेकिन इस तरह जबरदस्ती साथ रहना कई बार माता-पिता और भाई-बहनों के धैर्य की परीक्षा लेता है और कुछ मामलों में परेशानियों का कारण बनता है।

फ्रांसिस ने पत्र में लिखा कि पहले से व्याप्त परेशानियां और बढ़ गई हैं, जिससे संघर्ष पैदा हो रहे हैं। कुछ मामलों में संघर्ष असहनीय हो जाते हैं। कई बार तो रिश्ते में अलगाव तक की नौबत आ जाती है। उन्होंने लिखा, विवाह का टूटना काफी दुखदाई होता है क्योंकि कई आशाएं दम तोड़ देती हैं।

पूर्व पति ने की थी पाकिस्तानी-अमेरिकी महिला की हत्या: पुलिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पुलिस ने दावा किया है कि संपत्ति विवाद को लेकर पाकिस्तानी-अमेरिकी महिला की हत्या उसके पूर्व पति ने ही की थी। पुलिस ने रविवार को कहा कि आगे की जांच के लिए महिला का शव रावलपिंडी लाया गया है।

पाकिस्तानी मूल की अमेरिकी नागरिक वजीहा स्वाति अक्टूबर मध्य में अपने पूर्व पति रिजवान हबीब के साथ कुछ मुद्दों का समाधान करने के लिए पाकिस्तान पहुंची थीं और इसके बाद से ही लापता थीं। रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख साजिद कियानी ने कहा कि हबीब को हत्या के शक में पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि चार दिन की पूछताछ के बाद आरोपी ने वजीहा की हत्या की बात शनिवार को स्वीकार की।

कियानी ने दावा किया कि आरोपी ने पुलिस को बताया है कि उसने वजीहा के पाकिस्तान पहुंचते ही उसकी हत्या कर दी थी।

म्यांमा में नरसंहार के बाद सेव द चिल्ड्रन के कर्मी लापता

एपी। बैंकॉक

अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता समूह सेव द चिल्ड्रन के दो सदस्य म्यांमा में हुए नरसंहार के बाद शनिवार को लापता हो गए हैं। म्यांमा सरकार के सैनिकों ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कुछ गांववालों को घेर लिया और 30 से अधिक लोगों को गोली मारी तथा शवों को जला दिया। एक प्रत्यक्षदर्शी और अन्य खबरों से यह जानकारी मिली है। पूर्वी मो सो गांव में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हुए इस नरसंहार के बाद की तस्वीरें देश में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है जिससे सेना के खिलाफ आक्रोश पैदा हो गया है। म्यांमा में सेना ने फरवरी में सत्ता संभाली थी।

तस्वीरों में तीन जले हुए वाहनों में 30 से अधिक लोगों के जले हुए शव देखे जा सकते हैं। घटनास्थल पर जाने का दावा करने वाले एक ग्रामीण ने बताया कि मो सो के पीछे स्थित कोइ नगन गांव के समीप सशस्त्र विद्रोही समूहों और म्यांमा सेना के बीच लड़ाई शुरू होने पर पीड़ित वहां से भाग गए थे। उसने बताया कि सैनिकों ने शरणार्थी शिविरों की ओर जाते समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया जिसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। छुट्टियों के लिए घर जा रहे उसके दो कर्मी घटना में फंस गए और वे लापता हो गए। उसने एक बयान में कहा, हमें यह पता है कि उनके निजी वाहन पर हमला किया गया और उसे जला दिया गया। सेना ने लोगों को उनकी कारों से बाहर निकलने के लिए मजबूर किया, कुछ को गिरफ्तार किया, कुछ को मार दिया और उनके शव जला दिए। सरकार ने अभी आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन एक सरकारी समाचार पत्र में शनिवार को बताया गया कि शुक्रवार को मो सो के समीप लड़ाई शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि शव इतनी बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान करना संभव नहीं है।

यूनान के पूर्व राष्ट्रपति पापौलियास का निधन

एपी। एथेंस

यूनान के पूर्व राष्ट्रपति कारोलोस पापौलियास का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। देश की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। पापौलियास के परिवार में उनकी पत्नी मारिया और तीन वयस्क बेटियां हैं।

लंबे समय तक समाजवादी सांसद और मंत्री रहे पापौलियास, सोशलिस्ट पासोक पार्टी के संस्थापक एंड्रियास पापंड्रेउ के करीबी और पापंड्रेउ के उत्तराधिकारी एवं उदारवादी आधुनिकतावादी नेता कोस्टास सिमिटिस के विरोधी थे। पापौलियास पहली बार 2005 में राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे और उन्हें 2010 में दोबारा चुना गया था। पापौलियास के पास नीतिगत फैसले के लिए बहुत कम अधिकार थे, लेकिन वह उन क्रमिक सरकारों को उखाड़ फेंकने के पक्ष में नहीं थे, जिन्हें उन्होंने पद की शपथ दिलाई थी।

तालिबान ने अफगानिस्तान के चुनाव आयोगों को भंग किया

एपी। इस्लामाबाद

तालिबान ने अफगानिस्तान के दो चुनाव आयोगों के साथ-साथ शांति और संसदीय मामलों के मंत्रालयों को भंग कर दिया है। तालिबान सरकार के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि देश के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग और चुनाव शिकायत आयोग को भंग कर दिया गया है।

करीमी ने अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति के लिए इन्हें गैर जरूरी संस्था बताया। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में आयोगों की जरूरत पड़ी तो तालिबान सरकार फिर से इन संस्थाओं का गठन कर सकती है। अफगानिस्तान के नए शासन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी मान्यता नहीं मिली है। ऐसी आशंकाएं हैं कि तालिबान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को दिए गए अपने आश्वासन के बावजूद 20 साल पहले की सत्ता के समय के कठोर कदमों को लागू कर सकता है।

इन दोनों चुनाव आयोगों के पास राष्ट्रपति, संसदीय और प्रांतीय परिषद चुनावों समेत देश में सभी तरह के चुनाव और उनकी निगरानी करने का अधिकार था। करीमी ने कहा कि तालिबान ने शांति मंत्रालय और संसदीय मामलों के मंत्रालय को भी भंग कर दिया है।

पूर्वी कांगो में रेस्तरां के बाहर बम फटा

बेनी। कांगो के पूर्वी शहर बेनी में क्रिसमस के दिन शनिवार को एक रेस्तरां के बाहर विस्फोट हुआ। माना जाता है कि शहर में इस्लामी चरमपंथी सक्रिय हैं। बेनी में हुए विस्फोट में तत्काल हताहतों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है।

लीबिया में तटों पर 27 प्रवासियों के शव मिले: रेड क्रिसेंट

एपी। काहिरा

पश्चिमी लीबिया में तटों पर यूरोप जाने वाले एक बच्चे और दो महिलाओं सहित 27 प्रवासियों के शव मिले है। देश के रेड क्रिसेंट ने यह जानकारी दी।

उसने कहा कि शव शनिवार देर रात तटीय शहर खोम्स में दो अलग-अलग स्थानों से मिले। तीन अन्य प्रवासियों को बचा लिया गया है और अन्य की तलाश की जा रही है। रेडक्रॉस के बराबर एक मुस्लिम संगठन, रेड क्रिसेंट ने भूमध्य सागर में तैरते शवों को दिखाने के लिए तस्वीरें पोस्ट कीं।

संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी के अनुसार इस साल मध्य भूमध्य मार्ग में कई नाव दुर्घटनाओं और जहाजों के मलबे में लगभग 1,500 प्रवासी डूब गए हैं।

इस महीने की शुरुआत में, उत्तरी अफ्रीकी देश से दो अलग-अलग जहाज दुर्घटनाओं में 160 से अधिक प्रवासी डूब गए। मानव तस्करों ने तेल समृद्ध राष्ट्र लीबिया में अराजकता से लाभ हुआ है और छह देशों के साथ देश की लंबी सीमा के माध्यम से प्रवासियों की तस्करी हुई है। वे प्रवासियों को खतरनाक भूमध्य सागर के माध्यम से जोखिम भरी यात्रा कराते हैं।

चीन ने कैमरे से लैस उपग्रह का प्रक्षेपण किया

बीजिंग। चीन ने रविवार को एक कैमरे के साथ एक ऐसे नए उपग्रह का प्रक्षेपण किया जो पांच मीटर के रिजॉल्यूशन के साथ जमीन की तस्वीरें ले सकता है। देश के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने यह जानकारी दी।

जियुआन-1 02ई या पांच मीटर ऑप्टिकल उपग्रह 02 नामक उपग्रह को उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में ताइयुआन उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से एक लॉन्ग मार्च -4सी रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया।

प्रशांत शाह का कहना है कि छोटे शहरों और कस्बों में कई प्रथम बीमा खरीदारों के लिए, बीमा प्रीमियम उनकी मासिक बचत का एक बड़ा हिस्सा हो सकता है, लेकिन बीमा की भौतिक प्रतियों की कमी उनके दावों को जोखिम में डाल सकती है

अनिश्चितताओं को रोकें

कोविड-19 महामारी ने बीमा कंपनियों को डिजिटल होने के लिए मजबूर कर दिया है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि यह 2020 तक बिना किसी इंटरनेट के देश में लगभग 50 प्रतिशत आबादी के साथ बीमा जाल को विस्तारित करने में सहायता प्रदान करे। संयोग से, कई बीमा कंपनियों ने पॉलिसी-धारकों को भौतिक प्रमाण पत्र जारी करना पूरी तरह से बंद कर दिया है, जिससे न केवल बीमाधारकों के बीच विश्वास की कमी पैदा हुई, बल्कि साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप पहचान की चोरी और हैकिंग तथा पॉलिसी के नियमों और शर्तों की बेहतर समझदारी बनी है।

वर्तमान में, भारत में बीमा की पैठ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.2 प्रतिशत है, जबकि विश्व औसत 7.4 प्रतिशत है। भारत का बीमा घनत्व, जिसकी गणना जनसंख्या के बीमा प्रीमियम के अनुपात के रूप में की जाती है, 2020 में 78 डॉलर था, जो चीन के 455 डॉलर और थाईलैंड के लिए 383 डॉलर से बहुत कम है। वास्तव में, वैश्विक औसत 809 है।

यह बीमा बाजार के लिए भारत की अप्रयुक्त क्षमता को दर्शाता है। लेकिन, लोगों को अपनी बचत को बीमा उत्पादों में समेटने के लिए विश्वास की आवश्यकता होती है। इसलिए, बीमित व्यक्ति के हितों की रक्षा करना महत्वपूर्ण हो जाता है। छोटे शहरों व कस्बों में कई प्रथम बीमा खरीदारों के लिए, बीमा प्रीमियम उनकी मासिक बचत का एक बड़ा हिस्सा हो सकता है, लेकिन बीमा की भौतिक प्रतियों की कमी उनके दावों को जोखिम में डाल सकती है, उदाहरणों से पता चलता है कि दावों की प्रक्रिया काफी हद तक कागज आधारित रहती है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण भारत में, नीति दस्तावेजों का प्रिंटआउट लेना चुनौतीपूर्ण बना देता है। यहां तक कि मेट्रो शहरों के पॉलिसीधारक भी दावा प्रक्रिया से जुड़ी अनिश्चितता को रोकने के लिए बीमा प्रमाण-पत्र की एक भौतिक प्रति रखने में सुरक्षित महसूस करते हैं, ऐसा हाल ही में एक सर्वेक्षण से पता चला है।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (ई-बीमा नीतियां जारी करना) विनियम, 2016 के विनियम 4 के अनुसार, बीमाकर्ता को पॉलिसीधारकों को भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों प्रकार के बीमा प्रमाणपत्र जारी करने होते हैं। हालांकि, कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, आईआरडीएआई एक अंतरिम उपाय के रूप में बीमाकर्ताओं को केवल इलेक्ट्रॉनिक पॉलिसी दस्तावेज जारी करने की अनुमति देता है और उन्हें दो एक्सटेंशन के बाद 31 मार्च, 2022 तक भौतिक रूप में बीमा पॉलिसियों को भेजने की आवश्यकता से छूट देता है।

खरीदारों के हित को प्राथमिकता देते हुए, भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह के पॉलिसी दस्तावेज जारी करने के आदेश को बहाल करना उचित हो जाता है।

बीमाधारक को क्लेम सेटलमेंट को लेकर चिंता परेशान करती रहती है।

बीमा कंपनियों ने पॉलिसी धारकों को भौतिक प्रमाण पत्र जारी करना पूरी तरह से बंद कर दिया है, जिससे न केवल बीमाधारकों के बीच विश्वास की कमी पैदा हुई, बल्कि साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ गया

उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई तक, लगभग 27,000 करोड़ के कुल दर्ज किए गए दावों में से 16,000 करोड़ के दावों का निपटान किया गया था, जिसमें निपटान की राशि 55 प्रतिशत से 65 प्रतिशत के बीच थी।

इससे पॉलिसी के नियमों व शर्तों को कागज पर रखना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। सबसे पहले, यह बीमाधारक के लिए इसे सुलभ बनाता है। दूसरा, पॉलिसी धारक की मृत्यु के मामले में हार्ड कॉपी माता-पिता या बच्चों के भविष्य के लिए प्रमाण के रूप में भी काम करती है। तीसरा, केवल-डिजिटल प्रतियां ऐसे समय में जोखिम भरी होती हैं जब साइबर हमले आम हैं। इसके अलावा, अगर खरीदारों का इनबॉक्स क्रैश हो जाता है या हैक हो जाता है, तो भौतिक प्रतियां बचाव में आती हैं।

बीमा पॉलिसी बीमा कंपनी और बीमित व्यक्ति के बीच एक अनुबंध है और इसमें बीमा कवर के महत्वपूर्ण विवरण, लाभ, नियम और शर्तें, यदि आवश्यक हो तो दावा दायर करने की प्रक्रिया और बीमाकर्ता के संपर्क विवरण शामिल होते हैं। इसलिए, भौतिक प्रतियां खरीदारों के लिए खंड, नियम और शर्तों को अधिक स्पष्ट रूप से पढ़ना आसान बनाती हैं। ऑनलाइन नियमों व शर्तों (टी एंड सी) के अंबार को पढ़ना संभव नहीं है।

फरवरी 2021 तक पहली कोविड लहर में, बीमा कंपनियों ने 13,000 करोड़ के दावों की सूचना दी, जिनमें से 7000 के दावों का निपटान किया गया। दूसरी लहर में, फरवरी और जुलाई के बीच, 14,000 करोड़ के कुल स्वास्थ्य बीमा दावों में से, केवल 9,000 करोड़ के दावों का निपटान किया गया था।

यहां तक, जैसा कि कई बीमा कंपनियों ने या तो बीमा पॉलिसियों की भौतिक प्रतियों को पूरी तरह से त्यागकर या इसे वैकल्पिक बनाकर 'गो ग्रीन' का फैसला किया, यहां तक कि महामारी से पहले भी, पॉलिसीधारकों का मानना है कि वही बीमा कंपनियां पॉलिसी राशि का दावा करते समय उनसे एक भौतिक प्रति मांगती हैं। कंपनियां न केवल बीमा पॉलिसी की भौतिक प्रति बल्कि अन्य संबंधित दस्तावेजों की भी मांग करती हैं।

बॉम्बे मास्टर प्रिंटर्स एसोसिएशन (बीएमपीए) के एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि 80 प्रतिशत से अधिक बीमा खरीदार अपने पॉलिसी दस्तावेज की एक भौतिक प्रति पसंद करते हैं। 10 में से लगभग आठ प्रतिभागियों ने महसूस किया कि दावे या आपात स्थिति के दौरान, बीमा कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी की एक हार्ड कॉपी बेहतर होगी। लगभग 79 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि दावे या आपात स्थिति के दौरान (या अपने परिवार के सदस्यों के भीतर पॉलिसी साझा करने के लिए), बीमा कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी की एक हार्ड कॉपी बेहतर होगी।

संयोग से, सर्वेक्षण में भाग लेने वालों में से 56 प्रतिशत 18-40 वर्ष के आयु वर्ग में आते हैं,जो यह सुझाव देता है कि छोटे पॉलिसीधारक भी भौतिक प्रतियों को पसंद करते हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वालों में से लगभग 73 प्रतिशत का मानना था कि रिकॉर्ड के लिए दस्तावेज की एक भौतिक प्रति रखना बेहतर है, खासकर जीवन और स्वास्थ्य बीमा के मामले में।

वित्त वर्ष 22 की पहली छमाही में, जीवन बीमा उद्योग ने पिछले वर्ष की समान अवधि में 0.8 प्रतिशत की तुलना में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की। हालांकि विकास क्षमता बहुत बड़ी है, मगर बीमा क्षेत्र के लिए यह अनिवार्य है कि पॉलिसीधारक अपने निवेश के बारे में सुरक्षित महसूस करें। यही एकमात्र तरीका है जिससे देश में बीमा पैठ और बीमा घनत्व बढ़ सकता है।

– लेखक बॉम्बे मास्टर प्रिंटर्स एसोसिएशन में मुख्य कार्यकारी हैं।

कृत्रिम मेधा में बदलेगा भविष्य

डॉ. अभिलाषा गौर का कहना है कि आज कृत्रिम मेधा तंत्र के वास्तविक जगत अनुप्रयोगों का भंडार उपलब्ध है जो इस क्षेत्र में अनेक अवसरों की पेशकश करते हैं

डॉ. अभिलाषा गौर
सीओओ, इलेक्ट्रानिक सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया

कृत्रिम मेधा कंप्यूटर और मशीनों का उपयोग मानव मस्तिष्क की समस्या-समाधान और निर्णयकारी क्षमताओं की नकल करने के लिए करती है। आज एआई सिस्टम के कई, वास्तविक जगत के अनुप्रयोग हैं। नीचे इसके कुछ सबसे सामान्य उदाहरण दिए गए हैं:

वाक् पहचान : इसे स्वचालित वाक् पहचान (एएसआर), कंप्यूटर वाक् पहचान, या वाक-से-पाठ के रूप में भी जाना जाता है, और यह एक ऐसी क्षमता है जो इंसानी वाचन को लिखित प्रारूप में संसाधित करने के लिए प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) का उपयोग करती है। कई मोबाइल उपकरण ध्वनि खोजने के लिए अपने सिस्टम में वाक् पहचान को शामिल करते हैं। इस तकनीक का मूल्यांकन इसकी सटीकता दर-शब्द त्रुटि दर और गति के आधार पर किया जाता है। कई कारक शब्द त्रुटि दर को प्रभावित कर सकते हैं, जैसे कि उच्चारण, स्वर के उतार-चढ़ाव, पिच, वॉल्यूम और पृष्ठभूमि का शोर ।

ग्राहक सेवा : ग्राहक यात्रा के दौरान ऑनलाइन वर्चुअल एजेंट मानव एजेंटों की जगह ले रहे हैं। वे शिपिंग जैसे अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर देते हैं, या वैयक्तिकृत सलाह, क्रॉस-सेलिंग उत्पाद प्रदान करते हैं या उपयोगकर्ताओं के लिए आकार सुझाते हैं, जिससे वेबसाइटों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्राहक जुड़ाव के बारे में हमारे सोचने का तरीका बदल जाता है। कृत्रिम मेधा या नी एआई डेटा लेता है और ग्राहक की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम प्रतिनिधि की पहचान करने के लिए इसका उपयोग करता है। यह ग्राहक के साथ बातचीत करने से पहले प्रतिनिधि को आवश्यक पृष्ठभूमिगत जानकारी प्रदान करता है। इससे समय, जनशक्ति की बचत होती है और ग्राहकों को मसलों को कुशलतापूर्वक हल करने में मदद मिलती है।

कंप्यूटर विजन : यह एआई तकनीक कंप्यूटर और सिस्टम को डिजिटल छवियों, वीडियो और अन्य दृश्य जानकारी से सार्थक जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, और उन जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई कर सकती है। सिफारिशें प्रदान करने की यह क्षमता इसे छवि पहचान कार्यों से अलग करती है। दृढ़ तंत्रिका नेटवर्क द्वारा संचालित, कंप्यूटर विजन में सोशल मीडिया में फोटो टैगिंग, स्वास्थ्य देखभाल में रेडियोलॉजी इमेजिंग और ऑटोमोटिव उद्योग के भीतर सेल्फ-ड्राइविंग कारों के अनुप्रयोग हैं। कंप्यूटर विजन के लिए बहुत सारे डेटा की आवश्यकता होती है। यह डेटा के विश्लेषण को तब तक जारी रखता है जब तक कि यह भेदों को नहीं पहचानता और अंततः छवियों को पहचान लेता है। वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग प्रदर्शित करते हैं कि व्यवसाय, मनोरंजन, परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रयासों के लिए कंप्यूटर दृष्टि कितनी महत्वपूर्ण है।

एआई अनुकूलित हार्डवेयर : डिजिटल दुनिया के आगामी एआई-उपकरण संरचित होने पर केंद्रित हैं और विशेष रूप से एआई-उन्मुख कार्यों को निष्पादित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। उन्होंने ग्राफिक्स और केंद्रीय प्रसंस्करण इकाइयों में सुधार किया है जिससे अगली पीढ़ी के अनुप्रयोग प्रगति में तेजी आई है। एक क्षेत्र है प्रशिक्षण में तेजी लाने और अधिक जटिल मॉडल के प्रशिक्षण को सक्षम बनाने के लिए सिस्टम के प्रदर्शन और उत्पादन-दर को बढ़ाना। ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट अपने उच्च स्तर की समानता के कारण प्रशिक्षण और अनुमान में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। क्योंकि उन्हें तंत्रिका नेटवर्क संचालन के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।

कृषि में एआई : कृषि में स्वचालन दुनिया भर में एक उभरता हुआ विषय है। हाल के समय में, कृत्रिम मेधा खेती में बहुत अधिक प्रत्यक्ष आवेदन देख रही है एआई-संचालित समाधान न केवल किसानों को कम के साथ अधिक करने में सक्षम बनाएगा, यह गुणवत्ता में भी सुधार करेगा और फसलों के लिए तेजी से बाजार जाना सुनिश्चित करेगा। एआई का उपयोग कृषि उद्योग द्वारा स्वस्थ फसलों के उत्पादन, कीटों को नियंत्रित करने, मिट्टी व उभरती परिस्थितियों की निगरानी करने, किसानों के लिए डेटा व्यवस्थित करने, प्रयास कम करने और कृषि से संबंधित कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला में सुधार करने के लिए किया जा रहा है।

विश्वास के साथ पाएं सफलता

जेईई मेन 2022 परीक्षा जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल माह में चार सत्रों में आयोजित की जाएगी। इसे तैयार करने और इसमें कामयाब होने के टिप्स साझा कर रहे हैं **सौरभ कुमार**

जेईई एडवांस 2023 के लिए पाठ्यक्रम संशोधन की हालिया घोषणा के साथ, कई उम्मीदवार इस दुविधा में हैं कि आगामी जेईई परीक्षा 2022 में तैयारी कैसे करें। जेईई एडवांस 2023 का पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है , और विशुद्ध रूप से छात्र के दबाव को कम करना है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि जेईई मेन 2022 के पैटर्न या पाठ्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा, और उम्मीदवारों को इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है, बल्कि अपनी तैयारी और सुधार पर ध्यान दें। सिलेबस रिवीजन से तैयारी की रणनीति पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन हो सकता है कि उम्मीदवारों को अतिरिक्त दबाव महसूस न हो। चूंकि यह एक अतिरिक्त-प्रतिस्पर्धी माहौल को भी जन्म देगा, इसलिए तैयारी से अपना ध्यान नहीं हटना चाहिए।

जेईई मेन परीक्षा जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल में चार सत्रों में आयोजित की जाएगी और सभी उम्मीदवारों को बेहतर पर्सेंटाइल और रैंकिंग हासिल करने के लिए सभी सत्रों में बेहतरी पर ध्यान देना चाहिए। पिछले साल के जेईई मेन के दौरान परीक्षा- उपरांत छात्रों की प्रतिक्रिया से पता चला कि कुछ ने इसे कठिन और लंबा पाया, तो अन्य ने पिछले वर्ष की मुख्य परीक्षा के बराबर कठिनाई का स्तर पाया। इस प्रकार, हमेशा सैद्धांतिक/ तथ्य आधारित प्रश्नों को पहले हल करें और फिर उन प्रश्नों को हल करें जिनमें गणना की आवश्यकता होती है।

– ऑनलाइन मॉक टेस्ट का प्रयास करें : कठोर रिवीजन और अनेक मॉक टेस्ट का प्रयास करने से छात्रों को विषयों और अवधारणा स्पष्टीकरण के साथ पूरी तरह से मदद मिलेगी और वे जेईई मेन्स परीक्षा के वर्तमान रुझान और पैटर्न के साथ अच्छी तरह से अपडेट रहेंगे। मॉक टेस्ट लेना और वास्तविक समय का विश्लेषण करना काफी उपयोगी पाया गया है। इसमें छात्र गलतियों से सीखते हैं और इसलिए परीक्षा के दिन उन्हें दोहराने से बचते हैं।

– सुव्यवस्थित दोहराने की योजना : रिवीजन के लिए एक व्यवस्थित योजना बनाएं और अपनी विषयवार अवधारणा स्पष्टता का परीक्षण करने के लिए इसका सख्ती से पालन करें। उचित पुनरीक्षण योजना के प्रति व्यवस्थित दृष्टिकोण छात्रों को सफल होने में मदद करेगा।

– समय प्रबंधन पर ध्यान दें : परीक्षा से पहले उपलब्ध समय को ध्यान में रखते हुए अपने अध्ययन की योजना बनाएं। अध्ययन करते समय मुख्य बिंदुओं को नोट करने की आदत बनाएं, इससे आपको बाद में त्वरित संशोधन में मदद मिलेगी। समय प्रबंधन के साथ सही रणनीति परीक्षा परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए, पेपर के स्तर के अनुकूल होने के लिए पर्याप्त अभ्यास करें और तुरंत कार्य करें।

– प्रतिष्ठित स्रोत का अनुसरण करें: एनसीईआरटी

पुस्तकों के साथ तैयारी शुरू करें, क्योंकि वे दोनों परीक्षाओं के लिए एक अच्छा वैचारिक आधार हैं और समझने में आसान हैं। प्रतिष्ठित स्रोत से प्रश्न बैंकों का अध्ययन करें और उन्हें प्रतिष्ठित ढंग से हल करें जो कुशल अभ्यास में मदद करता है।

– अपनी शंकाओं का समाधान करें : शिक्षकों, गुरुओं, साथियों से हमेशा अपनी शंकाओं का समाधान करें और प्रश्न पूछने में कभी संकोच न करें। कभी-कभी स्मार्ट वर्क कड़ी मेहनत पर हावी हो जाता है और रणनीतिक रूप से तैयारी करने से साथियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होता है। नियमित अभ्यास से प्रश्नों के प्रति अनुकूलनशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया आती है और इसलिए रिवीजन में उपलब्ध समय का अधिकतम लाभ उठाने से बेहतर स्कोर करने में मदद मिलती है। अवधारणाओं को पूर्ण करने के लिए लगातार संशोधन करके क्षमताओं को निखारने पर अधिक ध्यान दें।

स्व-लिखित नोट्स बनाने से व्यक्ति को फॉर्मूले, टिप्स और ट्रिक याद रखने में मदद मिलती है और ये जेईई की तैयारी के दौरान बहुत मददगार होते हैं और इसे दोहराना आसान होता है। आराम करने या आराम करने के लिए कुछ समय निकालने से मस्तिष्क भी सीखी हुई चीजों को अपनी उंगलियों पर याद करने के लिए तैयार हो जाता है। शांत रहें लेकिन एकाग्रता न खोएं क्योंकि जेईई की सफलता में स्वभाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

– लेखक विद्यामंदिर क्लासेज के अकादमिक निदेशक हैं

एनएमसी गजट का क्या है अर्थ

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने हाल ही में विदेश में चिकित्सा का अध्ययन करने के इच्छुक छात्रों के लिए नए नियम से संबंधित एक अधिसूचना जारी की थी। इसने कई लोगों को भ्रमित कर दिया है कि विदेशी विश्वविद्यालयों से चिकित्सा की पढ़ाई की जाए या नहीं। इस राजपत्र का अर्थ और आशय स्पष्ट कर रहे हैं विशु त्रिपाठी

हर साल हजारों मेडिकल छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए दूसरे देश जाते हैं। स्टडी डेस्टिनेशन चुनने के पीछे मुख्य कारण फीस वहन करने की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने के अवसर हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा 18 नवंबर, 2021 को जारी अधिसूचना के बाद से कई छात्र इस नए नियम को लेकर असमंजस में हैं। विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई उन मेडिकल छात्रों के लिए एक वरदान के समान है, जो भारत में एमबीबीएस में प्रवेश पाने के लिए संघर्ष करते हैं। सीटें सीमित हैं और सभी छात्र देश के कॉलेजों में मेडिकल सीट पाने में कामयाब नहीं होते हैं। इसलिए वे देश से बाहर एमबीबीएस की पढ़ाई करने का फैसला करते हैं। विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स संबंधित नए नियमों के बाद उन्हें अपने भविष्य की चिंता सता रही है

प्रमुख बिंदु-नेशनल मेडिकल कमीशन रेगुलेशन के 40 से अधिक पृष्ठों में विदेश जाने वाले मेडिकल छात्रों से संबंधित कई नियम शामिल हैं। इसमें एमबीबीएस या समकक्ष पाठ्यक्रम की अनिवार्य अवधि, इंटर्नशिप जानकारी, एनईएक्सटी परीक्षा अपडेट और अन्य महत्वपूर्ण नियम शामिल हैं, जिनका कि छात्र पालन करेंगे।

❒ 54 महीने की अवधि का अनिवार्य स्लैब : एनएमसी राजपत्र 2021 के अनुसार, भारत में केवल वही एमबीबीएस डिग्री मान्य होगी जिनकी अवधि 54 महीने है। रूस, यूक्रेन, चीन और अन्य देशों के कई विदेशी चिकित्सा विश्वविद्यालय इस मानदंड के अंतर्गत आते हैं। दूसरी ओर, फिलीपींस एक एमडी कोर्स (एमबीबीएस प्रोग्राम के बराबर) प्रस्तावित करता है, और यह कोर्स 48 महीने का होता है।

❒ 12 माह की अनिवार्य इंटर्नशिप : यह अनिवार्य है कि छात्रों को भारत में 12 महीने की अनिवार्य इंटर्नशिप करनी होगी, इससे छात्रों को भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के अनुसार काम करने में मदद मिलेगी।

❒ अंग्रेजी माध्यम अध्ययन : उन चिकित्सा विश्वविद्यालयों की एमबीबीएस डिग्री भारत में मान्य होगी जो अंग्रेजी में एमबीबीएस पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

❒ नेशनल एग्जिट टेस्ट मेडिकल ग्रेजुएट्स के लिए अनिवार्य है : यह प्रस्तावित किया गया था कि नेशनल एग्जिट टेस्ट एमबीबीएस फाइनल ईयर के छात्रों के लिए कॉमन एग्जिट टेस्ट होगा। अब इस नोटिफिकेशन के बाद हर मेडिकल स्टूडेंट को यह टेस्ट पास करना होगा। भारत में उनकी मेडिकल डिग्री को मान्य करने के लिए यह एकमात्र शर्त है। साथ ही इस अगली परीक्षा के बाद उन्हें मेडिकल प्रैक्टिस की डिग्री भी मिलेगी।

❒ पुराने छात्रों पर लागू नहीं : एनएमसी नियमन के अनुसार, यह राजपत्र और इसका नियम उन छात्रों पर लागू होगा जिन्हें 18 नवंबर 2021 के बाद प्रवेश मिलेगा। इसका मतलब यह है कि यह नियम उन छात्रों को प्रभावित नहीं करेगा जो पहले से ही विदेशी चिकित्सा विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। इसलिए, वे छात्र अपनी नियमित अवधि के साथ जा सकते हैं और भारत में प्रेक्टिस कर सकते हैं, जब वे मेडिकल लाइसेंसिंग परीक्षा पास करेंगे।

प्रभावित देश

इस कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित देश फिलीपींस है। देश के मेडिकल विश्वविद्यालय 48 महीने के एमडी कोर्स ऑफर करते हैं और इस कानून के मुताबिक उनकी मेडिकल डिग्री मान्य नहीं होगी। इससे पहले, छात्रों को अपनी प्री-मेडिसिन पूरी करने के बाद एमडी करने की अनुमति थी।

अब, जिन छात्रों की फिलीपींस में एमबीबीएस की पढ़ाई करने की योजना थी, वे इस बारे में अपडेट जानने के लिए उत्सुक हैं। मनीला के भारतीय दूतावास ने स्पष्ट कर दिया है कि बीएस (प्री-मेड कोर्स) एमबीबीएस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा किर्गिस्तान एक और देश है जो इस नियम से प्रभावित है लेकिन भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया कि किर्गिस्तान की एमबीबीएस डिग्री वैध है।

आगे क्या ?

बड़ा सवाल यह है कि इस नियम के बाद एक भारतीय मेडिकल छात्र के लिए सबसे अच्छा फैसला क्या होना चाहिए। यह उम्मीद की जाती है कि छोटी अर्थव्यवस्था वाले देश जैसे कि फिलीपींस और अन्य देश अपने पाठ्यक्रम की अवधि बढ़ाएंगे। अधिकांश विश्वविद्यालय स्वायत्त हैं इसलिए उन्हें एमडी पाठ्यक्रम की अवधि बढ़ाने की अनुमति है।

जैसे ही वे 54 महीने की श्रेणी में आते हैं तो उनकी डिग्री भारत में मान्य होगी। मनीला के भारतीय दूतावास को इस संबंध में बहुत सारे सवाल मिले हैं और उन्होंने सभी सवालों को आगे की अपडेट के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को भेज दिया है। वहीं एफएमएआई समेत कई चिकित्सा संगठनों ने इस नियम का विरोध किया है। उनके अनुसार, ये नियम मध्यवर्गीय मेडिकल छात्रों के लिए मार्ग-अवरोधक हैं। कुल मिलाकर, यह संभव हो सकता है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग इस संबंध में एक अपडेट के साथ आएगा, या चिकित्सा डिग्री को मान्य करने के लिए एक मध्य मार्ग की पेशकश करेगा।

छात्रों को सलाह

इस क्षेत्र के अनुभवी शिक्षा सलाहकार इस नियम से चिंतित हैं। इसको लेकर और भी भ्रम हैं। नए एनएमसी गजट के तथ्यों और तकनीकी को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वाले कई वीडियो इंटरनेट पर अपलोड किए जा रहे हैं। यह सलाह दी जाती है कि विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए किसी भी देश को चुनने से पहले आपको गजट पढ़ लेना चाहिए। इससे आपको इसकी स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

– लेखक एफिनिटी एजूकेशन सीईओ और संस्थापक हैं